3 राजधानी
कोरोना से पांच और की मौत

6 अभिमत
विशाखापत्तनम गैस त्रासदी के सबक

10 स्पोर्ट्स
क्रिकेटरों को कोविड-19 खतरे के साथ रहना होगा: गंभीर

11 विदेश
ब्रिटेन में लॉकडाउन बढ़ाए जाने की उम्मीद

RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 186
नई दिल्ली, सोमवार, 11 मई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

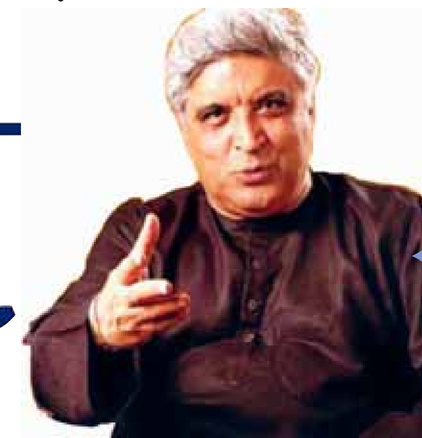

लाउडस्पीकर पर अजान देने के चलन को रोका जाए
राष्ट्रीय-9

डबलिंग की रेस में भारत की रफ्तार तेज

नवीन उपाध्याय। नई दिल्ली

कोरोना संकट

● रूस व पेरू ही आगे, अमेरिका, फ्रांस, इटली और स्पेन जैसे ज्यादा प्रभावित देशों में मामलों के दोगुना होने की रफ्तार हमसे कम

अधिकारियों और विशेषज्ञों का द्वारा भरोसा दिलाए जाने के बावजूद भारत में एक माह की अवधि में कोरोना वायरस संक्रमण मामलों के दोगुना (डबलिंग) होने तथा केसों की संख्या में बढ़ोतरी की रफ्तार को देखते हुए स्थिति बहुत बेहतर नहीं कही जा सकती। देश वैश्विक औसत से मीलों आगे निकल चुका है तथा कुछ बेहद प्रभावित देशों को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया है।

एक माह में भारत में केसों की संख्या में नौ गुना बढ़ोतरी हुई। जो मामले नौ अप्रैल को 6700 से वे नौ मई को बढ़कर 63000 से ज्यादा हो गए। इस अवधि में दुनिया भर में मामले 1,600590 से बढ़कर 4,098,288 हो गए, जिसे करीब ढाई गुना वृद्धि कहा जा सकता है। अमेरिका में भी ढाई गुना बढ़ोतरी देखी गई। यहां पर नौ अप्रैल से नौ मई के बीच केस बढ़कर 4,29,000 से 1,029,494 हो गए। भारत ने संक्रमण से बुरी तरह से प्रभावित अन्य देशों जैसे फ्रांस. इटली, स्पेन,जर्मनी, चीन, कनाडा, तुर्की और ईरान को अपनी तेज गति के कारण पीछे छोड़ दिया है। 11 दिन की अपनी डबलिंग की रफ्तार के कारण एक माह में मामलों की बढ़ोतरी के संदर्भ में भारत सबसे बुरी तरह प्रभावित 13 देशों में केवल एक देश रूस से ही पीछे चल रहा है। वैश्विक स्तर पर दोगुना होने की रफ्तार 22-24 दिन पर स्थिर है जबकि अमेरिका, फ्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा, स्पेन, तुर्की और ईरान में केसों की डबलिंग 24 से 39 दिनों में हो रही है। नौ मई को दुनिया भर में पॉजिटिव मामले 4,115,559 थे। इसका आधा 2,057,779 तक पहुंचने में 24 दिन लगे। 16 अप्रैल को यह संख्या 2076503 थी।

डबलिंग की वैश्विक दर पिछले एक माह से लगभग स्थिर है और प्रतिदिन 75,000 से 95,000 नए मामले सामने आ रहे हैं। प्रति दिन के आधार पर इनमें से एक तिहाई केस अकेले अमेरिका से हैं। कुल वैश्विक मामलों में अमेरिका का योगदान 25 फीसदी का है। नौ मई को अमेरिका में कुल मामले 1,247,318 थे और 15 अप्रैल को यह संख्या 6,52,476 थी जिसे दोगुना होने में 24 दिन का समय लगा। इसी अवधि मे 21 मार्च से 15 अप्रैल के बीच अमेरिका 5600 से 65246 मामलों तक पहुंच गया, यानी इसमें 12 गुना वृद्धि दर्ज की गई। अब स्पेन का मामला लीजिए जहां हफ्तों काफी संख्या में मामले आने के बाद लगता है कि वहा पीक (चरमोत्कर्ष) का दौर निकल चुका है। नौ मई को यहां पर कुल मामले 262,783 थे जबकि नौ अप्रैल को यह संख्या 153,222, जो कि एक माह में दोगुने से कम बढ़ोतरी है। वस्तुत: स्पेन में 15 अप्रैल को 131646 केस थे जो 24 दिन बाद नौ मई को 262,783 हो गए। ब्रिटेन में भी इसी तरह का ट्रेंड देखने को मिला। देश में नौ मई को कुल मामले 215260 थे, एक माह पहले नौ अप्रैल 65,00 था। इसके बढ़ने की दर एक माह में चार गुना से थोड़ा कम था। इससे पहले यहां 22 दिनों में 22 मार्च को 5600 मामलों से 17 अप्रैल तक 108692 तक पहुंच गया। आंकड़ों में इसे 18 गुना बढ़ोतरी कहा जा सकता है। इटली में बड़ी संख्या में मौतें हुई। यहां पर एक अप्रैल को 110576 से नौ मई को 39 दिनों में 218268 मामले हो गए। इटली मे इसमें 500 गुना बढ़ोतरी हुई। जो मार्च 21 को 21 से बढ़कर 110,576 तक पहुंच गया।

इटली में नौ अप्रैल को यह संख्या 143,726 थी, जिससे पता चलता है कि एक माह में यहां डेढ़ गुना बढ़ोतरी हुई, जो कि भारत से छह गुना कम है। फ्रांस ने भी पांच अप्रैल को 87579 से 9 मई को 176658 तक पहुंचने मे 34 दिन का समय लगा। इस 34 दिन अवधि 1 मार्च से 5 अप्रैल तक फ्रांस में मामलों में 80 गुना तेजी आई थी-जो एक मार्च को 130 से बढ़कर पांच अप्रैल को 87579 हो गए थे। जर्मनी ने दोगुना होने में थोड़ा समय लिया। यहां पर नौ अप्रैल को 118,235 मामले थे जो नौ मई को 171,324 हो गए। इससे पहले इसी अवधि में 25 फरवरी को 18 मामलों से बढ़कर 2 अप्रैल 84794 हो गए जो 4500 गुना ज्यादा वृद्धि थी। यही मामला दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील के साथ जहां नौ अप्रैल को 18,000 केस थे नौ मई को यह बढ़कर 156,061 हो गई। यहां आठ गुना से कम बढ़ोतरी हुई। लेकिन यहां पर 29 अप्रैल को 79361 मामले थे जबकि अगले 10 दिन यानी नौ मई को 1,56,061 हो गए। तुर्की और ईरान ने 24 से 36 दिनों में दोगुना हुए मामले। एक माह की औसत बढ़ोतरी में दोनों देश भारत से कम रहे। डबलिंग के मामले में सिर्फ रूस और पेरू भारत से आगे हैं। इन दोनों देशों में बाद में मामलों से तेजी से बढ़ोतरी हुई है और डबल होने में 10 दिन का समय लग रहा है। रूस में नौ मई 209688 मामले थे जबकि 30 अप्रैल को यह संख्या 106498 थी यानी नौ दिन में केस दोगुना हो गए। पेरू 3.2 करोड़ की आबादी वाला देश हैं। यहां पर नौ अप्रैल को 5000 के आसपास मामले थे जो नौ मई को बढ़कर 65,000 मामले हो गए। यह बढ़ोतरी करीब 13 गुना है।

विश्लेषण से पता चलता है कि लॉकडाउन लागू होने के बाद अमेरिका और यूरोप में डबलिंग की दर धीमी हुई, जबकि रूस और दक्षिण अमेरिका में तेज हुई, जबकि भारत में इसमें लगातार तेजी आ रही है। उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में टूटे, परेशान और संक्रमित प्रवासी मजदूरों के लौटने की खबरें लगातार आ रही है। इसके अलावा शराब की ठेकों उमड़ी भीड़ भी दहशत को बढ़ा रही है। देश में लॉकडाउन को चरणबद्ध तरीके से हटाने की बात चल रही, लिहाजा कोविड-19 की बढ़ती रफ्तार के मद्देनजर आने वाला समय बेहद चुनौती भरा हो सकता है।

कोच्चि में स्वास्थ्य परीक्षण के बाद बाहर निकलते मालदीव से लाए गए भारतीय नागरिक

सीमा पर तनाव

लद्दाख व सिक्किम में भारत और चीन के सैनिक भिड़े, कई जख्मी

● बातचीत के बाद मामला हुआ शांत, पहले भी हो चुकी है घटनाएं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख और दोनों देशों की सीमा से लगे सिक्किम सेक्टर में नाकू ला दर्रे के पास दो तीखी झड़पें हुईं हैं। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को दी। सूत्रों ने बताया कि पहली घटना में पांच मई देर शाम पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर भारतीय जवानों और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई और दोनों पक्षों के बीच गतिरोध अगली सुबह बातचीत के बाद समाप्त हुआ। उन्होंने बताया कि दोनों ओर से कई सैनिकों को मामूली चोटें आयीं। सूत्रों ने बताया कि इस घटना में करीब 200 कर्मी शामिल थे। झड़प के बाद दोनों पक्षों ने अतिरिक्त सैनिक तैनात किए।

दोनों देशों के सैनिकों के बीच इस तरह की घटना पैंगोंग झील के पास अगस्त 2017 में हुई थी। उसके बाद यह ऐसी पहली घटना है। इस बारे में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आयी है कि इसमें भारत के कितने सैनिकों को चोटें आयी हैं। सूत्रों ने बताया कि एक अन्य घटना में करीब 150 भारतीय और चीनी सैन्य कर्मियों के बीच नाकू ला दर्रे के पास झड़प हुयी जिसमें कम से कम 10 सैनिकों को चोटें आयीं। सूत्रों ने बताया कि सैनिकों के बीच घूंसे चले। सेना के एक अधिकारी ने कहा, 'सीमा की निगरानी करने वाले सैनिकों के बीच अस्थायी और अल्प अवधि की झड़प की घटनाएं होती हैं क्योंकि सीमाओं का समाधान नहीं हुआ है ... दोनों पक्षों द्वारा आक्रामक व्यवहार से सैनिकों को मामूली चोटें आईं।' उन्होंने कहा, 'स्थानीय स्तर पर बातचीत और संवाद के बाद सैनिकों को अलग किया गया।

सैनिक स्थापित प्रोटोकॉल के अनुरूप ऐसे मामलों को परस्पर रूप से सुलझा लेते हैं।' भारत और चीन के सैनिकों के बीच 2017 में डोकलाम ट्राई जंक्शन के पास 73 दिन तक गतिरोध कायम रहा था। उस घटना से दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच युद्ध की आशंकाएं भी उत्पन्न हो गई थीं। भारत-चीन सीमा विवाद 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर है। चीन का दावा है कि अरुणाचल प्रदेश दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा है जबकि भारत इसका खंडन करता आया है। दोनों पक्षों का कहना है कि सीमा मुद्दे का हल होने तक सीमा क्षेत्रों में शांति बनाये रखना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी (शेष पेज 9)

मुख्यमंत्रियों से मोदी आज करेंगे बात, लॉकडाउन पर होगी चर्चा

● वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये होगी पांचवीं बैठक, आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने पर भी रहेगा जोर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन चरणबद्ध तरीके से हटाने के बीच आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने पर जोर देने के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार दोपहर विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बातचीत करेंगे।

देश में कोरोना वायरस का प्रकोप शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री की मुख्यमंत्रियों के साथ यह पांचवीं बैठक होगी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि वीडियो कांफ्रेंस सोमवार दोपहर तीन बजे शुरू होगी। सरकार में मौजूद सूत्रों ने बताया कि बैठक में आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने और कोविड-19 के 'रेड जोन' को 'ऑरेंज जोन' या 'ग्रीन जोन' में तब्दील करने की कोशिशें बढ़ाने पर बल दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री द्वारा मुख्यमंत्रियों के साथ पिछली बार 27 अप्रैल को बातचीत किये जाने के बाद से कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। यह लगभग 28,000 के आंकड़े से बढ़ कर करीब 63,000 पहुंच गई है। बैठक के कुछ दिनों बाद केंद्र सरकार ने लॉकडाउन की अवधि और दो हफ्तों के (शेष पेज 9)

एअर इंडिया के पांच पायलट और दो कर्मी संक्रमित

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

एअर इंडिया के पांच पायलट और राष्ट्रीय वाहक की इंजीनियरिंग सेवा सहायक एआईईएसएल के दो कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। एयरलाइन के सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। एअर इंडिया विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों को वहां से निकालने के लिए उड़ानों का संचालन कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया ने अपने पायलटों को इस तरह की किसी भी उड़ान से पहले कोरोना वायरस की जांच कराने को कहा था। एक सूत्र ने कहा, एअर इंडिया के पांच पायलट कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इन पायलटों का एक के बाद एक परीक्षण किया गया था। हमें संदेह है कि यह खराब जांच किट का भी मामला हो सकता है। एक अन्य सूत्र ने बताया कि ये पांच पायलट बोइंग 787 (शेष पेज 9)

तमिलनाडु में एक दिन में 669 केस दस राज्यों में कोई नया मरीज नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● केंद्र ने राज्यों को भेजे 72 लाख एन-95 मास्क, 36 लाख पीपीई किट, 483 जिलों में 7,740 अस्पताल चिन्हित

● कोरोना पीड़ितों का आंकड़ा 63 हजार के करीब, 2100 की मौत

सरकार की रोकथाम की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में कोरोना तेजी से फैलता दिख रहा है। रविवार को तमिलनाडु में 24 घंटे में सबसे अधिक 669 मरीज मिले हैं। इससे राज्य के साथ ही केंद्र सरकार चौकन्नी हो गई है। इसी तरह मुम्बई की आर्थर रोड जेल में भी 81 नए मरीज सामने आए। दिल्ली, अहमदाबाद, पुणे, चन्नई, आगरा जैसे शहरों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

देशभर में अब कोरोना से करीब 63 हजार लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 41,472 ऐक्टिव केस हैं। इलाज के बाद 19,357 मरीज ठीक भी हो गए हैं और इस महामारी से मरने वालों का आंकड़ा 2,109 पहुंच गया है। बीमारी की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों के बाबत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने बताया कि सरकार की कोशिशें रंग ला रही हैं। दस राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं, जहां पिछले 24 घंटों में कोरोना का कोई केस नहीं आया है। ये राज्य उन चार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से अलग हैं, जहां कोरोना वायरस का एक भी मामला अब तक नहीं मिला है। इन (शेष पेज 9)

केंद्र ने विशेष ट्रेन चलाने में राज्यों का सहयोग मांगा

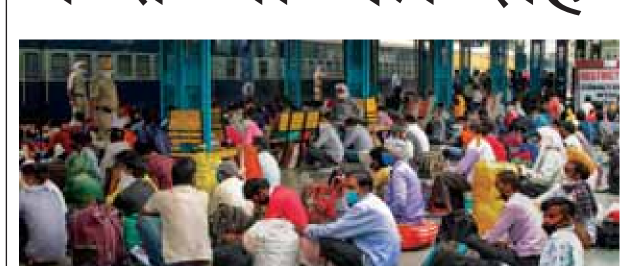

पटियाला से विशेष ट्रेन से अपने घर जाने का इंतजार करते रेलवे प्लेटफार्म पर बैठे यात्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे प्रवासी मजदूरों को उनके गंतव्य स्थानों तक पहुंचाने के लिए विशेष रेलगाड़ियां चलाने को लेकर राज्यों से रविवार को सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि अब तक 3.6 लाख श्रमिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए करीब 350 रेलगाड़ियां चलाई गई हैं। कैबिनेट सचिव की यह अपील एक दिन पहले ही पश्चिम बंगाल तक श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाने को लेकर राज्य सरकार और केंद्र के बीच हुए वाक युद्ध (शेष पेज 9)

रेल मंत्री ने अपील की

नई दिल्ली। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने सभी राज्यों से अपील की है कि प्रवासी श्रमिकों के लिए चलाई जाने वाली विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की अनुमति दें ताकि फंसे लोग अगले तीन-चार दिनों में अपने घर (शेष पेज 9)

रेलवे 12 से चुनिंदा यात्री ट्रेन सेवा करेगी शुरू

नई दिल्ली। भारतीय रेल ने रविवार को कहा कि उसकी योजना 12 मई से चरणबद्ध तरीके से यात्री ट्रेन सेवाएं शुरू करने की है, और शुरुआत में चुनिंदा मार्गों पर 15 जोड़ी ट्रेनें (अप-एंड-डाउन मिलाकर 30 ट्रेनें) चलायी जाएंगी। ये ट्रेनें विशेष ट्रेनों के रूप में नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन से चलेंगी और डिब्रूगढ़, अगरतला, हावड़ा, पटना, बिलासपुर, रांची, भुवनेश्वर, सिकंदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, मडगांव, मुंबई सेंट्रल, अहमदाबाद और जम्मू-तवी को जाएंगी। कोविड-19 (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	31,642	
निफ्टी	9,251	
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को बेचैनी महसूस होने के बाद रविवार रात एम्स मे भर्ती कराया गया। सूत्रों ने बताया कि 87 वर्षीय सिंह को एम्स के कार्डियो-थोरैसिक (हृदय और सीने से संबंधित) वार्ड में निगरानी में रखा गया है। उन्होंने बताया कि सिंह को रात करीब पौने नौ बजे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में कार्डियोलॉजी के प्रोफेसर डॉक्टर नीतीश नायक की निगरानी मे अस्पताल मे भर्ती कराया गया। सूत्रों में से एक ने बताया, उन्हें निगरानी में रखा गया है। सिंह विपक्षी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता है और फिलहाल राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं। वह 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे है।

घर लौट रहे उप्र के 11 प्रवासी मजदूरों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। भोपाल

● इनमें से पांच की मौत कथित रूप से भीषण गर्मी एवं अत्यधिक थकान से जबकि छह की मौत ट्रक के पलटने से हुई

कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण परेशान होकर अपने घर जा रहे 11 प्रवासी मजदूरों की पिछले 24 घंटों में मध्य प्रदेश के चार जिलों नरसिंहपुर, बड़वानी, सागर एवं शाजापुर में मौत हो गई है, जबकि 14 अन्य घायल हो गए हैं। ये मजदूर महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं तेलंगाना से उत्तर प्रदेश जा रहे थे।

इनमें से पांच मजदूरों की मौत कथित रूप से भीषण गर्मी एवं अत्यधिक थकान के बाद तबीयत खराब होने के बाद हुई है, जबकि छह मजदूरों की मौत नरसिंहपुर जिले में एक ट्रक के पलट जाने से हुई। इस सड़क हादसे में 14 अन्य मजदूर घायल भी हुए। जिन पांच मजदूरों की मृत्यु भीषण गर्मी एवं अत्यधिक थकान के बाद तबीयत खराब होने के बाद हुई है, उनमें से तीन की मौत बड़वानी जिले में और एक-एक की मौत सागर एवं शाजापुर जिलों में हुई है। नरसिंहपुर जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर मुंगवानी थाना क्षेत्र के ग्राम पाठा के पास शनिवार की (शेष पेज 9)

15 तक जारी रह सकता है आंधी-बारिश का दौर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम, तेज धूलभरी आंधी से दिन में हुआ अंधेरा

दो दिन गर्मी झेलने के बाद रविवार को फिर अचानक मौसम बदला और तेज आंधी के साथ हल्की बारिश हुई। कहीं-कहीं ओले भी पड़े। दोपहर में अचानक धूलभरी हवा और काले-काले बादलों ने ऐसा डेरा डाला कि चारों ओर अंधेरा छा गया। दिन में रात जैसा माहौल बन गया। उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में आंधी-बारिश से तापमान में गिरावट आई और मौसम काफी सुहाना हो गया।

मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले चार-पांच दिन हल्के बादल छाए रहेंगे और रुक-रुक कर वर्षा होगी। इस दौरान कई बार 30 से 40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगीं। राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में शनिवार को पारा 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। दिन में सूरज की तपिश और रात में उमस से लोग बेहाल रहे।

शनिवार को पालम इलाके में इस साल सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। रविवार सुबह से आकाश में हल्के बादल छाए थे, लेकिन दोपहर में अचानक मौसम बदल गया। आईएमडी के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केन्द्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण आंधी आई और बारिश हुई। शहर में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। मौसम विभाग का कहना है कि 15 मई तक कहीं-कहीं अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ जाएगा। अगले दो दिनों में राजस्थान, उत्तरी गुजरात, मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, तेलंगाना और कर्नाटक में भीषण गर्मी पड़ सकती है। इस दौरान दिल्ली-एनसीआर में धूप-छांव का मौसम बना रहेगा।

बीच-बीच में बारिश और 30 से 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चलेगी जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। इसके बाद 15 मई को भी बारिश हो सकती है जिससे तापमान में और गिरावट आएगी।

नई दिल्ली में तेज आंधी-पानी के कारण सड़क पर खड़े वाहन पर गिरा पेड़

एक माह में तीसरी बार भूकंप, वजीरपुर में केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में एक बार फिर रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। एक महीने के भीतर ऐसा तीसरी बार हुआ है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गई है। इससे पहले 12 और 13 अप्रैल को भी दिल्ली में धरती हिली थी और केंद्र भी उत्तर-पूर्वी दिल्ली ही था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के (शेष पेज 9)

स्काइमेट वेदर सर्विसेज के मौसम वैज्ञानिक महेश पलावत ने कहा कि दिल्ली में आमतौर पर मई के पहले दो हफ्तों (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 11 मई, 2020

गेहूं खरीद के बाद अब धान बुवाई पर सियासत तेज

प्रदेश के 19 ब्लॉक व हजारों एकड़ जमीन पर धान बुवाई पर प्रतिबंध

अपने एक आदेश पर विपक्ष के हाथों घिरी भाजपा - जजपा सरकार

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कोरोना महामारी से जूझ रहे हरियाणा में गेहूं खरीद के बाद अब धान बुवाई के मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। मुद्दा धान की पैदावार करने वाले हरियाणा के 19 ब्लॉक में 2,30,000 एकड़ से ज्यादा जमीन पर धान बोने पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर है। विपक्ष इस आदेश से खासा नाराज है और भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार की घेराबंदी तेज कर दी गई है।

हरियाणा की मुख्य विपक्षी कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा व वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने वीडियो कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर तीखे आरोप लगाए और कहा कि राज्य सरकार ने नौ मई को एक नया तानाशाही हुक्मनामा जारी कर साबित कर दिया कि वह किसानों की दुश्मन है।

दोनों नेताओं ने कहा कि सरकार द्वारा जारी की गई मेरा जल मेरी विरासत स्कीम में इस तरह की शर्तें लगाई गई हैं कि प्रदेश के 19 ब्लॉकों में किसान धान की खेती नहीं कर सकता। इनमें से 8 ब्लॉक चिह्नित किए गए हैं। सीवन व गुहला (जिला कैथल) पीपली, शाहबाद, बबैन, इस्माइलाबाद, (जिला कुरुक्षेत्र) रतिया, जिला फतेहाबादद्ध व सिरसा (जिला सिरसा)। कुल चिह्नित की गई जमीन 1,79,951 हेक्टेयर या 4,44,667 एकड़ है, जिसमें से 50 प्रतिशत पर यानि 2,22,334 एकड़ पर धान की खेती पर रोक लगा दी गई है। इन नेताओं ने कहा कि 19 ब्लॉक में अगर किसान ने 50 प्रतिशत से अधिक जमीन में धान की खेती की, तो किसान को सरकार की सब तरह की सब्सिडी से इंकार होगा और किसान का धान भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदा जाएगा।

उन्होंने सरकार के सामने सवालों की झड़ी लगाते हुए पूछा कि 19 ब्लॉक के किसानों की रोजी रोटी छीन धान की खेती पर रोक क्यों लगाई जा रही है। क्या इस साल 50 प्रतिशत से अधिक धान बीजने पर लगाई गई पाबंदी अगले साल तक बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगी? ऐसे में किसान क्या करेगा? उन्होंने कहा कि क्या सरकार द्वारा 19 ब्लॉक के धान पैदा करने वाले किसानों की फसल को एमएसपी पर न खरीदने का निर्णय तानाशाहीपूर्ण नहीं।

26 ब्लॉक में पंचायत की जमीन पर किसान द्वारा धान की खेती पर रोक लगाने के अलावा क्या कोई और विकल्प नहीं? क्या खट्टर सरकार द्वारा दादूपुर नलवी रिचार्ज नहर परियोजना को बंद करने के निरंकुश निर्णय की सजा अब उत्तरी हरियाणा का किसान भुगत रहा है? उन्होंने कहा कि पिछले साल की जल ही जीवन स्कीम पूरी तरह से फेल हो जाने के बाद इस साल मेरा पानी मेरी विरासत स्कीम कैसे कामयाब होगी? क्या ये दोनों स्कीम किसान को पीड़ा देकर तजुर्बा करने का खट्टर सरकार का हथियार हैं, ताकि खरीद फसलों में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य न देना पड़े।

मामला सात जिलों में धान की रोपाई पर रोक लगाने का

भारतीय किसान यूनियन ने सरकार के विरुद्ध खोला मोर्चा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के सात जिलों में धान की रोपाई पर रोक लगाए जाने के बाद छिड़ा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। विपक्षी दल कांग्रेस के बाद अब भारतीय किसान यूनियन ने भी सरकार के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए आंदोलन का ऐलान कर दिया है।

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने रविवार को चंडीगढ़ में जारी एक बयान में कहा कि सरकार ने एक साजिश के तहत दादूपुर नलवी नहर परियोजना को बंद किया और डार्कजोन में जमीन सिंचाई के लिए कोई योजना नहीं बनाई। अब सरकार ने 19 ब्लाकों में पचास प्रतिशत से अधिक जमीन पर धान की रोपाई पर रोक लगा दी है।

उन्होंने बताया कि जिस भूमि में धान की पैदावार पर रोक लगाई गई है वह कुल चिन्हित 4,44,667 एकड़ है। जिसमें से 50 प्रतिशत पर यानि 2,22,334 एकड़ पर धान की खेती पर रोक लगा दी गई है। सरकार के आदेशानुसार 19 ब्लॉक्स में से अगर किसान ने 50 प्रतिशत से अधिक भूमि में धान की खेती की तो किसान को किसी तरह की सब्सिडी का लाभ नहीं मिलेगा।

जन आंदोलन खड़ा करए विधायकों पर बनाएंगे सरकार से समर्थन वापसी का दबाव

उन्होंने ने बताया की पिछले वर्ष भी सरकार ने धान की फसल की जगह मक्का पैदा करने के लिए जल ही जीवन स्कीम शुरू की थी। चुने हुए इलाकों में धान की जगह मक्का की खेती करने के लिए 2000 रुपये प्रति एकड़ नगद, 766 रुपये प्रति एकड़ बीमा प्रीमियम व हाईब्रिड सीड देने का वादा किया था। 50,000 हैक्टेयर यानि 1,37,000 एकड़ में धान की बजाए मक्का की खेती होनी थी। परंतु न तो किसान को प्रति एकड़ मुआवजा मिलाए न बीमा हुआ। हाईब्रीड सीड फेल हो गया। अब सरकार ने जल ही जीवन स्कीम का नाम बदलकर मेरा पानी मेरी विरासत के नाम से एक नई स्कीम 19 नए ब्लॉक में चालू कर दी है। भकियू अध्यक्ष ने कहा कि अगर सरकार ने यह फैसला वापस नहीं लिया तो भकियू द्वारा बैठकों का आयोजन करके आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी और अपने-अपने क्षेत्र के विधायकों पर इस बात के लिए दबाव बनाया जाएगा कि वह या तो इस योजना को बंद करवाएं या फिर सरकार से समर्थन वापस लें।

नवोदय विद्यालय सग्गा के 23 विद्यार्थी केरल से सकुशल पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

नवोदय विद्यालय सग्गा करनाल के 23 विद्यार्थियों को हरियाणा रोडवेज करनाल की बस से 3300 किलोमीटर का सफर तय करके केरल से करनाल सकुशल लाया गया। विद्यार्थियों के अभिभावकों व शिक्षकों ने उपायुक्त के सफल प्रयासों के लिए उनका आभार जताया।

बता दें कि नवोदय विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को दूसरे प्रदेशों में इंटर स्टेट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत दूसरे राज्यों की ब्रांच में भेजा जाता है, इसी कड़ी में नवोदय विद्यालय सग्गा के 9वीं कक्षा के 23 विद्यार्थी जिनमें 14 लड़के व नौ लड़कियां शामिल थीं। यह सभी इस प्रोग्राम के तहत यह सभी विद्यार्थी केरल गए थे और केरल के विद्यार्थी यहां आए हुए थे। अचानक लॉकडाउन के कारण केरल के विद्यार्थी नवोदय विद्यालय सग्गा में और नवोदय विद्यालय सग्गा के विद्यार्थी केरल में फंस गए। इन विद्यार्थियों को वापस लाने के लिए स्कूल प्रशासन ने काफी प्रयास किए परंतु जब स्कूल प्रशासन ने उपायुक्त निशांत कुमार यादव के संज्ञान में यह बात लाई तो तुरंत कार्रवाई करते हुए करनाल रोडवेज बस भेजकर इन विद्यार्थियों को सकुशल करनाल लाया गया और केरल के विद्यार्थियों को वहां सुरक्षित भेजा गया। उपायुक्त के इन प्रयासों की विद्यार्थी के साथ-साथ अभिभावक और शिक्षक काफी सराहना कर रहे हैं।

बच्चों ने डीसी का आभार जताया : नवोदय विद्यालय सग्गा के विद्यार्थी जोकि इंटर स्टेट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत केरल गए हुए थे, लॉकडाउन के कारण वे समय पर वापस नहीं आ सके, इसके लिए विद्यार्थियों और अभिभावकों को काफी दिक्कत हो रही थी। विद्यार्थी वंशिका, श्वेता, अल्का व गरिमा तथा विशाल, प्रियांशु व दीपक ने बताया कि केरल में खाने-पीने की कोई दिक्कत नहीं थी, बस घर की याद सताने लग गई थी। परिवार वाले भी मिलने को उत्सुक थे, ऐसा महसूस हो रहा था कि हम कब अपने घरों को जाएंगे। जानकारी मिली कि करनाल के डीसी निशांत कुमार यादव ने हमें वापस घर पहुंचाने की कोशिश की इसके लिए हमारे माता-पिता और गुरुजनों ने उनका आभार जताया है।

गेहूं के सीजन में बिजली समस्या बढ़ जाती है : आर्य

पूंडरी। भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं ने अपनी बिजली की समस्याओं को लेकर बिजली मंत्री व मुख्यमंत्री के नाम नायब-तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ब्लाक प्रधान दीपक वालिया के नेतृत्व में नायब-तहसीलदार सुभाष चंद को सौंपे ज्ञापन में भाकिस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि गेहूं के सीजन में सबसे अधिक बिजली की समस्या पैदा होती है। जिसका मुख्य कारण लाइनमैनों द्वारा फिल्ड में स्टेशनों पर न रहकर सब-डीविजन में बैठे रहते हैं और वहीं से ही किसानों को गुमराह करने का काम करते हैं। संघ के प्रदेश प्रवक्ता रणदीप आर्य ने कहा कि अगर किसी कर्मचारी की कार्यकारी अभियंता या एसई से शिकायत भी की जाती है तो वे अधिकारियों पर यूनियन के माध्यम से दबाव बनाकर अपनी मनमर्जी करते हैं। जिसका सबसे मुख्य कारण है कि ये कर्मचारी लंबे समय से एक ही सर्कल में नौकरी करते हैं। इन्हें अन्य जिलों में बदला जाए।

पलवल जिला से 36 में 33 मरीज स्वस्थ, डिस्चार्ज

पलवल। कोविड-19 वैश्विक महामारी के बीच पलवल जिला से राहत भरी खबर आने का सिलसिला लगातार जारी है। जिला में अब तक कोरोना पॉजिटिव 36 केस में 33 स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के सर्विलांस पर 3567 लोगों में 916 ने 28 दिन का सर्विलांस भी पूरा कर लिया है। सिविल सर्जन डा. ब्रहमदीप सिंह ने रविवार सायं जानकारी देते हुए बताया कि जिला में अब तक 3129 लोगों के सेंपल लिए जा चुके हैं जिनमें 2861 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव मिली है।

डा. ब्रह्मदीप सिंह ने बताया कि जिला में तीन मई के एक भी नया केस नहीं आया है। हालांकि एक दिन पहले गांव बघोला निवासी एक व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाया गया है। यह व्यक्ति अपने परिवार के साथ फरीदाबाद में रहता है और नोएडा में काम करता था। संबंधित मामले में रिपोर्ट पॉजिटिव मिलने पर कोरोना पीड़ित को फरीदाबाद में भर्ती कर लिया है। स्वास्थ्य विभाग को इस केस की जानकारी मिलने के उपरांत जिला में कांटेक्ट ट्रेसिंग को लेकर तत्परता से कार्य किया गया है। जिसके चलते बघोला में कंटेनमेंट प्लान के अनुसार आशा व आंगनबाड़ी वर्कर की पांच टीमों का गठन कर आवश्यक प्रक्रिया आरंभ कर दी है।

मीरका (मीरपुर) में भी नहीं मिला चार सप्ताह में कोई केस : सिविल सर्जन डा. ब्रह्मदीप सिंह ने गांव मीरका (मीरपुर) के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि एक केस मिलने के उपरांत बीती 11 अप्रैल को उपायुक्त नरेश नरवाल ने गांव को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया था लेकिन चार सप्ताह तक स्कैनिंग-स्क्रीनिंग के उपरांत मीरका में एक भी नया केस नहीं मिला। ऐसे में निर्धारित अवधि पूरा होने के उपरांत अब इस गांव को कंटेनमेंट से डिनोटिफाइ करने के लिए उपायुक्त कार्यालय को सूचित कर दिया गया है।

शासन द्वारा दिए निर्देशों का करें पालन : सुशील गर्ग

पायनियर समाचार सेवा। असंध

व्यापार मंडल के प्रधान सुशील गर्ग ने कहा कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए सावधानियां बतरने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब सभी प्रकार की दुकानें खुलने लगी हैं। इसलिए दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि सोशल डिस्टेसिंग का विशेष ध्यान रखें और मास्क का प्रयोग करें।

उन्होंने कहा कि अपने मुंह को मास्क, रूमाल या किसी अन्य कपड़े से ढक कर रखें और सैनेटाइजर का प्रयोग करें। सुशील गर्ग ने कहा कि प्रशासन द्वारा दिए निर्देशों का पालन करें और इस संकट की घड़ी में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जरूरी काम के लिए ही घर से बाहर निकलें और हाथों को समय-समय पर धोते रहे। व्यापार मंडल प्रधान सुशील गर्ग ने कहा कि संकट की घड़ी में सभी को लॉकडाउन के नियमों का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना को हराने के लिए पूरी तरह लॉकडाउन के नियमों का पालन करना जरूरी है।

अन्य प्रदेशों से आने वालों को क्वारेंटाइन करने के लिए टीम नियुक्त

सोनीपत। जिलाधीश डॉ. अंशज सिंह ने आदेश जारी करते हुए कहा कि कोविड-19 कोरोना वायरस के बचाव एवं फैलाव की रोकथाम के लिए अन्य राज्यों एवं जिलों से सोनीपत आने वाले प्रवासी व्यक्तियों की स्वास्थ्य टीम से जांच कराकर उन्हें 14 दिन तक क्वारेंटाइन कराने के लिए आशुतोष राजन एसडीएम सोनीपत की अध्यक्षता में अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। नियुक्त किए अधिकारियों में संबंधित पुलिस उप अधीक्षक, बलवान सिंह नायब तहसीलदार सोनीपत, वेदपाल नायब तहसीलदार राई शामिल हैं।

मौसम ने फिर बदली करवट

अनाजमंडी के फड पर पड़ा सैकड़ों क्विंटल किसानों का सोना बरसात में भीगा

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

जब से गेहूं का सीजन शुरू हुआ है तब से मौसम बार-बार करवट ले रहा है। रविवार सुबह भी मौसम ने एक बार फिर से करवट ली और तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई।

बारिश ने एक बार फिर से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी। बारिश के चलते अनाज मंडी में पड़ा किसानों का पीला सोना भीग गया। किसानों ने अपने पीले सोने को बचाने के लिए भरसक प्रयास किए लेकिन अनाज मंडी में तिरपाल की पर्याप्त व्यवस्था न होने के चलते किसान बेबस था और अपनी फसल को भीगने से न बचा सकें। किसानों का कहना है कि अनाज मंडी में उनकी आंखों के सामने उनकी फसल भीग गई। यह सब प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है। सरकार व प्रशासन बड़े-बड़े दावे करते है कि अनाज मंडी में किसान की फसल नहीं भीगने दी जाएगी, लेकिन हकीकत कुछ ओर बयां करती है। सोमवार के दिन खेतों में कटी पड़ी गेहूं के भीग जाने से थ्रेशर मशीनों के अलावा कंबाइन का कार्य भी बंद ही रहा। अनाज मंडी में गेहूं भीगने के बार जब मार्केट कमेटी सचिव जससिंह ने बात की गई तो उन्होंने कहा कि तेज हवा के चलते लाइट प्रभावित है। जिस कारण वह पानी की निकासी नहीं कर पाएं। वहीं उन्होंने कहा कि बारिश के कारण कोई नुकसान नहीं हुआ है।

मदर्स-डे पर मैथोडिस्ट स्कूल के बच्चों ने बनाई पेंटिंग

भगवान का दूसरा रूप मां, हर दिन मां को समर्पित : रीना मनी

रणबीर सिंह रोहिल्ला। सोनीपत

मदर्स डे पर मैथोडिस्ट स्कूल के बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग।

मिशन रोड स्थित मैथोडिस्ट सीनियर सैकेंडरी स्कूल के बच्चों ने मदर्स डे पर पेंटिंग बनाकर मां को याद किया। स्कूल की तरफ से बच्चों को मातृ दिवस पर कार्ड, पेंटिंग व कविताएं लिखने के लिए दिया था। बच्चों ने जबरदस्त उत्साह दिखाते हुए बेहद आकर्षक पेंटिंग, कार्ड और कविताएं लिखीं।

स्कूल की प्रिंसीपल रीना मनी ने ऑनलाइन हुई प्रतियोगिता के बारे में बच्चों को बताया कि मां भगवान का दूसरा रूप होती है, इसलिए मां के लिए कोई एक दिन नहीं हो सकता। मां को हर दिन समर्पित किया जा सकता है। मां बच्चे के जीवन की पहली शिक्षिका ही होती है। उन्होंने कहा कि मई के दूसरे रविवार को कई देशों में मदर्स डे मनाया जाता है। बच्चों को मां का सम्मान करना चाहिए। स्कूली बच्चों ने तरह-तरह के आकर्षक कार्ड, पेंटिंग व कविताएं लिखकर मां को भेंट की। रीना मनी ने बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग, कार्ड व कविताओं की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने सभी को मदर्स डे की बधाई दी। कक्षा 10वीं के प्रियांशु ने मदर्स डे पर एक बनाई गई पेंटिंग में यह दर्शाने की कोशिश की है कि जननी मां का सभी को सम्मान करना चाहिए। मां की इज्जत करते हुए उन्हें नमन करते हुए आशीर्वाद लेना चाहिए। मां के रहते जीवन में कोई गम नहीं होता, दुनिया साथ दे न दे, पर मां का प्यार कभी कम नहीं होता।

कक्षा 12वीं की छात्रा दीक्षा ने अपनी पेंटिंग में मां को दुनिया की रियल हीरो बताया है। उन्होंने बताया कि मां के बिना कुछ भी संभव नहीं है। मां है तो जहान है। कक्षा 9वीं के आनन्द ने मदर्स डे पर एक बहुत ही आकर्षित करने वाली कविता लिखी। उन्होंने अपनी कविता में मां की महत्ता को बताते हुए लिखा की मां के बिना जीवन नीरस हो जाता है। मां के बिना पृथ्वी पर कुछ भी नहीं है। प्रिंसीपल रीना मनी ने जिले के नागरिकों से कहा कि मुंह पर मास्क लगाकर खुद स्वस्थ और सुरक्षित रहें।

ऑनलाइन मदर्स-डे प्रतियोगिता में बच्चों ने बनाई कलाकृतियां

रादौर। स्वराज शिशु निकेतन स्कूल के बच्चों ने स्कूल की ओर से आयोजित ऑनलाइन मदर्स डे प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें छात्रों ने कविता, कार्ड मेकिंग, गिफ्ट रैप अन्य तरह की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में कक्षा पांचवीं तक के छात्र व छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूल प्रिंसिपल रेणु शांडिल्य ने कहा कि माता जीवन में प्रत्येक का स्थान ले सकती है, परंतु माता का स्थान कोई नहीं ले सकता। वह बच्चों की प्रथम गुरु होती है। बच्चों के भविष्य के निर्माण में उसकी भूमिका सर्वश्रेष्ठ होती है। उन्होंने विश्व की सभी माताओं को प्रणाम किया और मदर्स डे की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक पंडित ज्ञानप्रकाश शर्मा ने बच्चों के कार्य की सराहना करते हुए उनकी माताओं को बधाई दी।

खानपुर मकडिकल कॉलेज से सात कोरोना मरीजों को मिली छुट्टी

सोनीपत। कोरोना के प्रतिदिन बढ़ रहे मामलों के बीच रविवार को भगत फूलसिंह महिला मेडिकल कॉलेज से रविवार को एक अच्छी खबर मिली।

यहां इलाज करवा रहे सात मरीजों को रविवार को इलाज के उपरांत छुट्टी दे दी गई। इनमें से पांच मरीज सोनीपत जिला के हैं और दो मरीज पानीपत जिला के। उपायुक्त डॉ. अंशज सिंह ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में इलाज के उपरांत रविवार को सात मरीजों को डिस्चार्ज किया गया।

इनमें से राजन व सोनू पानीपत जिला से थे। वहीं मीनू, प्रयाग, अरविंद, सूरज और नदीम सोनीपत जिला से हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले यहां से 11 मरीज ठीक होकर जा चुके हैं जिससे ठीक होने वालों की संख्या 18 हो गई है। उन्होंने बताया कि रविवार सायं तक मेडिकल कॉलेज में 114 मरीजों का इलाज चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गोविंद रसोई में गुप्ता ने दी 11 हजार रुपये की मदद

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन व रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत एक्सीलेंस व महाराजा अग्रसेन समाज कल्याण समिति सोनीपत द्वारा संचालित गोविंद रसोई ने लॉकडाउन के दौरान गरीब व लाचार लोगों के बीच 2564 लोगों को खाना वितरित किया। गोविंद रसोई में किडिज कांवेंट स्कूल काठ मंडी के संचालक जितेंद्र गुप्ता ने अपने पिता स्वर्गीय मास्टर सूरजभान गुप्ता के जन्मदिन के अवसर पर 11 हजार रुपये का आर्थिक योगदान दिया। गोविंद रसोई के कार्य में जितेंद्र गुप्ता, अरविंद मित्तल, मनीष बंसल, अशोक गुप्ता, दिनेश कुच्छल, शालू त्यागी, रामकुमार जिन्दल, टिकाराम मित्तल, पवन अग्रवाल, सचिन गर्ग, राजेश गर्ग, प्रदीप खन्ना, विजय कुमार, अशोक गर्ग, संजय स्वामी, मनोज जैन, मनीष कुच्छल, चन्द्रभान, राधा स्वामी सत्संग मंडल की सेवक मंडली और निरंकारी सेवा मंडल व श्रीराम शरणम् आश्रम आदि ने सहयोग दिया।

ओंकार महायज्ञ के साथ मनाया मंदिर स्थापना दिवस

कुरुक्षेत्र। गांव शांति नगर कुरड़ी में मां आदि शक्ति मंदिर स्थापना दिवस विधिवत पूज-अर्चना और ओंकार महायज्ञ के साथ मनाया। बता दें कि मंदिर में भूमि पूजन स्थान पृथ्वी से नौ फीट नीचे है और पृथ्वी से 11 फीट ऊपर मां का सवा तीन फीट ऊंचा आसन मंदिर में स्थित है। जिस पर माता आदिशक्ति स्वरूप प्रतिष्ठित है और करीब 17 फीट ऊंचाई पर मां के शीश पर छत्र शोभायमान है। मंदिर द्वार के सामने पवित्रता के प्रतीक भगवान गणेश जी विराजित हैं। मंदिर की 36 फीट ऊंचाई से ऊपर भगवान ब्रह्मा, विष्णु, महेश प्रतिष्ठित हैं। इसके अलावा 60 फीट ऊंचाई पर परिक्रमा का स्थान बनाया गया है। उसके ऊपर 15 फीट पर गुंबद के चारों और ज्वाला ज्योत बनी हुई हैं। उसके भी ऊपर गुंबद पर दक्षिण पश्चिम दिशा में हनुमानजी प्रतिष्ठित हैं। यही नहीं, 75 फीट ऊंचाई पर गुंबद के चारों ओर नवदुर्गा की स्थापना है और 36 फीट ऊंचाई पर भगवान गणेश स्थापित हैं। समस्त मंदिर पर संगमरमर का पत्थर है। यह विशाल और अद्भुत मंदिर अपनी भव्यता और कलात्मकता के कारण अति दर्शनीय है प्रतिवर्ष 10 मई को मंदिर स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। वेदों में भी निराकार परब्रह्मकार का एक स्वरूप माता का है। माँ आदिशक्ति भगवान ब्रह्मा, विष्णु महेश की अधिष्ठात्री मां हैं समस्त देवी देवता मां आदिशक्ति स्वयंभू महाकाली के स्वरूप की आराधना करते हैं।

यूपी के 242 प्रवासी मजदूर सीहमा खंड से बस द्वारा रवाना

नारनौल। सीहमा क्षेत्र के लोग बहुत अच्छे हैं। यहां के लोगों ने हमें रोजी-रोटी-रोजगार दिया। हम अपने गृह राज्य जाकर भी इन्हें याद रखेंगे। यह बात रविवार को सीहमा खंड परिसर में खड़ी बसों में बैठते वक्त यूपी जिले के इटावा, हरदोई, बदायु, अमेठी, गोरखपुर के प्रवासी मजदूरों ने कही। गृह राज्य लौट रहे मजदूरों, बसों के चालक-परिचालकों को युवा अंकित राव, आशीष, विजयदीप, एडवोकेट हेमंत सीहमा ने चार सौ बिस्किट पैकेट बांटे। सामाजिक शिक्षा पंचायत अधिकारी अभय सिंह व अटाली के सरपंच अमर सिंह ने बताया कि रविवार को सात रोडवेज की बसों से सीहमा खंड के गांव अटाली, कलवाड़ी, सिलारपुर, दोगड़ा अहीर, दोगड़ा जाट, दूलोठ जाट से यूपी के जिला पीलीभीत, अमेठी, इटावा, एटा, बदायुं, गोरखपुर, अंबेडकर नगर, हरदोई के लिए रवाना हुए।

लॉकडाउन में खुली 15 दुकानों का नगरपालिका ने किया चालान

रादौर। लॉकडाउन के दौरान खुली शहर की दुकानों में सरकार व प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन न किये जाने की शिकायत मिलने के बाद नगर पालिका रादौर की टीम ने दौरा किया। सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह व सुरेंद्र कांबोज के नेतृत्व में कर्मचारियों की टीम ने दिनभर मेन बाजार में दुकानों का निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई की। इस दौरान नपा की टीम ने 15 दुकानदारों का नियमों का उल्लंघन करने पर चालान किया। उन पर हजारों रुपये जुर्माना ठोका। सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह व सुरेंद्र कांबोज ने बताया कि कोरोना वायरस की बीमारी को लेकर सरकार ने लॉकडाउन के दौरान दुकानें खोलने के कुछ नियम तय किये हैं। इन नियमों का दुकानदारों को पालन करना होगा। उनकी टीम ने जांच के दौरान 15 दुकानदारों को बिना मास्क व बिना ग्लब्स के पाया। जिन पर नियमानुसार जुर्माना किया है। नपा की टीम हर रोज मेन बाजार का दौराकर नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई करेगी। अब तक 20 से अधिक दुकानदारों के विरुद्ध नियमों का पालन न करने पर नपा टीम जुर्माना लगा चुकी है। अब नपा की ओर से नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों की दुकानें सील की जायेगी।

रक्तदान जनसेवा का माध्यम : सुरेश सैनी

इंद्री। उपमंडल के गांव मुरादगढ़ में ग्राम पंचायत व जन सेवा समिति के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में 40 लोगों ने रक्तदान किया। करनाल नागरिक अस्पताल स्थित रक्त कोष प्रभारी डॉ. संजय वर्मा की अगुवाई में टीम ने रक्त एकत्र किया। 129 बार रक्तदान कर चुके मोटिवेटर सुरेश सैनी ने रक्तदानियों को मेडल पहनाकर व प्रमाण-पत्र सौंप कर सम्मानित किया। इस मौके पर रेडक्रॉस के स्वयंसेवियों की टीम की भी मौजूद रही। लॉकडाउन के तीसरे चरण में जरूरतमंदों के लिए रक्त एकत्र करने के लिए मुरादगढ़ में आयोजित रक्तदान शिविर में स्वयंसेवी मास्क लगाए हुए थे। सुरेश सैनी ने कहा कि रक्तदान हर समय की जरूरत है। स्वस्थ व्यक्ति को इसके लिए बढ़-चढ़ कर आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का माध्यम है। इस मौके पर गांव के सरपंच बलजीत कांबोज, जनसेवा समिति के प्रधान जितेन्द्र शर्मा एडवोकेट, अरुण कुमार, बलराज कांबोज, ब्राह्मण सभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा समसपुर, राजेश वशिष्ट, शिवानी, ईशम सिंह, रविन्द्र शर्मा, नरेश बजाज, ओमपाल, जयपाल, मा. कंवरलाल, संदीप कुमार, रजत कुमार, अनुप गांधी, मयंक, पंचायत सदस्य जिले सिंह, रामकिशन बागड़ी सहित अनेक स्वयंसेवी मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर किया रेप, युवक के खिलाफ केस दर्ज

रादौर। क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला की शिकायत पर पुलिस ने रेप का केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बताया कि उसकी 15 वर्षीय पोती उसके साथ रहती है। गांव के ही युवक शुभम ने उसकी पोती को अपनी बातों में फंसाया और उसे शादी का झांसा देकर लगातार उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। उसकी पोती घर पर डरी सहमी सी रहने लगी। पूछने पर उसकी पोती से पूरे मामले का खुलासा किया। पुलिस ने शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ धारा 376, एससीएसटी व पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया लिया। थाना जठलाना प्रभारी मनोज कुमार का कहना है कि शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है जल्द ही आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पैदल ही दिल्ली न छोड़ें प्रवासी, घर तक पहुंचाएंगे

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने की अपील-घबराएं नहीं, कर रहे ट्रेन की व्यवस्था

● कोरोना योद्धाओं को सुविधाएं देने का विपक्ष ने उड़ाया मजाक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 का संक्रमण रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के चलते बहुत से दूसरे राज्यों के लोग खासकर प्रवासी मजदूर और छात्र दिल्ली में फंस गए हैं। लंबे समय से चल रहे बंद की वजह से लोग डरे हुए हैं। ऐसे में वे किसी भी हालत में अपने घर पहुंचना चाहते हैं। इस स्थिति को भांपते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवासियों को हर मुमकिन मदद करने का भरोसा दिलाया है।

उन्होंने कहा कि उनकी सुरक्षा, खाने और रहने की जिम्मेदारी सरकार की है। अभी तक आपके रहने और खाने का इंतजाम किया गया है। घर जाने के इच्छुक प्रवासियों के लिए ट्रेन की व्यवस्था की जा रही, घबराएं नहीं, थोड़े दिन तक धैर्य रखें। केंद्र सरकार से बातचीत एक ट्रेन मध्यप्रदेश जा चुकी है। दूसरी ट्रेन बिहार भी भेजी है। अभी और ट्रेन का इंतजाम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस में रविवार को अफसोस जताते हुए कहा कि कंधे पर बच्चों को लेकर सड़क पर पैदल चल रहे मजदूरों को देख कर बहुत तकलीफ होती है। ऐसा लगता है कि पूरा सिस्टम और सरकारें फेल हो गई हैं। उन्होंने पैदल घर जा रहे मजदूरों से अनुरोध किया कि कई दिनों तक बिना खाए पैदल चलना ठीक नहीं है। यह उनके स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक है। सोशल मीडिया पर देख रहे है कि अभी भी बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर सड़कों पर एक जगह से दूसरी जगह जाने की कोशिश कर रहे हैं। जब उनकी हालत देखते हैं, उनके साक्षात्कार और बयान पढ़ते है तो पता चलता है कि वह कई-कई दिनों तक पैदल चल रहे हैं। उनके पैरों में छाले पड़ गए हैं। कई दिनों से कुछ भी नहीं खाया है। घर से जो रोटिया लेकर चले थे, वह भी खत्म हो गई हैं। रास्ते में कोई मदद करने वाला नहीं है। कई लोग अपने बच्चों को कंधे पर बैठाए हुए होते हैं। एक व्यक्ति को देखा कि वह अपनी बूढ़ी मां को कंधे पर लेकर कई किलोमीटर तक जा चुका होता है। उन्हें यह सब देख कर बहुत तकलीफ होती है। ऐसा लगता है कि जैसे पूरा का पूरा सिस्टम और सरकारें फेल हो गई है।

कांग्रेस ने मजदूरों का किराया देने का दिया ऑफर

नई दिल्ली। लॉकडाउन में फंसे मजदूरों को उनके गृहराज्यों तक पहुंचाने को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने शनिवार को विभिन्न राज्यों के 7299 श्रमिकों की एक सूची सीएम को भेजी। इससे एक दिन पहले उन्होंने 2106 मजदूरों की एक और सूची भेजी थी। जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री केजरीवाल से अनुरोध करते हुए कहा कि इन श्रमिकों ने दिल्ली से अपने गृहराज्य में जाने के लिए परिवहन व्यवस्था हेतु पार्टी से संपर्क किया है। अनिल ने कहा कि अगर सरकार प्रवासी श्रमिकों के यात्रा की व्यवस्था करती है हो कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के आदेश के अनुसार दिल्ली कांग्रेस उनके ट्रेन का किराया वहन करेगी।

जेएनयू में परीक्षाएं 31 जुलाई तक होंगी पूरी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने अपने शैक्षणिक कैलेंडर की घोषणा कर दी है। इसमें 31 जुलाई तक परीक्षाएं पूरी करने की समय सीमा तय की गई है। कुलपति एम जगदीश कुमार ने कहा कि सभी स्कूलों के डीनों और विशेष केंद्रों अध्यक्षों ने कैलेंडर को सर्वसम्मति से मंजूरी दी है।

प्रो. एम जगदीश कुमार के अनुसार छात्रों के अंदाजन 25 से 30 जून के बीच जेएनयू परिसर लौटने की उम्मीद है, ताकि उनके शेष शैक्षणिक कार्य और परीक्षाएं पूरी हो सकें। परीक्षाएं 31 जुलाई तक पूरी होंगी। छात्रों के लिए, नया समेस्टर एक अगस्त से शुरू होगा। भले ही 31 जुलाई तक परीक्षा के परिणाम न आए पाएं, तो भी छात्रों के पास अस्थाई तौर पर पंजीकरण कराने और अगले समेस्टर में जाने का मौका होगा। कुमार ने कहा कि मानसून सत्र की पंजीकरण प्रक्रिया ऑनलाइन होगी, जिससे छात्रों को सहूलियत होगी और वे घर से ही पंजीकरण करा सकते हैं। शोधार्थियों के लिए अपना शोध कार्य जमा कराने की तारीख 31 दिसंबर तक के लिए बढ़ा दी गई है। कुलपति ने कहा कि इस समय यह शैक्षणिक कैलेंडर निश्चित नहीं है।

शारदा अस्पताल से कोरोना संक्रमित डिस्चार्ज

स्वस्थ 15 मरीजों में 6 बच्चे और सीआरपीएफ का जवान भी शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल से डिस्चार्ज होने वाले मरीज। फोटो : दीपक यादव

गौतमबुद्धनगर में पिछले दो दिनों के अंदर कोरोना संक्रमित दो मरीजों की मौत के बीच राहत भरी खबर है। रविवार को शारदा अस्पताल से कोरोना संक्रमित 15 मरीजों के स्वस्थ होने पर सभी को एक साथ डिस्चार्ज किया गया। इसी के साथ ही दो

● दो संदिग्ध मरीजों को भी दी गई छुट्टी

संदिग्ध मरीजों को भी अस्पताल से छुट्टी दी गयी।

ठीक होने वाले मरीजों में 6 बच्चे सहित सीआरपीएफ का जवान भी शामिल है। स्वस्थ होने वाले मरीजों पर पुष्प वर्षा कर अस्पताल से विदा किया गया। शारदा अस्पताल के ज्वाइंट रजिस्ट्रार एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ अजीत कुमार ने बताया कि अस्पताल से अब तक 49 पॉजिटिव मरीजों को स्वस्थ करके घर भेजा जा चुका है। वहीं 56 मरीजों का इलाज चल रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि वो भी जल्द ही स्वस्थ होकर अपने घर चले जाएंगे। रविवार को डिस्चार्ज होने वाले मरीजों में 6 बच्चे सहित सीआरपीएफ के जवान सत्यवीर भी शामिल हैं।

स्वस्थ होकर वार्ड रूम से बाहर आने पर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नामित अधिकारी डॉ देवेंद्र वार्ष्णेय, डीजीएमई के अधिकारी डॉ ज्ञानेंद्र कुमार, जिला प्रशासन द्वारा नामित अधिकारी डॉ अभिषेक त्रिपाठी के साथ शारदा विश्विद्यालय के प्रो चांसलर वाईके गुप्ता एवं अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ आशुतोष निरंजन ने सभी मरीजों को डिस्चार्ज पत्र सौंपा तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ आशुतोष निरंजन का कहना है कि मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। एक साथ 15 मरीजों को डिस्चार्ज होना बड़ी उपलब्धि है।

कोरोना से हुई मौतों के आंकड़ों पर भाजपा ने सीएम को घेरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना से हुई मौत के आंकड़ों दिल्ली सरकार और अस्पतालों के बीच आए अंतर को लेकर भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को घेरा है। प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि यह अत्यंत दुखद है की केजरीवाल ने झूठ की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए आज सही मौत के आंकड़े बताने की जगह एक और झूठ बोल कर सच्चाई पर पर्दा डालने की कोशिश की है।

उन्होंने झूठ की सारी पराकाष्ठा पार करते हुए यह साबित कर दिया है कि वह अपनी ओछी राजनीति से कभी ऊपर नहीं उठ सकते हैं। मनोज तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विपक्ष पर बेबुनियाद आरोप लगाया कि विपक्ष कोरोना वॉरियर्स के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। दिल्ली वाले और भाजपा नेता आज कोरोना वायरस के कारण हो रही मौतों के आंकड़े से उत्पन्न विवाद से हैरान हैं

वहीं विपक्ष के नाते प्रदेश भाजपा इस समर्थन में है कि कोरोना वॉरियर्स को अच्छे से अच्छे इंतज़ाम मिले, पांच सितारा होटल में रहने की सुविधा और १ करोड़ मुआवज मिले। दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली के लोगों के हित में लिए फैसलों का भाजपा समर्थन करती आई है।

बवाना में गत्ते की फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के बवाना में गत्ते की फैक्ट्री में रविवार सुबह आग लग गई। दमकल की १५ गाड़ियों ने आग की काबू किया। इस आगजनी में कोई हताहत नहीं हुआ। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने की जानकारी सुबह सात बजकर करीब 25 मिनट पर मिली थी। जिसके बाद दमकल की 15 गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गई।

दमकल विभाग अधिकारियों के अनुसार, रविवार सुबह बवाना सेक्टर दो के एच ब्लॉक में फैक्ट्री में आग लगने की जानकारी मिली थी। आग पहली मंजिल पर लगी थी। इसके बाद दमकल की गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया।

दुर्व्यवहार के आरोप में सिपाही निलंबित

नोएडा। यहां सेक्टर-22 में एक युवक के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के लिए एक सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी अभिनेंद्र सिंह ने बताया कि शनिवार की देर रात सेक्टर-22 में बोतल में पानी भरने आए एक व्यक्ति को कुछ लोगों ने रोका लेकिन वह पानी भरने की जिद करता रहा। उन्होंने बताया कि इसके बाद इन लोगों ने सिपाही को बुला लिया और उसने युवक से कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया।

कोरोना वायरस ने 5 और जाने लीं, 24 घंटे में आए 381 मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोविड-19 तेजी अपने पांव पसार रहा है। यहां कोरोना के मामले बढ़कर 6,923 हो गए हैं और पिछले 24 घंटों में 381 नए मामले सामने आए। वहीं 49 मरीज ठीक हुए हैं जबकि अब तक कुल 2,069 मरीज वायरस को मात देकर घर लौट गए हैं।

संक्रमण से अब तक 73 मरीजों की मौत हो चुकी है जबकि पिछले 24 घंटे 5 मरीज की जान गई है। इनमें एक एमसीडी की एक अध्यापिका भी शामिल है जो राशन वितरण में लगी थी और इनकी 8 मई को रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

अरविंद केजरीवाल ने सभी बुजुर्गों से अनुरोध किया है कि उनकी जान हमारे लिए बहुत कीमती है। सभी लोग सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और अपना हाथ बार-बार धोएं। सभी ही संक्रमण से बचाव के लिए जो भी उपाय कर सकते हैं, वह सब करें। दिल्ली में 6923 केस पॉजिटिव मिले हैं। इनमें से केवल 1476 केस अस्पतालों में हैं। इनमें से भी 1500 के करीब केस अभी अस्पतालों में हैं। बाकी सभी केस मामूली या हल्के लक्षणों वाले हैं। अस्पतालों में इलाज करा रहे 1500 मरीजों में से अभी 91 लोग आईसीयू में हैं और 27 वेंटिलेटर पर हैं। जो भी गंभीर केस हैं, उन सभी पर वह रोजाना नजर रख रहे हैं। हल्के लक्षणों वाले करीब 75 प्रतिशत केस हैं। केंद्र सरकार ने अब आदेश निकाला है कि उनका इलाज घर पर भी हो सकता है। उन्हें अस्पतालों में आने की कोई जरूरत नहीं है। जो लोग हल्के और कम लक्षणों वाले हैं, उनको हल्का बुखार या खांसी है, उन सब लोगों के इलाज का घर पर इंतजाम किया है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम उनके घर पर जाती है। परिवार के सभी सदस्यों को बैठा कर इलाज के बारे में समझाती है। इससे पहले, उनके परिवार को देख कर आती है कि क्या मरीज के लिए अलग कमरा, शौचालय व उनके घर में आइसोलेशन किया जा सकता है। अगर यह सुविधाएं हैं, तो फिर उस परिवार के मरीज को घर में इलाज करने की इजाजत दी जाती है। मरीज की देखभाल करने वाले को भी फोन नंबर दे दिया जाता है। यदि किसी भी तरह की तकलीफ है, तो वे डॉक्टर के संपर्क में रह सकते हैं।

निर्माणाधीन दीवार गिरने से एक बच्चे की मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में दनकौर थाना क्षेत्र के चुहड़पुर गांव में एक निर्माणाधीन दीवार गिरने से पांच वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त (ज़ोन तृतीय) राजेश कुमार सिंह ने बताया कि 10 मई की दोपहर आई तेज आंधी की वजह से थाना दनकौर क्षेत्र के चुहड़पुर गांव में रहने वाले मोहब्बत के मकान के पास एक निर्माणाधीन दीवार गिर गई।

उन्होंने बताया कि इस घटना में मोहब्बत का पांच वर्षीय बेटा रेहान दीवार के मलबे के नीचे दब गया जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तबलीगी जमात के 2,446 सदस्यों को छोड़ने का आदेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केजरीवाल सरकार ने शनिवार को सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे तबलीगी जमात के 2,446 सदस्यों को क्वारंटीन सेंटर से छोड़ दें। साथ यह भी सुनिश्चित करें कि वे अपने घरों के अलावा कहीं और नहीं ठहरें। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के विशेष सीईओ के एस मीणा ने उपायुक्तों को लिखे पत्र में कहा कि जिलाधिकारियों से यह भी कहा गया है कि वे दिल्ली स्थित मरकज के कार्यक्रम में शामिल हुए दूसरे राज्यों के जमात के प्रतिनिधियों को उनके निवास स्थान भेजने का भी इंतजाम करें।

एस मीणा ने कहा कि मार्च में दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में हुए कार्यक्रम में शरीक हुए 567 विदेशियों को पुलिस के हवाले किया जाएगा। सरकार के एक अधिकारी ने शनिवार को कहा, उन्हें (विदेशी जमातियों को) वीजा उल्लंघन जैसे विभिन्न उल्लंघनों के संबंध में पुलिस के हवाले किया जाएगा। दिल्ली के गृह मंत्री सत्येंद्र जैन ने केन्द्रों में आइसोलेशन में रहने की अवधि पूरी कर चुके और कोविड-19 से संक्रमित नहीं पाए गए तब्लीगी जमात के सदस्यों को उनके घर जाने देने का हाल में आदेश दिया था।

मीणा ने अपने पत्र में कहा, दिल्ली के अलावा अन्य स्थानों से ताल्लुक रखने वाले जिन लोगों को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार छोड़ा जा सकता है उन्हें पृथक केंद्रों से यात्रा करने के लिए पास जारी किए जाएं।

किसी भी परिस्थिति में, उक्त व्यक्तियों को मस्जिद समेत किसी भी अन्य स्थान पर ठहरने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। अन्य राज्यों के तबलीगी सदस्यों के संबंध में, नोडल अधिकारी और इलाके के एसीपी यह सुनिश्चित करें कि ऐसे लोग अपने निवास स्थान तक पहुंचें। डीडीएमए के विशेष सीईओ ने कहा, जिलाधिकारी को दिल्ली से ऐसे व्यक्तियों की हर एक गतिविधि के संबंध में उनके राज्यों के संबंधित स्थानिक आयुक्त को भी सूचित करना होगा।

तीन हजार मजदूरों को बसों में बैठाकर उनके घर किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● बांग्लादेश से लौटे 35 लोगों को किया क्वारंटीन

जिला प्रशासन ने रविवार को तीन हजार श्रमिकों को बसों से उनके घरों को रवाना किया। बसों को रवाना करने से पहले सैनिटाइज किया गया। उसके बाद श्रमिकों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए सीटों पर बैठाया गया। इतना ही नहीं सभी श्रमिकों को खाने की व्यवस्था भी जिला प्रशासन ने की है। जिला प्रशासन ने सभी श्रमिकों के परिजनों को पत्र भेजकर इस संबंध में जानकारी दे दी है।

जिलाधिकारी डॉ. अजय शंकर पांडेय ने बताया कि बांग्लादेश से लौटे 35 नागरिकों को शहर के विभिन्न होटलों में कोरोंटाइन में रखा गया।

उन्होंने बताया कि सभी के लिए बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। साथ ही सभी को बता दिया गया है कि यदि उन्हें कोई परेशानी होती है तो वह होटल में तैनात कोरोना योद्धाओं से इसकी जानकारी दे सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री आवास के पास सैनिटाइजेशन करते महापौर अवतार सिंह।

महापौर ने किया मुख्यमंत्री आवास को सैनिटाइज

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर अवतार सिंह और स्थायी समिति अध्यक्ष जय प्रकाश ने कोविड-19 का संक्रमण रोकने के मकसद से मुख्यमंत्री आवास व फ्लैग स्टाफ रोड, राजपुर रोड के आसपास के क्षेत्रों को सैनिटाइज किया। इस अवसर पर महापौर अवतार सिंह ने कहा कि निगम के कर्मचारी रोजाना अलग-अलग इलाकों में सैनिटाइजेशन का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं इस क्षेत्र से पार्षद हैं और हर क्षेत्र में किए जा रहे सैनिटाइजेशन कार्य पर नजर रखते है। निगम कर्मी कोरोनावायरस की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है जिसके लिए कर्मचारियों की सराहना की जानी चाहिए।

ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर का दृश्य।

ऑनलाइन दी जा रही है भारतीय संस्कृति की शिक्षा

गाजियाबाद। बेटियों में भारतीय संस्कृति के मूल्यों को कूटकूट कर भरने और भारतीयता की भावना को विकसित करने के लिए केंद्रीय आर्य युवती परिषद के तत्वावधान में छः मई से आठ दिवसीय ऑनलाइन कन्या चरित्र निर्माण शिविर चल रहा है। कोरोना महामारी और सोशल डिस्टेंस की बाध्यता को ध्यान में रखते हुए परिषद ने इस बार लीक से हटकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया है। पहले यह कार्यक्रम बड़े मैदान या प्रेक्षागृह में होता था, इस बार बेटियों को घर बैठे ऑनलाइन चरित्रनिर्माण की शिक्षा दी जा रही है। मदर्सडे के उपलक्ष में बेटियों को माता-पिता की सेवा व वंदना करने के सूत्र दिये गए। परिषद की शिक्षिका सरस्वती आर्या ने बेटियों को बताया कि माता और पिता का दर्जा औलाद के लिए भगवान से भी बढ़कर है। यदि हम माता पिता को वन्दनीय बनाते हैं तो परमात्मा भी इससे खुश होकर हमें आशीर्वाद देते हैं।

सांसद ने गरीबों को बांटा राशन

हापुड़। बहुजन समाज पार्टी के अमरोहा-गढ़मुक्तेश्वर सांसद कुंवर दानिश अली द्वारा जनपद हापुड़ की गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में गरीब व असहाय लोगों को राशन वितरण किया गया। इस मौके पर सांसद ने कहा कि कोरोना कोविड 19 के चलते लॉक व रमजान के पाक महीने में प्रत्येक गरीबों व असहाय लोगों की मदद करनी चाहिए। बहुजन समाज पार्टी के मंडल ज़ोन प्रभारी देवेंद्र भारती ने कहा कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के चलते देश भर में आम जनमानस पर इसका ज्यादा प्रभाव पड़ा है। क्षेत्र में कोई भी गरीब व असहाय व्यक्ति भूखा न रहे, इसको ध्यान में रखकर राशन वितरण किया जा रहा है। इस मौके पर सुनील भारती, नीरज जाटव, राहत, तालिब, रियाज, नितिन भारती, लोकेन्द्र, सुरेंद्र सभासद, यशपाल सभासद आदि मौजूद रहे।

गैंगस्टर की सम्पति जब्त करने पहुंची पुलिस।

शराब माफिया के गेस्ट हाउस के बाद अब एक और की संपत्ति जब्त

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● बखरवा गांव में तीन लोगों की अवैध शराब पीने से हो गई थी मौत

शराब माफिया के गेस्ट हाउस के बाद जिले की पुलिस ने एक और गैंस्टर की सम्पत्ति को जब्त कर लिया है। पुलिस का कहना है कि इन दोनों ने यह सम्पत्ति अवैध रूप से कमाई गई धनराशि से खरीदी थी।

आपको बता दें कि पिछले दिनों मोदीनगर थाना क्षेत्र के बखरवा गांव में तीन लोगों को अवैध शराब के सेवन से मौत हो गई थी। हालांकि पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही थी लेकिन, परिजनों का आरोप था कि गांव में शराब माफिया खुलेआम अवैध शराब की बिक्री करते हैं। इसके बाद पुलिस ने शराब माफिया का छह करोड़ की लागत का फार्म हॉउस जब्त कर लिया था।

इसी कड़ी में पुलिस ने थाना मुरादनगर पुलिस द्वारा शातिर गैंगस्टर अपराधी कृष्ण पाल यादव पुत्र सुखबीर सिंह निवासी ग्राम कुम्हेड़ा थाना निवाड़ी गाजियाबाद की आपराधिक कृत्यों/अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति ग्राम कुम्हेड़ा तहसील मोदीनगर स्थित खसरा नंबर 293 (क) में लगभग 2 बीघा में निर्मित एक मकान, एक मोटरसाइकिल बुलेट को नियमानुसार उप्र गिरोह बंद एवं असामाजिक क्रियाकलाप अधिनियम के अंतर्गत कुर्की/जब्त की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने सभी क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को लगातार यह अभियान जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

पुराने विवाद में परिवार पर जानलेवा हमला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● पीड़ित पक्ष के कई लोग हुए घायल, एक दर्जन पर रिपोर्ट दर्ज

सेक्टर 49 बरौला में पुराने विवाद को लेकर 6 लोगों ने अज्ञात साथियों के साथ मिलकर एक परिवार पर लाठी-डंडों और सरियों से हमला कर दिया। हमले में पीड़ित परिवार के कई लोग घायल हो गए। पीड़ित परिवार ने थाना सेक्टर 49 में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सेक्टर-48 बरोला निवासी रोशन कुमार परिवार के साथ रहते हैं और यहीं व्यापार करते हैं। कुछ माह पहले रोशन का बरौला निवासी विनोद से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर शुक्रवार रात 11 बजे विनोद अपने परिवार के बिन्नू, वीर सिंह, राजपाल, रामपाल, राजे व 8 अज्ञात साथियों के साथ उनके घर में घुस गए, और उनके परिवार के लोगों के साथ लाठी-डंडों और सरियों से हमला कर दिया। मारपीट में पीड़ित परिवार के रोशन, प्रेम चौहान व राणा प्रताप सिर में चोट लगने से घायलों हो गए। घटना के बाद सभी आरोपी धमकी देते हुए मौके से फ़रार हो गए।

सूचना पर पहुंची थाना सेक्टर 49 पुलिस ने मामले की जानकारी ली और घायलों का उपचार कराया। पीड़ित रोशन ने 6 लोगों को नामजद और 8 अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दीवार फांदकर निकल रहे युवक को पकड़ा

नोएडा। कोरोना वायरस के चलते सेक्टर-82 में सील की गई एक सोसाइटी की दीवार फांदकर निकल रहे एक युवक को थाना फेस 2 पुलिस ने पकड़ लिया। युवक अपने एक दोस्त से मिलने के लिए दिल्ली से यहां आया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी गाड़ी भी सीज कर दी है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को केंद्रीय विहार कॉलोनी में एक युवक दीवार फांदकर अंदर चला गया और अपने एक दोस्त से मिलने के बाद दीवार फांदकर निकलने का प्रयास कर रहा था।

कोविड-19 हेल्थ इंश्योरेंस के नाम पर न आएं झांसे में

सोशल मीडिया पर साइबर ठग हैं सक्रिय, मिनटों में हो जाएगा आपका खाता खाली

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लॉकडाउन में सोशल मीडिया पर लोग एक्टिव हैं। लोगों की मदद भी हो रही है लेकिन, ऐसे जरूरतमंद लोगों की मजबूरी का फायदा साइबर ठग उठा रहे हैं। सावधान हो जाए और सोच-समझकर ही विश्वास करें अन्यथा जीवन भर की जमा पूंजी और फेक काल्स के जरिए आपसे बड़ी ठगी हो सकती है।

दरअसल, लॉकडाउन के दौरान ठगों ने सेवा भाव के लिए लोगों के फेसबुक एकाउंट हैक किया और रिश्तेदारों और दोस्तों को एकाउंट नंबर पोस्ट कर श्रमिकों की मदद के लिए पैसा मांगा। अब ठगों ने नया तरीका इजात किया है। इसमें सोशल मीडिया पर कोविड-19 हेल्थ इंश्योरेंस की बात कही जा रही है। वह भी बैंकों के नाम पर फ़ोन करने वाले बैंक कर्मी बताते हैं और कहते हैं कि कोविड-19 इंश्योरेंस लेने के बाद यदि आप संक्रमण का शिकार होते हैं तो पूरा इलाज बैंक उठाएगी। इसके लिए महज 999 रुपए ही खर्च करने होंगे जो आपके खाते से सीधे काट लिए जाएंगे। यह पोस्ट फेसबुक व अन्य सोशल मीडिया पर देखे जा रहे हैं।

एक ऐसा ही मामला होम्स 121 में रहने वाले संदीप दीक्षित के रिश्तेदार के साथ हुआ। रिश्तेदार का बेटा यश बेंगलोर में रहता है। उसकी मां का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। मां को ब्लड की जरूरत थी। इस स्थिति में यश ने फेसबुक पर ब्लड के लिए पोस्ट किया और नंबर भी शेयर किया। कुछ ही देर में एक ठग ने फोन कर उसे अस्पताल का कर्मी बताते हुए दो यूनिट ब्लड होने की बात कहीं और फोन-पे या पेटीएम पर प्रतियूनिट 450 रुपए के हिसाब से देने के लिए कहा।

मोबाइल सिम कार्ड हैक कर खाते से निकाले रुपए

नोएडा। साइबर ठग ने एक युवक के मोबाइल सिम कार्ड को हैक कर उसके खाते से लगभग 1 लाख 57 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित को बैंक जाने पर ठगी की जानकारी मिली। सेक्टर-76 निवासी संतोष पांडे का एक बैंक में खाता है। 3 दिन पहले उनके पास एक व्यक्ति का फ़ोन आया और उसने अपने आपको आइडिया कंपनी का रिप्रेजेंटेटिव बताया। उसने उनके 3 जी सिम को 4जी में कन्वर्ट करने की बात कही। इस पर उन्होंने सिम को 4जी में कन्वर्ट करने के लिए कह दिया। फोन करने वाले युवक ने 24 घंटे में सिम अपडेट होने और एक्टिवेट होने की बात कही। 24 घंटे बीतने के बाद भी जब उनका नंबर नहीं चला तो उन्हें शक हुआ। उसके बाद उन्हें बैंक से जानकारी मिली कि उनके खाते से दो बार में लगभग 1 लाख 57 हजार रुपए निकल चुके हैं। पीड़ित ने मामले की शिकायत थाना सेक्टर 49 में की है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900

21वीं सदी की माओं का बच्चों में संस्कारों पर जोर

तू कितनी अच्छी है, तू कितनी प्यारी है ओ मां ...

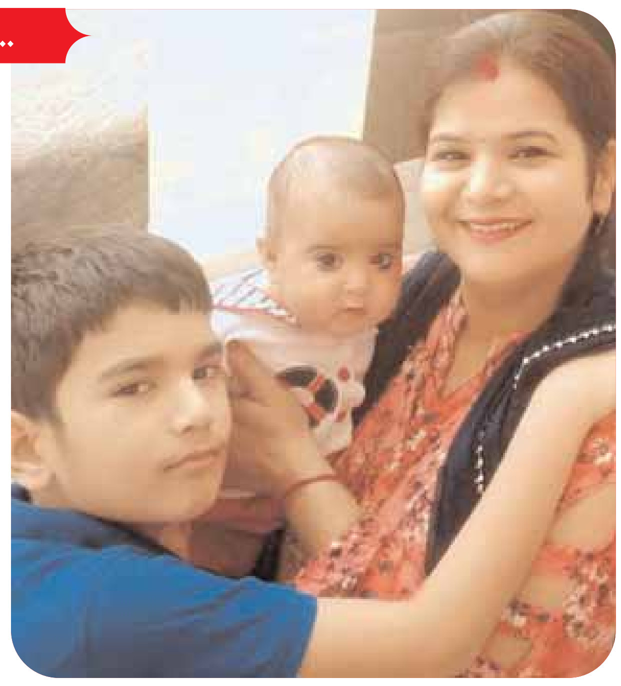

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

21वीं सदी की माएं अपने बच्चों को दुनिया के सारे सुख, आराम मिलने की कामना के साथ उनमें संस्कारों पर ज्यादा जोर दे रही हैं। जिस सदी में दामिनी जैसी बेटियों के साथ जघन्य अपराध हुए हों, तो यह जरूरी भी हो जाता है कि हम आने वाली पीढ़ियों को बेटियों की इज्जत करना, मां-बहनों को सम्मान देना सिखाएं। ऐसा ही सोच के साथ अपने बच्चों की परवरिश कर रही हैं आज की माएं। अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस के मौके पर हम कुछ माओं के मातृत्व सुख, ममता के अहसासों और अपनी संतान के प्रति उनके प्रेम, उनकी कामनाओं को आपके साथ साझा कर रहे हैं।

बच्चों को संस्कारित बनाने का प्रयास : पूनम

बेटा और बेटी की मां पूनम कहती हैं कि हम सबको अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने पर जोर देना है। अपने-पराये के भेद को मिटाना है। बच्चे कच्ची मिट्टी के समान होते हैं, अभी हम उन्हें जो भी आकार देंगे, उसी आकार में वे ढल जाएंगे। इसलिए संस्कारों का आकार सबसे बड़ा है। किसी भी मां का सबसे पहला यही कर्तव्य होना चाहिए कि वह अपने बच्चों को संस्कारित बनाएं। समाज में वे बड़े होकर खुद भी दूसरों को इस तरह का ज्ञान दें। तभी हमारा ज्ञान सार्थक होगा। उनका कहना है कि बच्चों को अच्छा पढ़ाना सफलता नहीं, बल्कि उन्हें अच्छा इंसान बनाना हमारी सफलता होती है।

बेटी को देंगे अच्छी शिक्षा, संस्कार : सुनीता

एक बेटी की मां सुनीता कहती हैं बेटी को अच्छी शिक्षा और संस्कार देकर इस दुनिया में कामयाब बनाना है। बेटा-बेटी के भेद को मिटाकर वे बेटी के पालन में लगी हैं। अभी उसके बचपन की अठखेलियों से खेल रही है। साथ ही अपना मातृत्व फर्ज वह नहीं भूल रही। बेशक बेटी छोटी है, लेकिन उसे समय के साथ हर रिश्ते की पहचान कराना भी उनका फर्ज है। उसे भी निभाना है। उनका कहना है कि 21वीं सदी में बेटियों ने दुनिया में नाम रोशन किया है। इसलिए हमारी कोशिश यही रहनी चाहिए कि बेटियों को हर वो शिक्षा दी जाए, जो कि उसकी कामयाबी के रास्ते खोलती है। शिक्षा और संस्कारों का जब मेल होगा तो हर बेटी की कामयाबी के दरवाजे अपने आप खुलते जाएंगे।

बचपन से चरित्र निर्माण करना जरूरी : सरोज

एक बेटा और बेटी की मां सरोज कहती है कि जीवन में खेलना, कूदना, पढ़ना सब जरूरी है, लेकिन इन सबके साथ चरित्र निर्माण भी बहुत जरूरी है। बेशक हम किसी भी माहौल में रहते हों। कोई क्षेत्र और माहौल हमें अपने बच्चों की अच्छी परवरिश और चरित्र निर्माण के लिए नहीं रोकता। वेस्टर्न कल्चर में रहकर आज की युवा पीढ़ी काफी हद तक बुराइयों में संलिप्त हो चुकी है। आगे के समय को देखते हुए हमें आज ही यह शुरुआत करनी चाहिए कि अपने बच्चों को इससे दूर रखें।

बच्चों को संस्कारवान बनाना बड़ी कामयाबी : पूनम

पेशे से स्टाफ नर्स पूनम सहराय कहती हैं एक मां के जीवन में बच्चों को संस्कारवान बनाना ही सबसे बड़ी कामयाबी कही जा सकती है। बेशक वह दो बेटों की मां है, लेकिन बेटियों का भी उन्हें अहसास है। क्योंकि वह खुद बेटी है। उनका कहना है कि वैसे तो औरत का जीवन सदा ही चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन जब वह मां बनती है तो उसके जीवन का ध्येय बदल जाता है। तब जीवन की चुनौतियां फर्ज में बदल जाती हैं।

अपने बेटा-बेटी को बना है अच्छे इंसान : किरन

एक बेटा और एक बेटी की मां किरन कहती हैं कि घर में भगवान का दिया सब-कुछ है। लेकिन हर दौलत से बड़ी उनके लिए अपनी औलाद है।

उन्हें दुनिया का हर सुख मिलने की वह कामना करती है। गृहिणी हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश भी ठीक से कर पा रही हैं। बेटा होने के कई साल बाद जब घर में बेटी हुई तो उनका ना केवल परिवार पूरा हुआ, बल्कि बेटी के रूप में इस नन्हें मेहमान ने घर की खुशियों को भी बढ़ा दिया। उनकी यही कामना है कि उनके बच्चों को दुनिया की सारी खुशियां मिले।

अच्छी शिक्षा व अच्छे संस्कार बच्चों को देने हैं : संजू

संजू का हर मां को संदेश है कि चाहे जीवन में कितनी भी कठिनाइयां क्यों ना हो, बस अपनी ममता की पाठशाला में बच्चों में अच्छे संस्कारों के ऐसे पाठ पढ़ाएं कि वो जीवन भर भूल ना पाएं। एक बेटा व एक बेटी की परवरिश भी वह इसी सोच से कर रही हैं कि वे अच्छे इंसान ही बनें। कामयाबी को वह दूसरी सीढ़ी मानती हैं, पहली सीढ़ी तो संस्कारों की ही है। पहले उनको बेटा हुआ था और अब बेटी हुई है। दोनों बच्चे छोटे हैं। दोनों की परवरिश भी इसी ढंग से कर रही हैं कि वे सदा अच्छाई के रास्ते पर चलें। अच्छी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार दोनों बच्चों को देने हैं।

बेटे की करनी है अच्छी परवरिश : सुमन

पेशे से शिक्षिका सुमन कहती हैं कि वह एक बेटे की मां है। उसका यही प्रयास है कि अभी बेटे की अच्छी परवरिश हो। उसमें संस्कार वह भर रही है। रिश्तों का उसे ज्ञान करा रही हैं। खेल-खेल में उसे बहुत कुछ सिखाने का प्रयास है। चाहे बेटा कितना भी बड़ा क्यों ना हो जाए, उसे वह हमेशा बेटियों, महिलाओं का सम्मान करने की सीख देती रहेंगी। क्योंकि यह आज के समय में बहुत जरूरी है। धर्म-कर्म से भी बच्चों को जोड़ना जरूरी है। क्योंकि यह भी संस्कारों की श्रेणी में ही आता है। धार्मिक भावनाओं का होना भी बहुत जरूरी है। किसी भी काम को हमें धर्म के तराजू में भी तोलना चाहिए।

संतान का संस्कारवान होना ही सफलता : सोनिका

सोनिका कहती हैं कि बच्चों को हर बुराई-अच्छाई का ज्ञान जरूर दें। क्योंकि अगर उन्हें हम ज्ञान नहीं देंगे तो वो अपनी जिज्ञासा से किसी न किसी तरह से उस ज्ञान को जानना जरूर चाहेंगे। इससे अच्छा है हम उन्हें खुद अच्छाई-बुराई का भेद कराएं। यह समय की मांग है। संतान का संस्कारवान होना ही जीवन की सफलता है। बेटियों को लेकर उनका कहना है कि यह प्रैक्टिल है कि बेटी जब ससुराल में जाती है और उससे कुछ गलती होती है तो यही सुनने को मिलता है मां ने कुछ नहीं सिखाया।

बेटा-बेटी में न समझें कोई फर्क : दृष्टि

एक बेटी की मां दृष्टि कहती हैं कि हमें बेटा-बेटी में कोई फर्क नहीं समझना चाहिए। दोनों की परवरिश इस ढंग से करें तो उन्हें दुनियादारी में अच्छे-बुरे का ज्ञान हो जाए। यह समय की जरूरत है कि बच्चों को यह ज्ञान हो। घर की दहलीज से बाहर निकलकर बेटों को बेटियों के मान-सम्मान का ध्यान रखना चाहिए। बेटियों को भी हमें बेटों की तरह ही संस्कार देने चाहिए। गलत संस्कारों, गलत कर्मों की ही यह सजा है कि हम आज किसी ने किसी रूप में उसे भुगत रहे हैं। एक बीमारी ने हमें अपनी संस्कृति और संस्कार याद दिला दिए हैं। अब यह जरूरी है कि हम इन्हें जीवन भर ना भूलें।

बेटा-बेटी में संस्कारों के रंग भरना जरूरी : पूजा

पूजा वर्मा कहती हैं कि चाहे बेटा हो या बेटी, दोनों में संस्कार भरने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी मां की ही होती है। बेटा-बेटी में संस्कारों के रंग भरना बहुत जरूरी है। हमें अपनी कल्चर से उन्हें जोड़े रखना है। आज पूरी दुनिया जब हमारी कल्चर को अपना रही है तो फिर हम भी अपनी कल्चर को क्यों ना अपनाएं। क्यों वेस्टर्न कल्चर के पीछे भागें। उनका कहना है कि बेटा हो या बेटी, उसमें संस्कार भरने की ज्यादा जिम्मेदारी मां की होती है। रिश्ते-नातों की कद्र माता-पिता की पाठशाला में अधिक सीखी जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

गृहमंत्री के पास पहुंचा 13वीं मंजिल से गिरी महिला का मामला

गुरुग्राम। यहां सेक्टर-37सी स्थित सोसाइटी की 13वीं मंजिल से गिरकर महिला की मौत को मायके वालों ने हत्या कहा है। हत्या का ही उन्होंने केस दर्ज कराया है, लेकिन पुलिस आगे कोई कार्रवाई करने से बच रही है। घटना के 20 दिन बाद भी हत्या के आरोपी पति की गिरफ्तार नहीं होने पर महिला के परिजनों ने प्रदेश के गृह मंत्री अनिल विज से गुहार लगाई है कि इस मामले में उन्हें न्याय दिलाया जाए। अनिल विज ने जल्द ही आरोपी कि गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। बता दें कि लॉकडाउन के बीच 20 अप्रैल को सेक्टर-37सी स्थित क्रोना ऑप्टस सोसाइटी की 13वीं मंजिल से रितु चौधरी के गिरने से मौत हो गई थी। रितु चौधरी के भाई हिमांशु ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि 7 फरवरी 2011 को उसकी बहन रितु की नितेश अग्रवाल के साथ शादी हुई थी। उसने आरोप लगाया कि शादी के कुछ दिन बाद से ही नितेश उनकी बहन को दहेज के लिए जान से मारने की धमकी देता था। इस संबंध में दोनों परिवार कई बार पंचायत करके समझौता भी कर चुके थे। आरोप है कि साजिश के तहत उसकी बहन को दहेज के लिए नितेश ने 13वीं मंजिल स्थित फ्लैट से धक्का दे दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सेक्टर-10ए थाना पुलिस ने नितेश के खिलाफहत्या का मामला दर्ज कर लिया था, लेकिन अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस के पास पर्याप्त सबूत होने के बावजूद आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर रही। पुलिस आयुक्त से भी गुहार लगाई है। परिजनों ने गृहमंत्री अनिल विज से गुहार लगाई है जिस पर उन्होंने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

12 वर्षीय किशोरी को बहलाकर ले जाने का आरोप

सोहना। सोहना सिटी थाना क्षेत्र में 12 वर्षीय किशोरी को बहलाकर भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने किशोरी के पिता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सोहना सिटी थाना क्षेत्र में रहने वाले पीड़ित पिता ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी शुक्रवार सुबह 7 बजे से घर से लापता हो गई। उसकी बेटी को नामजद आरोपी अनिल ले गया है। पीड़ित पिता ने अपनी नाबालिग बेटी की तलाश और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने के साथ गिरफ्तार करने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद तलाश शुरू कर दी है।

रेडक्रॉस सोसायटी ने मदर्स डे पर लगाया रक्तदान शिविर

गुरुग्राम। रेडक्रॉस सोसायटी गुरुग्राम ने मातृत्व दिवस के मौके पर गांव खेड़ला में रक्तदान शिविर लगाया। वहीं सोसायटी के अध्यक्ष एवं जिला उपायुक्त गुरुग्राम अमित खत्री की माता कृष्णा देवी को सामाजिक कार्यो के प्रति कार्य करने के लिए रेडक्रास सोसायटी भवन में सम्मानित किया। रक्तदान शिविर में सोहना के विधायक संजय सिंह भी मौजूद रहे। शिविर में 60 यूनिट रक्त एकत्रित किया। सोहना के विधायक कंवर संजय सिंह ने कहा कि रक्तदान महान कार्य है, इसलिए सभी युवाओं को बढ़-चढ़कर रक्तदान करना चाहिए। आज जिन व्यक्तियों द्वारा रक्तदान किया गया है। सोसायटी गुरुग्राम के सचिव महेश गुप्ता के मुताबिक सोसायटी द्वारा कोरोना काल में दिन-प्रतिदिन रोगियों की संख्या की बढ़ती दर व जरुरत को देखते हुए अलग-अलग स्थानों पर रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है।

यहां 18 से 63 साल के लोगों ने किया रक्तदान

गुरुग्राम। यह बात सभी जानते हैं कि थैलीसीमिया के मरीजों के लिए खून सामान्य इंसान से कहीं अधिक जरूरी है। कोरोना काल में उनके लिए खून की कमी पड़ गई है। ब्लड बैंकों में खून दान करने वाले कम आ रहे हैं। ऐसे में रोटरी ब्लड बैंक कादीपुर के साथ मिलकर नवकल्प फाउंडेशन ने बीड़ा उठाया और शनिवार को यह शिविर लगाया। शिविर में 68 यूनिट रक्तदान हुआ, वहीं 15 को यहां मेडिकल कारणों से रक्त नहीं लिया। शिविर का शुभारंभ सोहना के विधायक कुंवर संजय सिंह व कादीपुर क्षेत्र के पार्षद ब्रह्म यादव ने किया। विधायक कुंवर संजय सिंह ने कहा कि खून स्वस्थ इंसान की भी जरूरत है और बीमार आदमी की भी। पार्षद ब्रह्म यादव ने कहा कि यह रक्तदान शिविर लगाकर नवकल्प और रोटरी ने पुण्य का कार्य किया है। नवकल्प फाउंडेशन के सचिव डा. सुनील आर्य ने कहा कि समाजसेवा के जिस उद्देश्य से संस्था का गठन किया गया था, उसी उद्देश्य को पूरा करने में लगे हैं।

चार जोड़े पति-पत्नी ने भी किया रक्तदान

गुरुग्राम। खास बात यह है कि शिविर में चार जोड़े पति-पत्नी भी रक्तदान करने पहुंचे। संभवत: ऐसे संयोग कम ही बनता है कि रक्तदान जैसे शिविरों में पति-पत्नी मिलकर रक्तदान करें। हो सकता है एक जोड़ा आ भी जाए, लेकिन यहां चार जोड़ों ने रक्तदान किया। यह अपने आप में अच्छी बात है। महिलाओं में भी रक्तदान के प्रति रुचि बढ़ रही है। यहां पर युवावस्था की दहलीज पर पहुंचे 18 साल के रितम आर्य ने पहली बार रक्तदान किया तो वहीं 63 की उम्र पार कर चुके बलवान दहिया भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने भी रक्तदान करके सकारात्मक संदेश दिया। टीम नवकल्प की ओर से डा. सुनील आर्य, मुकेश गुप्ता, सुरेंद्र चौधरी, आशुतोष, नरेश यादव, सुधांशु गुप्ता ने भी रक्तदान किया। दो कार्यालय सहयोग हल्कू व करण ने भी पहली बार रक्तदान किया। उनकी उम्र भी 18 से 20 साल के बीच है।

सामाजिक संगठन ने 125 परिवार को राशन वितरित किया

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

शहर की उन्नति चेरीटेबल सामाजिक संगठन ने 125 गरीब परिवारों को राशन वितरित किया। जिसकी शुरुआत एसडीएम डॉ. चिनार ने गरीब परिवारों को राशन की थैलियां देकर की। शनिवार को सोहना के पलवल मार्ग पर स्थित शनि मंदिर पर शहर की सामाजिक संगठन उन्नति चेरीटेबल सामाजिक संगठन ने झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों, किराए के मकानों में रह रहे गरीब और मजदूर परिवारों को चावल, दाल, नमक, तेल, मशाले बांटे।

राशन वितरण का कार्य सोहना एसडीएम डॉ. चिनार ने अपने हाथों से गरीब परिवारों को संस्था की तरफ से राशन देकर की। इस अवसर पर एसडीएम डॉ. चिनार ने शहर में ऐसे सामाजिक संगठनों की तरीफ की। उन्होने कहा कि जरूरमंदों को पक्का हुआ खाना से लेकर सुखा राशन व अन्य जरूरतमंद सामान देकर उन्नति संस्था परोपकार का काम कर रही है। वैसे तो शहर में अन्य सामाजिक संगठनों ने प्रशासन के साथ हाथ बांटते हुए गरीब और बेसहारा मजदूरों की सेवा करने में पूरा सहयोग किया है। उन्नति चेरीटेबल संस्था ने अपने सेवाभाव से काफी सहयोग किया है। इसके कार्यकर्ताओं ने तीन से चार किलोमीटर की दूरी में रिक्सा चलाकर बना हुआ खाना जरूरतमंदों तक पहुंचाया है।

सोहना एसडीएम डॉ. चिनार उन्नति चेरिटेबल सामाजिक संगठन द्वारा गरीब परिवरों को वितरण किया राशन की शुरुआत करते हुए।

क्या कहना है संगठन चेयरमैन का

समाजिक संगठन के चेयरपर्सन बबीता यादव ने बताया कि उनके साथ जो दानीदाताओं ने आम लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं। उनका सहयोग काबिले तारीफ है। संगठन में जुड़े समाजसेवियों से लेकर कार्यकर्ताओं ने आज तक हिम्मत नहीं हारी है। आज जो राशन वितरण किया है। वह ऐसे लोगों को दिया है। जिनको बहुत आवश्यकता है। संस्था के प्रोजेक्ट चेयरपर्सन बलबीर सिंह ने बताया कि उन्होने बताया कि ऐसे गरीब परिवारों की कार्ड बनाएं गए है। जिन्हे सरकार की किसी भी योजना से लाभ नहीं मिला है। राशन कार्ड से लेकर अन्य योजनाओं में शामिल नहीं है।

सौतेली मां व भाई की प्रताड़ना से परेशान बीकॉम की छात्रा ने की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कार्टरपुरी एरिया में एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया ज रहा है कि वह मानसिक रूप से परेशान थी। उसने अपने घर पर ही रस्सी से फंदा बनाकर फांसी लगाई। उसका सगा भाई और उसके पिता उस समय घर से बाहर थे, जबकि उनकी सौतेली मां, भाई और छोटी बहन घर पर थी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। साथ ही कहा है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पालम विहार थाना पुलिस को दी शिकायत में कार्टरपुरी निवासी अभिषेक कुमार के मुताबिक उनकी बहन एमकॉम फाइनल की छात्रा थी। वह डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई कर रही थी। उनकी मां की मौत हो चुकी है। उनके पिता की दूसरी शादी 1996 में सभी की सहमति से इंदूबाला से हुई। वह रेलवे पुलिस में एसआई हैं। उनसे बुलंद और शिवानी पैदा हुई। इस प्रकार वह चार भाई बहन है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उनकी मां की मौत के बाद उसे और उसकी बहन को तंग किया जाने लगा। व्यवहार और खाने में भेदभाव किया जाने लगा। इतना ही नहीं उनकी

खाने व सामान्य व्यवहार में भी किया जाता था परेशान

सुसाइड नोट छिपाने का सगे भाई ने लगाया आरोप

बहन के साथ उनकी मां अक्सर मारपीट करती, साथ ही पिता को बताने पर जान से मारने की धमकी देती। अक्सर खाने को लेकर उन दोनों भाई बहनों के साथ अन्य दो भाई बहनों के बीच भेदभाव होता। दो मई को उनकी बहन शिवानी का फोन आया कि ज्ञानवती ने फांसी लगा ली है। जब तक वह घर पहुंचा तो उसे कोलंबिया हॉस्पिटल ले जाया जा चुका था। यहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी मां इंदूबाला और भाई बुलंद से तंग आकर उनकी बहन से यह कदम उठाया है। वह दोनों ही इसके जिम्मेदार हैं। उन दोनों ने स्यूसाइड नोट भी छुपाया है। उनकी बहन ने हाथ पर भी दोनों पर ही इस कदम के लिए जिम्मेदार होने की बात लिखी है।

सोहना में गेहूं से भरे कट्टों का उठान न होने पर डीएम से की शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना ब्लॉक में तीन स्थानों पर हो रही गेहूं की सरकारी खरीद के दौरान 35 हजार भरे कट्टे खुले आसमान के नीचे रखे हैं। हरियाणा वेयर हाउस एजेंसी के अधिकारी ठेकेदार पर गेहूं से भरे कट्टों का समय पर लदान न करने का आरोप लगाया है। वेयर हाउस एजेंसी के प्रबंधक ने ठेकेदार के खिलाफ अपने डीएम को लिखित में शिकायत की है।

इस वर्ष सोहना ब्लॉक में गेहूं की सरकारी खरीद के लिए तीन स्थान पर की जा रही है। जिसमें सोहना के देवीलाल खेल स्टेडियम, सामान्य बस स्टैंड और दिल्ली जयपुर हाइवे पर लगता कासन गांव शामिल है। तीनों स्थानों पर गेहूं की सरकारी खरीद अब तक करीब 52 हजार कट्टे की हुई है। जिसमें से केवल 17 हजार कट्टे भरे गेहूं की हुई है। अभी भी करीब 35 हजार गेहूं से भरे कट्टे खुले आसमान के नीचे पड़े हैं।

रविवार को आंधी ने किए रौंगटे खड़े

सोहना ब्लॉक में गेहूं की सरकारी खरीद में हरियाणा वेयर हाउस के तैनात प्रबंधक सुनील कुमार ने बताया कि रविवार को दोपहर के समय में आई आंधी को देख उसके रौंगटे खड़े हो गए। क्योकि सोहना के देवीलाल खेल स्टेडियम, सामान्य बस स्टैंड और कासन में खुले आसमान के नीचे अभी भी 35 हजार कट्टे गेहूं से भरे रखे हैं। बारिश होने से प्रदेश सरकार को लाखों रुपये का नुकसान होगा।

सोहना के सामान्य बस स्टैंड पर उठाव ने होने के कारण खुले आसमान के नीचे पड़ा किसानों से खरीदा गया गेहूं।

ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप

हरियाणा वेयर हाउस के प्रबंधक सुनील कुमार ने बताया कि पलवल निवासी ठेकेदार अनिल कुमार ने अभी 52 हजार कट्टों में से मात्र 17 हजार का उठाव कराया है। पिछले दस दिन से एक भी ट्रक गेहूं नहीं उठा है। कासन में गेहूं की खरीद का एक कट्टा नहीं उठाया है। ठेकेदार के पास गाड़ियां नहीं है, जो समय पर गेहूं से भरे कट्टों को उठा नहीं रहा है।

डीएम को लिखित में शिकायत

प्रबंधक सुनील कुमार ने बताया कि उन्होने वेयर हाउस एजेंसी के डीएम को ठेकेदार के खिलाफ लिखित में शिकायत की गई है। जिसमें ठेकेदार यदि समय पर गेहूं के कट्टों का उठान नहीं करता है। ऐसे ठेकेदार का लाइसेंस रद्द करते हुए अन्य ठेकेदार को लगाया जाएं। जिससे खुले आसमान के नीचे रखा गेहूं का समय पर उठान हो सके।

कोरोना का कहर: जिले में एक मौत, दो और पॉजिटिव

उद्योगपति और बैंक मैनेजर संक्रमित, बच्चा नेगेटिव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना के मरीजों के बढ़ने का सिलसिला लगातार जारी है। जिले में रविवार को दो मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने से कोरोना का आंकड़ा 96 पर पहुंच गया है। वहीं डबुआ मंडी के आढ़ती के सम्पर्क में आया दस वर्षीय भतीजे की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। वहीं दूसरी तरफ जिले में कोरोना से बीती रात एक महिला की मौत हो गई। कोरोना से अब तक यह तीसरी मौत है।

कारोबारी व बैंक मैनेजर पॉजिटिव

कोरोना से मौत की खबर से जिला स्वास्थ्य विभाग सम्भल भी नही पाया कि रविवार की सुबह बल्लभगढ़ के सेक्टर-62 निवासी 42 वर्षीय एक व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। व्यक्ति सरूरपुर में अपना कारोबार चलाता है। कारोबारी का कहना है कि उनका ड्राईवर दिल्ली आना-जाना करता है। जिससे वह कोरोना की चपेट में आए है। उद्योगपति के परिजनों को कोरंटाइन कर दिया है। वहीं देर शाम सेक्टर-16 में रहने वाले एक सरकारी बैंक के 40 वर्षीय मैनेजर की रिपोर्ट पॉजिटिव भी आई है। पिछले दिनों जिस निजी लैब के सुरक्षाकर्मी की मौत हुई थी, मैनेजर उनके सम्पर्क में आने से पॉजिटिव पाया गया है। फिलहाल विभाग की टीमों ने दोनों को ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवा दिया है। दोनों के घरों के बाहर एतिहात के तौर पर विभाग ने कोविड-19 का पोस्टर लगा दिया है।

जिले में तीसरी मौत

बीती रात ओल्ड फरीदाबाद के सेक्टर-28 निवासी 72 वर्षीय आशा सूरी नामक एक महिला की मौत हो गई। महिला का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा था। जहां इलाज के दौरान उसकी कोविड-19 की जांच कराई गई, तो पता चला कि वह पॉजिटिव है। जिस पर उसे ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में दाखिल किया गया था। छह अप्रैल से दाखिल महिला के सम्पर्क में आए उनके 73 वर्षीय पति, बेटे और पुत्रवधु के अलावा पांच वर्षीय पौते की रिपोर्ट पॉजिटिव बताई गई थी। शनिवार को जहां एक तरफ परिजनों को ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में दाखिल करवाया गया। वहीं दूसरी तरफ देर रात बीमार बुजुर्ग महिला ने दम तोड़ दिया। रविवार को महिला का अंतिम संस्कार कोविड-19 नियामानुसार किया गया।

यह है आंकड़े

नोडल अधिकारी डॉ. रामभगत ने बताया कि जिला में अब तक 6086 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 1517 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 4566 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 5990 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 5357 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 4723 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 538 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 96 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 36 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा ठीक होने के बाद 55 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया है। दो पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेटेड किया गया है। अब तक तीन मरीजो की मौत भी हो चुकी है।

हरियाणा रोडवेज चालक सम्भाल रहे एंबुलेंस की कमान

कविता। फरीदाबाद

जिले में एम्बुलेंस ड्राईवरों की कमी के कारण स्वास्थ्य विभाग को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। क्योंकि एम्बुलेंसों पर ड्राईवरों की कमी के कारण मरीजों को लाने व ले जाने में परेशानियां हो रही थी। जिसे देखते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग ने अब हरियाणा रोड़वेज के बस ड्राईवरों की मांग की। रोड़वेज ने अपने बस ड्राईवरों को एम्बुलैंस चलाने के लिए भेज दिया है। शनिवार रात 12 बजे से 12 ड्राईवरों को एम्बुलैंसों पर तैनात कर दिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग ने 14 एम्बुलेंस ड्राईवरों की भर्ती पिछले दिनों की गई थी। उन्हें टेस्ट प्रक्रिया के बाद सभी तरह से योग्य समझा गया था। लेकिन विभाग ने चालकों की भर्ती करने की फाइल एप्रुवल के लिए हैडक्वार्टर भेज दी। इस फाइल पर हैडक्वार्टर से भर्ती पर रोक लगा दी। जिस जिला स्वास्थ्य विभाग को ग्रामीण इलाकों में एम्बुलेंस न पहुंच पाने से परेशानियों का सामना करने को मजबूर होना पड़ रहा था। लेकिन जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने इसका भी तोड़ निकाल लिया। उन्होंने एम्बुलेंसों को चलवाने के लिए हरियाणा रोडवेज से ड्राईवर देने को कहा। जिस पर गत शनिवार को 12 ड्राईवर हरियाणा रोडवेज की तरफ से सिविल अस्पताल में भेज दिए गए।

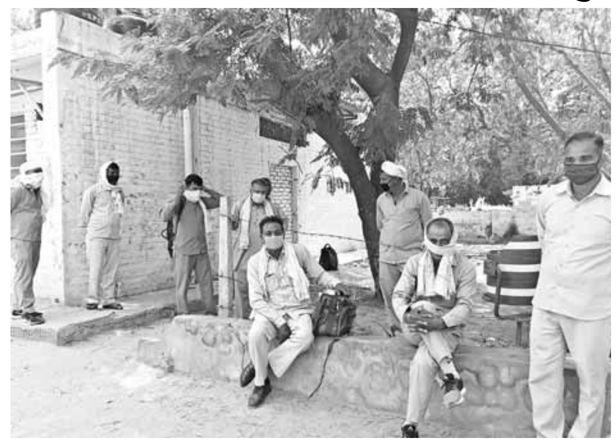

विभिन्न जिलों के चालक

सिविल अस्पताल में भेजे गए हरियाणा रोडवेज के ड्राईवरों का कहना है कि उन्हें यहां एम्बुलैंस चलाने के लिए बुलाया गया। हम सभी अलग-अलग जिलों से आए है। जिसमें रेवाड़ी, नारनौल, भिवानी, रोहतक, करनाल इत्यादि जिलों के ड्राईवर शामिल है। अधिकारियों क आदेश पर उन्हें एम्बुलेंस चलाने में कोई परेशानी नहीं हैं।

मिलेगी राहत

फिलीट मैनेजर हरकेश डागर ने कहा कि 14 ड्राईवरों की भर्ती की फाईल हैडक्वार्टर से एप्रुवल होकर नहीं आई है। जिस पर हरियाणा रोडवेज के ड्राईवर मांगे गए है।

फिलहाल हरियाणा रोडवेज की तरफ से 12 ड्राईवर दिए गए है। जिन्हें शनिवार रात से ड्यूटी पर लगाया गया है। कुछ ड्राईवरों को चेंज करके दूसरे ड्राईवर भी मंगवाये गए है, क्योंकि उन्होंने एम्बुलेंस चलाने से मना कर दिया था।

मरीजों को राहत

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश ने बताया कि हमने हरियाणा रोडवेज से ड्राईवर मांगे थे।

उन्होंने एक ही दिन में ड्राईवर भेज दिए। जिससे हमारी खड़ी हुई एम्बुलेंस अब चालू हो जाएगी। जिससे मरीजों को राहत मिलेगी। ग्रामीण इलाकों में परेशानियां भी अब दूर हो जाएगी।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने जताया आभार

फरीदाबाद। प्रदेश सरकार ने निजी स्कूलों को राहत देते हुए स्कूलों में प्रशासनिक कार्यालय खोलने की अनुमति दे दी है। सरकार के आदेशानुसार प्रशासनिक कार्यालय के कार्यों को निपटाने के लिए सीमित स्टाफ के साथ काम करने की अनुमति मिली है। प्रदेश सरकार के इस फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन, हरियाणा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं शिक्षा मंत्री कंवर पाल का धन्यवाद प्रकट किया। एसोसिएशन के प्रधान रमेश डागर, महासचिव गौरव पराशर एवं प्रवक्ता दीपक यादव ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का फैसला स्वागत योग्य है। इसके लिए वे उपायुक्त यशपाल यादव का भी धन्यवाद करते हैं।

जिन्होंने एसोसिएशन की बात को सरकार तक पहुंचाया। रमेश डागर ने इस मौके पर कहा कि वे आश्वासन देना चाहते हैं कि सभी स्कूल प्रदेश सरकार के तय मानको का पालन करते हुए स्कूल का संचालन करेंगे। दीपक यादव ने कहा की यह फैसला काफी सकारात्मक है। इससे काफी समय से बंद चल रहे स्कूल में ऊर्जा का संचार होगा। साथ ही उन अभिभावकों को भी राहत मिलेगी। जो ऑनलाइन फीस जमा नहीं करा पा रहे थे। गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने कोविड-19 के चलते लॉकडाउन के कारण प्रदेश भर के सभी सरकारी व निजी स्कूल पूर्ण रूप से बंद कर दिए गए थे। ऐसा होने से निजी स्कूलों को उनके प्रशासनिक व दिन की गतिविधियों को पूरा करने में आ रही कठिनाइयों के कारण प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रयास पर हरियाणा के राज्य सरकार ने हरियाणा के निजी स्कूलों को अपने प्रशासनिक कार्यालय खोलने की अनुमति देने का फैसला किया है।

अरावली में खोले जा रहे हैं शराब के दस ठेके

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जब पूरा देश कोरोना के कारण लॉकडाउन में है। ऐसे में एक शराब माफिया एक आला अधिकारी के नाम पर अरावली की पहाड़ियों में शराब के दस ठेके खोल रहा है। सोमवार ठेके शुरू हो गए हैं। शराब के ये ठेके अरावली पहाड़ की जड़ में खुल रहे हैं। एक ठेका मानव रचना के पास पाली रोड चौक के निकट, एक ठेका पाली पुलिस चौकी के निकट और एक ठेका लकड़पुर में खुल चुका है। शेष अन्य ठेके पहाड़ी में खोले जा रहे हैं। सेव अरावली के जितेंद्र भड़ाना ने पायनियर को बताया कि अरावली पहाड़ में शनिवार को शराब माफिया ने अवैध रूप से संरक्षित क्षेत्र में रातों रात शराब के ठेके खोल दिए हैं। भड़ाना बताते हैं कि पकड़े जाने पर कर्मचारियों ने

बताया कि उनको फरीदाबाद एक आला अधिकारी ने दस ठेके खोलने के लिए परमिट जारी किया है। उन्होंने बताया कि वन अधिकारियों के अनुसार ऐसा कानूनी रूप से गलत है और इस बारे में कार्यवाही की जाएगी। जितेंद्र भड़ाना ने प्रशासन से अपील की है कि इस मुद्दे को गहराई से लें और अपराधियों के साथ सख्त कार्यवाही की जाए। सूरजकुंड के एसएचओ अमन कुमार ने बताया कि उनके पास एक्साइज वालों की परमीशन है।

नवजात शिशु फेंकने के संदेह में युवती गिरफ्तार

फरीदाबाद। सेक्टर दो के निकट किसी अज्ञात व्यक्ति ने दो दिन पहले एक नवजात शिशु को फेंक दिया। पता चलते ही नजदीक रहने वाली महिला ने बच्चें का उपचार करवाने के साथ ही पुलिस को शिकायत दी थी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने जांच करते हुए संदेह के आधार पर एक युवती को हिरासत में लिया है।

थाना शहर बल्लभगढ़ में दर्ज मामले के मुताबिक तिरखा कॉलोनी में रहने वाली माया देवी ने अपनी शिकायत में कहा था कि शुक्रवार सुबह सेक्टर-दो के निकट झाड़ियों में नवजात शिशु पड़ा हुआ था।

जिस पर उसने आस पड़ोस के लोगों के अलावा पुलिस को सूचना दी। माना जा रहा था कि किसी युवती ने लोकलाज के भय से बच्चे को जन्म देने के बाद झाड़ियों में फेंक दिया था। उस समय बच्चे की सांस चल रही थी। सूचना पाकर पुलिस टीम पहुंच गई और बच्चे को अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। अग्रसेन पुलिस चौकी प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि मामले में एक युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्दी ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

गरीब व मजबूरों का सहारा बनी टीम विजय प्रताप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

इस संकट के दौर में गरीब एवं मजबूरों के लिए सहारा बनकर खड़ी हुई है टीम विजय प्रताप और अभी तक लगभग 17 हजार परिवारों तक राशन पहुंचाया जा चुका है।

रविवार को टीम विजय प्रताप ने बडखल विधानसभा क्षेत्र के दयालनगर, खोरी, एकता नगर, जमाई कॉलोनी, बडखल, नेहरू कॉलोनी, कल्याणपुरी, नवादा कॉलोनी एवं एसी नगर में लगभग 1800 लोगों को खाना वितरित किया एवं बड़खल व एनआईटी में 50 परिवारों को राशन भिजवाया। टीम विजय प्रताप द्वारा बड़खल विधानसभा क्षेत्र में जरूरतमंद एवं मजदूरों की सहायता के लिए चलाया जा रहा राशन वितरण अभियान लगातार जारी है और जब तक लॉकडाउन पीरियड रहेगा उनकी मदद लोगों तक पहुंचती रहेगी। लगभग डेढ़ महीने से भी ज्यादा समय से लागू लॉकडाउन के चलते गरीब मजदूर वर्ग खाने एवं राशन के लिए मोहताज हो गया है। जिसके चलते टीम विजय प्रताप ने समस्त बड़खल विधानसभा क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों कों राशन भिजवाने का जिम्मा उठाया है।

सैनिटाइजर से नई एम्बुलेंसों में लग रहा है जंग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोविड-19 के मरीजों को लाने वाली एम्बुलेंस बार बार सैनिटाइज किए जाने की वजह से उनमें जंग लगने लगा है। जंग लगने के कारण एम्बुलेंस को खाली करके कुछ समय के लिए छोड़ दिया है। वहीं दूसरी तरफ एम्बुलेंस चालकों का कहना है कि सैनिटाइज होने के कारण उनके कपड़े भी गल रहे है। चालकों ने घटिया सैनिटाइजर इस्तेमाल करने का संदेह जताया है

हर मरीज के बाद सैनिटाइज

कोविड-19 में जितनी भी एम्बुलेंस लगी है। वह सभी बार-बार सैनिटाइज होती है। एक मरीज को लाने के बाद ड्राईवर समेत पुरी एम्बुलैंस को कोरोना महामारी से बचाव के लिए सैनिटाइज किया जाता है। करीब 50 दिनों से लगातार सैनिटाइज हो रही है। रविवार को सैनिटाइजेशन के दौरान देखा गया कि जहां-जहां सैनिटाइजर की बूंदे पड़ी थी, वहां-वहां जंग लगा हुआ है।

सैनिटाइजर बदलने की मांग

एम्बुलेंस पर तैनात चालकों ने बताया कि कोविड-19 की ड्यूटी के दौरान उन्हें मरीज को लाकर दाखिल करवाने के बाद एम्बुलैंस के साथ ही सैनिटाइज किया जाता है। ऐसे में उनके कपड़े भी खराब हो गए है। एक चालक ने बताया कि पिछले 50 दिनों में तीन जोड़ी कपड़े गलकर फट चुके हैं। इस कैमिकल का प्रभाव जब लोहे की एम्बुलैंस में जंग लगा रहा है और कपड़ों को गला रहा है, तो वह इंसानों पर कैसा प्रभाव डाल रहा होगा। ऐसे में सेनिटाइजर बदलने की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

आशा वर्कर 12 को जताएंगी विरोध

फरीदाबाद। आशा वर्कर यूनियन जिला कमेटी फरीदाबाद की सैकड़ों कार्यकर्ता आगामी 12 मई को राज्य सरकार के द्वारा उनकी मांगों के प्रति उदासीन रवैया अपनाने के विरोध स्वरूप प्रदर्शन करेंगी। सभी आशा वर्कर अपने-अपने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों सामान्य अस्पतालों के प्रांगण में खड़े होकर बाजू पर काले बिल्ले लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगी। यह जानकारी सीटू के जिला प्रधान निरंतर पराशर, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल, यूनियन की जिला प्रधान हेमलता एवं जिला सेक्रेटरी सुधा पाल में यहां से जारी एक संयुक्त बयान में दी। उन्होंने बताया कि कि कोरोना वायरस की महामारी के तहत लॉक डाउन के चलते हुए आज स्वास्थ्य विभाग इस महामारी से लड़ने के लिए सबसे पहली कतारों में है। चाहे डॉक्टर हो, नर्स हो, पैरामेडिकल स्टाफ हो, ठेका कर्मचारी हो, एनएचएम कर्मचारी हो या आशा वर्कर्स सभी अपनी जान को जोखिम में डालकर देश व समाज को इस महामारी से बचाने के कार्य में जुटे हुए हैं। आशा वर्कर्स स्वास्थ्य विभाग की आज के दिन बुनियाद है। तमाम तरह के मेडिकल सर्वे करने का काम आशा वर्कर के जिम्मे है। सभी आशा वर्कर अपनी ड्यूटी जिम्मेदारी से निभा रही है। लेकिन इस काम को पूरा करने के लिए उनको सुरक्षा उपकरण नहीं मिल रहे हैं। जिसके कारण आशा वर्कर्स को सर्वे करते हुए खुद संक्रमित होने का अंदेशा बना रहता है। इसलिए राज्य में स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत आशा वर्कर्स अपनी मांगो को लेकर 12 मई को उचित दूरी रखते हुए अपना विरोध प्रदर्शन करेंगी।

कोरोना यौद्धा पुलिस कर्मियों को किया सम्मानित

फरीदाबाद। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष डा. राधा नरूला एवं जिला यूथ कांग्रेस के उपाध्यक्ष डा. पराग गौतम ने कोरोना युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुलिसकर्मियों को फूल-मालाएं पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई में स्वास्थ्यकर्मी, पुलिसकर्मी एवं सफाईकर्मी सबसे ज्यादा मेहनत कर रहे हैं। अपने परिवार एवं बच्चों की परवाह किए बिना यह दिन-रात एक करते हुए सड़कों पर एवं अस्पतालों में हम लोगों की सुरक्षा एवं रक्षा हेतु भरसक प्रयास कर रहे हैं। डा. राधा नरूला ने कहा कि कुछ पुलिसकर्मी तो अपनी ड्यूटी के साथ-साथ मानवता का धर्म भी निभा रहे हैं और गरीब व असहाय लोगों को खाना व अन्य जरूरत का सामान उपलब्ध करा रहे हैं। डा. राधा नरूला ने रविवार को एसजीएम नगर थाना प्रभारी विजय आनंद, अतिरिक्त थाना प्रभारी रामवीर, सब इंसपेक्टर बलवान, परवारा, हेड कांस्टेबल राज आदि को शॉल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उनके साथ जय कुकरेजा, शिव धुप्पर, सागर दुआ, प्रवीण एवं हरियाणा प्रदेश प्रवक्ता मोहन सिंह ढिल्लो उपस्थित थे।

रहस्यमय हालत में बीमार युवक की मौत

फरीदाबाद। सेक्टर-22 के निकट रिक्शे पर पर जा रहे एक युवक की रहस्यमय हालत में मौत हो गई। युवक की मौत पर तरह तरह की अफवाहे फैली, कि युवक की मौत कोरोना से हुई है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कंफर्म किया कि युवक की मौत कोरोना से नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक सेक्टर-22 से एक महिला पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे अपने 24 वर्षीय बेटे को रिक्शे के जरिये इलाज को लेकर निकली थी। उसी दौरान एक स्वीट हाउस के निकट बेटे ने दम तोड़ दिया। युवक की लाश को सड़क पर रखा गया। पुलिस को सूचना दी गई। लोगों ने इस दौरान आफवाह फैला दी कि कोरोना से युवक की मौत हो गई है। जिस पर पुलिस ने शव को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सक ने बताया कि बीमारी से युवक की मौत हुई है। इस मामले में डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामभगत ने बताया कि युवक की मौत कोरोना से नहीं हुई। युवक पिछले काफी समय से बीमार था, उसे पेचिस था और वह बीमारी से मरा है। फिलहाल मृतक का शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

तेज आंधी से बिजली गुल, परेशान हुए लोग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तेज आंधी और हल्की बरसात से जहां पूरे दिन लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं दूसरी तरफ आंधी तुफान के कारण बिजली की सप्लाई ठप होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। घंटो लाइट कट और लॉकडाउन में लोगों का घर के भीतर समय काटना भारी हो गया। लोग बिजली दफ्तरों में फोन कर शिकायतें करते रहे। लेकिन घंटो उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ।

आंधी से टूटे बिजली के तार

तेज आंधी के कारण शहर में काफी नुकसान हुआ। मई माह में लॉकडाउन में बरसात और आंधी आने से लोगों को जहां एक तरफ गर्मी से राहत मिल रही है।

वहीं दूसरी तरफ नुकसान भी झेलना पड़ रहा है। रविवार को दोपहर के समय आई आंधी से बिजली के फाल्ट की समस्याएं सामने आई। कई जगह से बिजली की तारे टुटने की सूचनाएं भी मिली। जिससे घंटो लाइट कट का सामना लोगों को करना पड़ा।

मामूली बरसात

दोपहर को 12 बजे के आसपास तेज आंधी के बाद अचानक बरसात की बुंदे भी शुरू हो गई। हालांकि कुछ इलाकों में नाममात्र की बुंदे पड़ी। लेकिन कुछ जगह लोग तेज बरसात में खुद को भींगने से बचाते नजर आये। इस बरसात और आंधी के कारण पूरा दिन मौसम ठंड़ा रहा।

कर्मचारी नेता ने पौधारोपण कर मनाया जन्मदिवस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर पौधारोपण कर प्रकृति को स्वच्छ, सुंदर एवं हरा-भरा रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रकृति ही मानव जीवन की अहम जरूरत है। इसलिए हम सबको मिलकर प्रकृति को बचाने का प्रयास करना चाहिए।

देश में कोरोना महामारी के भीषम प्रकोप के लिए भी शास्त्री ने प्रकृति से छेड़छाड़ को ही जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार से लॉकडाउन पीरियड में उद्योग धंधे, फैक्ट्रीयां व मोटर वाहन बंद हैं, उससे प्रकृति को अपना रिवाइवल करने में मदद मिली है। डेढ़ महीने से इस लॉकडाउन पीरियड में हवा, पानी एवं मौसम में भारी फेरबदल हुआ है, जिसे हम सभी महसूस कर सकते हैं। इसलिए उन्होंने लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पेड लगाने, स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया और कहा कि आधुनिक संसाधनों के लिए हमें प्रकृति के साथ कभी खिलवाड़ नहीं करना चाहिए।

बिजली कर्मचारी के क्वार्टर की छत्त का फिर गिरा लेंटर

लापरवाही के कारण आए दिन लैंटर गिरने की घटनाएं हो रही

लेकिन अधिकारी इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे हैं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर आठ स्थित ए-पांच पावर हाउस कालोनी में एक बिजली कर्मी के घर की छत्त का लैंटर गिर गया। बिजली कर्मचारी ने बताया कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण आए दिन लैंटर गिरने की घटनाएं हो रही है। लेकिन अधिकारी इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

बल्लभगढ़ के बिजली कर्मचारी प्रधान कर्मवीर यादव ने बिजली निगम अधिकारियों की घोर निन्दा करते हुए बताया कि सीही स्थित ए-5 पावर हाउस कॉलोनी में रहने वाला बिजली कर्मचारी लाल किशन लाइनमैन क्वार्टर नम्बर बी-34 में परिवार सहित रहता है। रविवार को अचानक छत का लेन्टर भरभरा कर गिर पड़ा। हालांकि गनीमत यह रही कि कुछ देर पहले ही उसी छत के नीचे बच्चे खेल रहे थे। ये तो भगवान का शुक्र है कि छत के गिरने में और बच्चों के खेलते खेलते वहां से बाहर निकल कर आ जाने के दौरान करीबन कुछ ही सेकंड समय का फासला रहा। नही तो एक बड़ा भयानक हादसा हो सकता था। इसी कालोनी के और अन्य क्वार्टर जिनके नम्बर ए-9 पवन कुमार लाइनमैन, बी-36 ठाकुरदास लाइनमैन, बी-38 सियाराम लाइनमैन आदि के क्वार्टरों की हालत भी लाल किशन क्वार्टर के जैसी ही है। जो कभी भी हादसे का रूप ले सकते हैं। लेकिन बिजली निगम अधिकारियों के कान पर जूं के ना रेंगने की ऐसी लापरवाही बार बार सामने आई है। जिसको लेकर वह अभी गम्भीर नही हैं। जबकि बिजली कर्मियों ने ऐसे अनेकों ज्वलन्त मसलों पर अपने कर्मचारी नेताओं को अवगत कराया है।

जिस पर कड़ाई से संज्ञान लेते हुए एचएसईबी वर्कर्स यूनियन की ओर से 10 फरवरी 2020 को लिखित में एचवीपीएन डिवीजन सेक्टर-23 के कार्यकारी अभियन्ता एमएल गर्ग को कर्मचारियों की इन्ही समस्याओं से घिरा एक अनेक सूत्रीय एजेन्डा सौंपा गया। जिसके बाद एक्सईएन एमएल गर्ग ने अपनी ओर से कर्मचारी नेताओं को एजेन्डे की समीक्षा हेतू बुलाकर आश्वासन दिया था, कि यह सभी काम जल्द से जल्द निपटा लिये जायेंगे। लेकिन फिर भी समय रहते एक्शन गर्ग की तरफ से कोई सकारात्मक कदम नही उठाये गये और जिसके बाद सेक्टर-18 की पावर हाउस कॉलोनी में 24 अप्रैल 2020 को बिजली कर्मचारी जयभगवान के घर की छत का छज्जा भी इसी तरह भरभरा कर गिर गया व एक बार फिर बाद हादसा होते होते बचा। तब भी इसकी सूचना निगम अधिकारियों को दे दी गई थी। इस कॉलोनी में रहे सैंकड़ों बिजली कर्मचारियों के परिवार गुजर बसर करते हैं। जिन्हे ऐसी ही अनेकों समस्याओं से रूबरू होना पड़ता है। इन जर्जर इमारतों के गंभीर हादसों से शायद कोई भी अधिकारी अभी चेता नही है। कर्मचारियों को कहना है कि लॉकडाउन खुलने के बाद ऐसे बहरे अधिकारियों का घेराव किया जायेगा।

पार्षद ने करवाई कालोनी सील

फरीदाबाद। सेक्टर-23 स्थित संजय कॉलोनी में कोरोना एक संक्रमित मरीज मिलने से हड़कंप मच गया है। वार्ड पार्षद द्वारा सावधानी बरते हुए तुंरत प्रभाव से कॉलोनी को सील करने की कार्रवाई शुरु कर दी गई है। मुख्य-चौक चौराहों पर बैरीकेटिंग कर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई जिससे बाहरी लोगों का कॉलोनी में प्रवेश रोका जा सके। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार संजय कॉलोनी के गली नंबर 43 में एक व्यक्ति में कोरोना का संक्रमण पाया गया। कॉलोनी में कोरोना का पहला मामला सामने आने के बाद विभाग के साथ स्थानीय पार्षद भी हरकत में आए है। वार्ड तीन पार्षद जयवीर खटाना ने शनिवार को स्थानीय लोगों की एक बैठक बुलाई।

पटरी पर हताहत मजदूर

पलायन का दुष्परिणाम

कोविड-19 लाकडाउन के कारण गांवों की ओर पलायन की खबरें लगातार आ रही हैं। अचानक आर्थिक गतिविधियां ठप होने के कारण जीवन व आजीविका पर भारी प्रभाव पड़ा है। लेकिन इसके बावजूद प्रवासी मजदूरों के पुनर्वास की कोई विश्वसनीय कार्ययोजना तैयार नहीं है। ट्रेनों व बसों की व्यवस्था में विलम्ब के कारण सरकार रक्षात्मक स्थिति में है तथा रोजगार खो चुके दिहाड़ी मजदूरों का पलायन बहुत तेज हुआ है। वे दिन-रात बिना भोजन-पानी के चल रहे हैं तथा राजमार्गों पर अनेक बाधाओं का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र में एक मालगाड़ी से अनेक मजदूर कुचल गए जो थकने के बाद इस समझ से पटरी पर सो गए थे कि लाकडाउन में कोई ट्रेन नहीं आएगी। इससे स्पष्ट है कि कोविड-19 ने देश और मानवता पर कितना घातक असर डाला है। प्रवासी मजदूर रेल पटरियों व राजमार्गों से अपने गांवों की ओर पलायन कर रहे हैं, पर उनके पुनर्वास तथा भारत के समान नागरिकों के रूप में उनकी श्रमशक्ति का उपयोग करने की कोई संगठित योजना नहीं है। उनके पास ट्रेनों व बसों के लिए पैसा नहीं है। पोर्टेबल राशन कार्डों के अभाव में वे सरकार की खाद्यान्न योजनाओं का लाभ अपने गांवों को छोड़ कर कहीं और नहीं उठा पाते हैं। औद्योगिक व कृषि गतिविधियां बहाल होने के आश्वासनों के बजाय वे अपने गृह राज्यों में मनरेगा में काम करना ज्यादा अच्छा समझ रहे हैं। दो करोड़ से अधिक लोगों को वायरस कैरियर समझ कर कुछ स्थानों पर उनको क्रूरतापूर्वक विसंक्रमित करने के प्रयास हुए हैं। ये मजदूर जल्दी वापस नहीं आएंगे जिससे श्रमबल की भारी कमी होगी तथा आर्थिक गतिविधि बहाल होने में कठिनाई आएगी। वापस लौट रहे अनिवासी भारतीयों-एनआरआई की अलग

त्रासदी है। उनमें से अधिकांश के वर्क परमिट समाप्त हो गए थे और उनको दूसरे देशों से बाहर निकाले जाने के खतरे का सामना करना पड़ रहा था। इन फंसे भारतीयों को अब देश लाया जा रहा है। वैध विदेशी नागरिकता वाले एनआरआई भी अपने घर वापस लौट रहे हैं जहां उन्होंने भारत में अपने घरों के पास पिछले महीनों में संपत्तियां खरीदी हैं। सामान्य उड़ानें बहाल होने पर वे वापस जा सकते हैं। वैश्विक महामारी के बाद वाले समय में प्रत्येक देश वि-वैश्वीकरण का सामना कर संकुचित व अपने संसाधनों के आधार पर आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करेगा। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों व एनआरआई को दूसरे देशें में भेदभाव का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन वापस आने वाले ये लोग अर्थव्यवस्था पर और दबाव डालेंगे। देश में बढ़ती बेरोजगारी के कारण उनकी क्षमताओं का समुचित उपयोग कठिन होगा। सरकार पर समुचित स्टीमुलस पैकेज घोषित करने का दबाव है ताकि मझोले व छोटे उद्योग काम लायक पूंजी जुटा सकें। ऐसे में कामगारों की यह बाढ़ एक और संकट है। हालांकि, सरकार ने लाकडाउन के प्रभावों का पूर्वानुमान किया होगा, पर उसे राष्ट्रीय प्रवासी डेटाबेस बनाने का काम अब जल्दी से करना चाहिए जिसमें कुशल कामगारों व उनकी क्षमताओं का उल्लेख हो।

भविष्य में किसी संकट की स्थिति में यह डेटाबेस प्रवासी श्रमिकों व एनआरआई की सहायता करने में उपयोगी होगा। इससे उनको ऐसे स्थानों में काम दिलाने में आसानी होगी जहां उनकी सेवाओं की आवश्यकता हो। वैश्विक महामारी के समय अपने घर लौटने का भावनात्मक दबाव काम करता है, ऐसे में वापस लौटे लोगों को अर्थव्यवस्था में व्यवस्थित रूप से समाहित करने की योजना बननी चाहिए। इससे वापस लौटे लोगों को उनके गृह राज्यों में व्यवस्थित किया जा सकेगा। सरकार को सभी स्तरों पर इन लोगों के लिए आपात कार्ययोजना बनानी चाहिए। हालांकि, आजकल कोई चीन में वूहान की बात नहीं सुनना चाहता है, पर वहां की स्थानीय सरकार ने श्रम उत्पादकता का समुचित उपयोग कर बड़े पैमाने पर एफएमसीजी उत्पादन शुरू किया है। दीर्घकालीन रूप से हम आयात का स्थान लेने वाली इकाइयां बना सकते हैं, पर हमें तत्काल खाद्य प्रसंस्करण इकाई व पैकेजिंग जैसे उद्योगों की आवश्यकता है। सुनियोजित स्टार्टअप ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को पुनर्जीवित कर सकते हैं। विकेन्द्रित संघवाद न केवल राजनीति, बल्कि अर्थव्यवस्था पुनर्जीवित करने के लिए भी लाभदायक होगा।

विशाखापत्तनम गैस त्रासदी के सबक

विशाखापत्तनम के एक रसायन प्लांट में स्टीरीन लीक से स्पष्ट है कि भारत ने भोपाल त्रासदी से सबक नहीं सीखे हैं। इस दुर्घटना के कारणों की जांच होनी चाहिए तथा कानून में आवश्यक संशोधन भी होना चाहिए।

केके पॉल
लेखक पूर्व पुलिस अधिकारी एवं पूर्व राज्यपाल हैं

विशाखापत्तनम के निकट 7 मई को तड़के हुई गैस लीक घटना में 10 से अधिक लोग मारे गए तथा 200 से अधिक को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। जिला अधिकारियों के अनुसार यह गैस स्टीरीन या विनाइल बेंजीन है। पीवीसी गैस के रूप में लोकप्रिय स्टीरीन का प्रयोग इनसुलेशन सामग्री, प्लास्टिक, रबर, पाइपों व फाइबर ग्लास बनाने तथा पैकेजिंग उद्योग में भी होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यह दुनिया में बारहवां सर्वाधिक प्रयोग वाला रसायन है। जिला अधिकारियों तथा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल-एनडीआरएफ को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उन्होंने तेजी से कार्रवाई की जिससे हताहतों की संख्या बहुत कम है। गुजरात से फौरन लगभग 500 किलो रसायन मंगाया गया जिससे गैस का प्रभाव समाप्त किया जा सकता है।

लेकिन इसके अलावा सीधे संयुक्त राष्ट्रसंघ के हस्तक्षेप से विशाखापट्टनम गैस लीक कांड की जांच न केवल महत्वपूर्ण हो गई है, बल्कि इसका अंतरराष्ट्रीयकरण भी हुआ है। संरा. महासचिव एंटोनियो गुटरेस के प्रवक्ता स्टीफेन दुजारिक ने कहा, 'हम पीड़ितों से अपनी संवेदना प्रकट करते हैं तथा उम्मीद करते हैं कि गैस से प्रभावित लोग जल्दी ठीक होंगे। स्थानीय अधिकारियों द्वारा इस प्रकार की घटनाओं की पूरी जांच होनी चाहिए।'

निसंदेह विस्तृत जांच होगी, पर प्रथमदृष्टया ऐसा लगता है कि 45 दिन के लाकडाउन के बाद कार्रवाई पुनः शुरू करने के लिए आवश्यक प्रोटोकाल का पालन नहीं किया गया। तड़के दुर्घटना के समय वहां कुछ कामगार ही मौजूद थे। अनेक स्तरों पर लापरवाही स्पष्ट है। इसके प्रमाण फौरन एकत्र करने का काम ईमानदारी से होना चाहिए। प्लांट को सील कर विज्ञान एवं औद्योगिक शोध परिषद-सीएसआईआर के वैज्ञानिक की अध्यक्षता में समिति गठित करनी चाहिए जो इस मामले के विभिन्न आयामों पर गौर कर सके।

अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी द्वारा संस्तुत तथा एक सर्वश्रेष्ठ जर्नल 'इन्वायरमेंट हेल्थ पर्सपेक्टिव' में प्रकाशित वैज्ञानिक शोध के अनुसार स्टीरीन के अधिक प्रभाव से तंत्रिका तंत्र व व्यवहार संबंधी गड़बड़ियां हो सकती हैं। इसके कारण क्षमता घटने, प्रतिक्रिया में अधिक समय लेने, दृष्टि बाधा, श्रवण बाधा तथा संभवतः पेरीफेरल न्यूरोपैथी हो सकती है। कैंसर शोध की अंतरराष्ट्रीय एजेंसी-आईएआरसी ने स्टीरीन को संभावित कैंसरकारक माना है जिसका असर लंबे समय तक होने पर कैंसर हो सकता है।

इस संदर्भ में हमें भोपाल त्रासदी वाली गलतियां नहीं दुहरानी चाहिए। विभीषिका के 35 साल बाद भी इसका प्रभाव अभी पूरी तरह दूर नहीं हो सका है। कुछ नवजातों में जेनेटिक विकृतियां पाए जाने से स्पष्ट है कि इसकी पीड़ा कई पीढ़ियों पर असर डालेगी। भोपाल को दुनिया की सबसे बड़ी मानव-निर्मित पर्यावरणीय विभीषिका माना गया है। इसमें हजारों लोग मारे गए थे, अनेक स्थाई रूप से प्रभावित हुए थे तथा इसके जेनेटिक प्रभाव भी पड़े। इस त्रासदी के बाद जनता की इच्छा पूरी करने में हमारी पूरी व्यवस्था की प्रतिक्रिया असंतोषजनक थी जिसमें कार्यपालिका, विधायिका व

भोपाल त्रासदी के बाद अनेक कानून बनाए गए थे। इनमें पर्यावरण संरक्षण कानून, 1986 व सार्वजनिक दायित्व बीमा कानून, 1991 शामिल हैं। सरकार द्वारा बनाए नियमों के अनुसार स्टीरीन को एक जोखिम वाले व जहरीले रसायन के रूप में परिभाषित किया गया है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से इससे संबंधित कार्रवाइयों का गहन निरीक्षण व निगरानी होनी चाहिए।

यहां तक कि न्यायपालिका भी शामिल है। दुनिया की अन्य विभीषिकाओं की तुलना में उनको बहुत कम राहत मिली।

विशाखापट्टनम में प्लांट 1961 से हिंदुस्तान पालीमर्स चला रहा था और 1978 में इसका विलय यूबी ग्रुप में हो गया था। दक्षिण कोरिया की एलजी केम ने हिंदुस्तान पालीमर्स का अधिग्रहण कर जुलाई, 1997 में इसे एलजी पालीमर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नाम दिया। समझा जाता है कि लाकडाउन के बाद प्लांट पुनः चालू करने की अनुमति फोन पर दो दिन पहले दी गई थी। फैक्ट्री इंस्पेक्टर और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने न स्थलीय परीक्षण किया और न ऐसे प्लांट का कामकाज पुनः शुरू करने जैसे संवेदनशील मामले में उपयुक्त सावधानी बरती। यह घटना सरकार तथा बड़ी संख्या में विनिर्माण उद्योगों के लिए एक चेतावनी की तरह होनी चाहिए जो लाकडाउन के बाद उद्योग पुनः शुरू करने की तैयारी कर रहे होंगे।

भोपाल त्रासदी के बाद अनेक कानून बनाए गए थे। इनमें पर्यावरण संरक्षण कानून, 1986 व सार्वजनिक दायित्व बीमा कानून, 1991 शामिल हैं। सरकार द्वारा बनाए नियमों के अनुसार स्टीरीन को एक जोखिम वाले व जहरीले रसायन के रूप में परिभाषित किया गया है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से इससे संबंधित कार्रवाइयों का गहरा निरीक्षण व निगरानी होनी चाहिए। ऐसा लगता है कि इस मामले में कुछ कानूनों और नियमों का उल्लंघन हुआ है जिनमें पर्यावरण संरक्षण कानून, 1986 तथा इसके अंतर्गत बनाए गए हैजार्डस वेस्ट मैनेजमेंट एंड हैंडलिंग रूल 1989 शामिल हैं। इसके साथ ही मैन्यूफक्चर, स्टोरेज एंड इंपोर्ट आफ हैजार्डस केमिकल अमेंडमेंट रूल्स, 1989 का उल्लंघन भी हुआ है।

अनेक नियमों व विनियमों के बावजूद दुर्घटना के कुछ आयामों में ऐसे मामलों से निपटने में हमारी विधि व्यवस्था की कमजोरी भी स्पष्ट है। सिविल लायबेलिटी फार न्यूक्लियर डैमेज एक्ट, 2010 पर संसद में चर्चा के दौरान राज्यसभा में विपक्ष के तत्कालीन नेता स्व. अरुण जेटली ने कहा था, 'हमारे सामने भोपाल गैस त्रासदी की दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। यह कानून केवल नाभिकीय घटनाओं से निपटने के लिए है। मेरे विचार से दो सबक सीखने जरूरी हैं। यदि ऐसी घटनायें और दुर्घटनायें होती हैं जिनको बड़ी संख्या में हताहतों या भारी नुकसान न होने के कारण नाभिकीय दुर्घटना नहीं कहा जाता है तो हमारी कानून व्यवस्था केवल परंपरागत विधिक ढांचे में काम करेगी। पीड़ितों को सिविल कोर्ट जाना होगा और वहां से उपचार प्राप्त करना होगा। हम सभी अपनी विधिक व्यवस्था की सीमायें समझते हैं जिसमें न्याय पाने तथा पीड़ितो को मुआवजा पाने के लिए सालों नहीं, दशकों का समय लगता है।'

ये शब्द महत्वपूर्ण थे और इनका महत्व 10 साल बाद विशाखापट्टनम दुर्घटना के बाद स्पष्ट हो गया है। संसद अब भी वर्तमान कानूनों में संशोधन कर या यह कमी दूर करने के लिए नया कानून बना सकती है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने घटनास्थल का दौरा किया है तथा उनकी सरकार उपयुक्त कदम उठा रही है। इसके बावजूद मुआवजा मांगने वाले अनेक व्यक्ति हो सकते हैं जिनकी उम्मीदें समुचित रूप से पूरी करनी होंगी।

भारत तथा विदेशों में भोपाल गैस त्रासदी के बाद अनेक मुकदमे दायर किए गए थे। इनकी संख्या इतनी अधिक थी कि एक खास कानून बनाना पड़ा था। ऐसे सभी मामले एक न्यायिक मंच को हस्तांतरित किए गए थे, लेकिन वह भी पूर्ण न्याय देने में विफल रहा। हमें भोपाल गैस त्रासदी की गलतियां न दुहराते हुए उन पीड़ितों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उपयुक्त मुआवजा सुनिश्चित करना चाहिए जो इसमें हताहत हुए हैं। इससे पर्यावरण को हुए नुकसान की भी भरपाई होनी चाहिए।

कोरोना से निबटने हेतु राजनीतिक सहमति जरूरी

"प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राजनीतिक मतभेद दूर कर अवसर के अनकूल व्यवहार करना चाहिए। वे संकट से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय सरकार का गठन कर सकते हैं"

मार्कंडेय काटजू
(लेखक सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं)

मीडिया में बार-बार सैकड़ों किलोमीटर दूर अपने गांवों को जा रहे हजारों बेरोजगार हुए प्रवासी श्रमिकों की दिल तोड़ने वाली तस्वीरें और वीडियो दिखाए जा रहे हैं। वे भयानक गरमी, भूख और प्यास का सामना कर वर्तमान भयानक स्थितियों में अपने घर पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। इनमें से कुछ को उनके राज्यों द्वारा चलाई गई विशेष ट्रेनों में स्थान मिला है, पर अधिकांश के सामने ऐसा कोई रास्ता नहीं है। अधिकांश ने पैदल घर जाने का फैसला किया है और अनेक मामलों में भयानक थकावट या भोजन की कमी से रास्ते में उनकी मौत हुई है, वे बीमार पड़ कर सड़कों पर गिर पड़े हैं तथा राष्ट्रव्यापी लाकडाउन के उल्लंघन में पुलिस द्वारा पकड़े जाने के भय से पिछले 45 दिन से रेल पटरियों व खेतों से होकर यात्रा कर रहे हैं। हाल ही में औरंगाबाद में 15 प्रवासी श्रमिकों के मरने की भयानक त्रासदी सामने आई है जो थकावट के कारण रेल पटरी पर ही सो गए थे और तड़के एक मालगाड़ी से कुचल गए। निसंदेह लाकडाउन ने इन लोगों तथा इनके परिवारों को भारी पीड़ा पहुंचाई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण सवाल कोई नहीं पूछता है कि आखिर अपने घर लौटने वाले ये श्रमिक क्या करें?

गांवों में कोई काम न होने के कारण रोजगार की तलाश में ये कामगार शहरों को चले गए थे। 1947 में अविभाजित भारत की जनसंख्या लगभग 40-45 करोड़ थी, लेकिन आज पाकिस्तान और बांग्लादेश को बाहर छोड़ कर यह 135 करोड़ है। यह जनसंख्या में लगभग चार करोड़ की वृद्धि है। इस कारण खेती की जमीन पर बहुत अधिक बोझ है। इसके साथ ही मशीनों ने भी आंशिक रूप से खेतिहर मजदूरों को बेरोजगार बनाया है। इन दोनों कारणों से 1947 के बाद लोगों का बड़ी संख्या में शहरों को पलायन हुआ है क्योंकि उनके पास गांवों में आमदनी का कोई स्रोत नहीं था। अनुमान है कि 1947 में भारतीयों का 85 प्रतिशत गांवों में तथा केवल 15 प्रतिशत शहरों में रहता था। आज केवल 60-65 प्रतिशत गांवों में हैं, जबकि 35-40 प्रतिशत शहर आ गए हैं।

अब शहरों में पलायन कर चुके करोड़ों लोगों के पुनः अपने गांवों की ओर पलायन से आजीविका की कमी का सवाल फिर सामने आया है। उनके लिए गांवों में कोई काम नहीं है। वे केवल अपने रिश्तेदारों पर बोझ बनेंगे और उनका वहां कोई स्वागत नहीं करेगा। शहरों में वे कुछ पैसा कमा रहे थे जिसे वे गावों में रह रही अपनी पत्नी व बच्चों को भेजते थे। अब परिवार के लिए कमाई न करने के कारण लौटने पर उनकी पत्नियां प्रसन्न नहीं होंगी, बल्कि वे स्वयं भोजन के लिए किसी पर आश्रित होंगे।

ऐसे में जान स्टीनबेक के महान उपन्यास 'ग्रेप्स आफ रैथ' की याद आती है जो ओकलाहोमा से कैलीफोर्निया, टेक्सास, अरकांसास व कुछ अन्य अमेरिकी राज्यों में भागने वाले प्रवासियों के बारे में है जहां 1930 दशक की मंदी तथा धूल भरे तूफानों के कारण उनकी आजीविका समाप्त हो गई थी। वे सोचते थे कि कैलीफोर्निया में उनको काम मिल जाएगा, लेकिन उनका वहां स्वागत नहीं हुआ क्योंकि स्थानीय कामगारों को डर था कि वे उनकी मजदूरी घटा देंगे तथा बीमारियां फैलाएंगे। इन चीजों के कारण प्रवासी श्रमिकों को स्थानीय जनता का भारी विरोध झेलना पड़ा। स्टीनबैक ने लिखा था, 'शराब बनाने के लिए कुचले जाने पर पके अंगूरों से रस निकलता है। यही स्थिति उन पके हुए प्रवासी श्रमिकों की हुई जो गुस्से से उबल रहे लोगों द्वारा कुचले गए। उनकी आत्मा इस भयानक पीड़ा से भरी थी और वे इसके बोझ से कुचले जा रहे थे।' आज यही बात भारत की स्थितियों के बारे में भी कही जा सकती है। यदि सरकार कोई व्यापक सुधारात्मक कदम नहीं उठाती है तो भोजन के लिए दंगे तथा नागरिकों के जीवन में अराजकता पैदा होगी जो देश के अनेक हिस्सों में जल्दी ही फूट पड़ेंगे।

फ्रांस में 1789 में यही हुआ था, जब पेरिस व अन्य शहरों में रोटी की कमी के कारण फ्रांसीसी क्रान्ति हुई थी। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में भी यही हुआ था जब महिलाओं ने फरवरी, 1917 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को रोटी की मांग करते हुए प्रदर्शन किया था और फरवरी क्रांति का जन्म हुआ था।

मेरे विचार से अब प्रधानमंत्री को गंभीरता से एक राष्ट्रीय सरकार गठित करने के बारे में विचार करना चाहिए जिसमें वर्तमान विपक्षी दलों के नेताओं के साथ ही कुछ वैज्ञानिकों, तथा तकनीकी व प्रशासनिक विशेषज्ञों को स्थान दिया जाए। ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने नाजी जर्मनी के हमले के समय भूख की समस्या से निपटने के लिए मई, 1940 में किया था। इस राष्ट्रीय सरकार ने द्वितीय विश्वयुद्ध समाप्त होने तक मई 1940 से मई 1945 तक काम किया था। इस कालखंड में ब्रिटिश संसद में कोई विपक्षी दल नहीं थे क्योंकि विपक्ष सरकार में शामिल हो गया था। बहुमत वाली कंजरवेटिव पार्टी के नेता चर्चिल प्रधानमंत्री बने रहे, पर विपक्षी लेबर पार्टी के नेता क्लीमेंट एटली उप-प्रधानमंत्री बने। लेबर पार्टी के अन्य नेता भी सरकार में शामिल हुए थे।

मेरे विचार से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति पूर्ण सम्मान के बावजूद आज देश के सामने गंभीर समस्यायें बहुत अधिक हो गई हैं और कोई एक पार्टी अकेले उनका सामना नहीं कर सकती है। अर्थव्यवस्था तेजी से डूब रही थी और वैश्विक महामारी ने यह स्थिति अत्यधिक गंभीर बना दी है। हम अत्यधिक भयानक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। किसी भी समय भोजन के लिए दंगे शुरू हो सकते हैं जिनसे कानून-व्यवस्था ध्वस्त होकर अराजकता फैल जाएगी। ऐसे में पूरे देश के एकजुट प्रयासों की आवश्यकता है। इसलिए प्रिय प्रधानमंत्री कृपया राजनीतिक मतभेदों को भूल कर अवसर के उपयुक्त आचरण करते हुए एक राष्ट्रीय सरकार की स्थापना करें जो देश को एकजुटता के साथ संकट से बाहर निकाले। ऐसा करने पर आप को भी चर्चिल जैसा महान राजनेता माना जाएगा।

आप की बात

कोरोना संकट के परिणाम

आपके पास कोरोना के अलावा और किसी तरह का न तो विषय बचा है और न ही जीवन का कोई रंग। सोशल डिस्टेंसिंग के नाम पर बनाए गए नियम कानूनों के तहत अब आप इतने असंवेदनशील बना दिए गए हैं कि किसी प्रियजन की मौत पर भी आप संवेदना जताने उसके घरवालों के करीब नहीं जा सकते, यहां तक कि आपके घर में भी अगर कोई गुज़र जाए तो आपके भीतर उसके गुजरने के गम से ज्यादा खुद को 'इन्फेक्शन' से बचाने का डर ज्यादा सताता है। तो क्या ये डर आपको सचमुच किसी 'जीत' की ओर ले जाएगा? कोरोना त्रासदी ने समाज को बदलना प्रारम्भ कर दिया है। ऐसे में लगता है कि कुछ ही समय में एक नई संकृति जन्म लेगी आप सचमुच डर डर कर जीने के आदी बना दिए गए हैं ? क्या आप सचमुच एक नई दुनिया में जीने के लिए तैयार कर दिए गए हैं जहां न तो सवाल उठाने की ताकत हो, न अपने हक की बात करने की हिम्मत, न ज़िंदगी का कोई रंग हो, न मनोरंजन का कोई सार्वजनिक साधन? यानी आपका जीवन सार्वजनिकता से निजता में सिमट गया हो। तो क्या अब आप सचमुच अरस्तू के सामाजिक सत्य की उस अवधारणा से कहीं ऊपर उठ चुके हैं कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है?

– **डॉ. हेमंत कुमार**, गोराडीह

मां की ममता

बच्चे की प्रथम अध्यापिका मां होती है । माँ के पास ढ़ेर सारी जिम्मेदारियाँ होती हैं वो उसको लगातार बिना रुके और थके निभाती है। वो एकमात्र ऐसी इंसान है जिनका काम बिना किसी तय समय और कार्य के तथा असीमित होती है। मां एक अध्यापक और एक दोस्त की तरह हमेशा से मार्गदर्शक की भूमिका निभाती है। मां कभी नहीं चाहती कि उसका बेटा चोर बने और उसका चरित्र उत्तम ना हो हर मां की इच्छा होती है कि उसका बेटा आगे बढ़े उसकी संतान का भी कर्तव्य होना चाहिए कि वह ऐसा कार्य करें की उसकी मां को भी खुशी होगी कि उसके बेटे ने ऐसा कार्य किया है वह खुश हो सके और मां को भी लगेगा कि उसने ऐसी सन्तान को जन्म दिया है जिसने उसका मान सम्मान बढ़ाया है। मैंने अपनी मां से दूसरों की मदद करना और लोगों के दुख में शामिल होकर उनकी मदद करना सीखा है। हम मां के योगदान के बदले उन्हें कुछ भी वापस नहीं कर सकते हालांकि हम उन्हें एक बड़ा सा धन्यवाद कह सकते है साथ ही उन्हें सम्मान देने के साथ ध्यान भी रख सकते है। हमें कभी अपने माता पिता को कष्ट नहीं देना चाहिए। हमेशा उनका आदर सत्कार करना चाहिए मां की ममता से बड़ा कुछ नहीं होता है।

– **योगेंद्र गौतम,** उन्नव

मजदूरों की सहायता करें

दिल्ली, भोपाल, आगरा, और देश में कहीं भी रेलियां हों तो नेता लोग भीड़ इकट्ठी करने के लिए स्कूल कॉलेज की बसों के लगवाकर जनता को गांव-गांव शहर-शहर से बसों में भर कर ले जाते हैं। रेलों की टिकट फ्री हो जाती है। अब वह नेता कहां गए जब मजदूर बेचारा पैदल तपती धूप में जा रहा है, कहीं कहीं तो रास्ते में ही दम तोड़ रहा है। अभी भी तो यह नेता लोग व्यवस्था कर सकते हैं। कईयों के तो खुद के निजी स्कूल कॉलेज हैं। और अगर आज स्थानीय निकायों के चुनाव की घोषणा हो जाए तो किसी स्वयंसेवी संस्था को सेवा करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी वार्ड वार उम्मीदवार हरिद्वार के प्रत्येक घर में जरूरत का सामान हाथ जोड़कर पहुंचाएगा और सामान लेने वाले को भी इसमें कोई शर्म महसूस नहीं होगी क्योंकि सही मायने में वह जनसेवक हैं नेताओं को शीघ्र ही इस महामारी के निकट समय में स्वेच्छा पूर्वक सहायता के लिए आगे आना चाहिए और अपने अनुयायियों को भी इसमें लगाना चाहिए जैसे कि वे चुनाव प्रचार में जी जान से लग जाते हैं।

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

यदि सरकार लॉकडाउन खत्म करना चाहती है तो उसे लोगों के मस्तिष्कों में बदलाव एवं निकासी योजना में पारदर्शिता लानी होगी।

– **राहुल गांधी**
पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष

मैं सभी रसायन निर्माताओं से आग्रह करता हूं कि लॉकडाउन के दौरान बंद किए गए अपने संयंत्रों को पुनः खोलने में सावधानी करतें।

– **सदानंद गौड़ा**
केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री

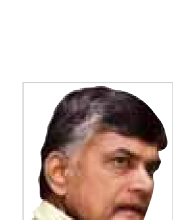

जांच के उपरांत एलजी पॉलीमर्स इकाई को किसी विशेष आर्थिक क्षेत्र में स्थानांतरित करें जहां निकट में जनसंख्या न रहती हो।

– **चंद्रबाबू नायडू**
आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम

40 ट्रेनों से 42 हजार प्रवासी मजदूर रोज आ रहे यूपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि प्रदेश में विभिन्न राज्यों से 115 ट्रेन के माध्यम से प्रवासी कामगारों एवं श्रमिकों की वापसी हो चुकी है, रविवार को 57 ट्रेन से लगभग 70 हजार यात्री आयेंगे। लखनऊ, गोरखपुर में 15-15 ट्रेन, प्रयागराज में 9 ट्रेन सहित प्रदेश के 42 स्टेशनों पर विभिन्न प्रदेशों से ट्रेन लायी जा रही है। इसी प्रकार बाराबंकी, आजमगढ़, आगरा, कानपुर, जौनपुर, बरेली, बलिया, वाराणसी, गाजीपुर, प्रतापगढ़, रायबरेली, अमेठी, मऊ, कन्नौज, बांदा, हरदोई, अयोध्या, सोनभद्र, गोण्डा, सीतापुर, उन्नाव, बस्ती, कासगंज, मानिकपुर चित्रकूट, सुल्तानपुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फ तेहपुर ादि जनपदों में भी प्रवासी कामगारों को लेकर ट्रेन पहुंच चुकी हैं या पहुंच रही हैं। विभिन्न माध्यमों से अब तक 8 लाख प्रवासी मजदूर यूपी वापस लौट चुके हैं। पिछले तीन दिनों में 80 ट्रेनों से करीब 1.25 लाख मजदूर यूपी पहुंच चुके हैं। राजस्थान व हरियाणा से बसों से भी मजदूर वापस लाए जा रहे हैं। हाल ही में 9 हजार मजदूरों को राजस्थान से लाया गया जबकि 30 हजार मजूदरों को रोडवेज की बसों से लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मजदूरों को वापस लाने की ये कोशिशें लगातार जारी रहीं तो भी इस अभियान में कम से कम 20 दिन और लगेंगे। अभी ट्रेनों से प्रतिदिन औसतन 42 हजार लोग यूपी पहुंच पा रहे हैं। वापस लौटने के लिए प्रदेश सरकार के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रजिस्ट्रेशन के मुताबिक शनिवार तक देश के 36 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों से 6.37 लाख मजदूरों के आवेदन अभी भी लंबित हैं। मजदूरों के परिवार के सदस्यों को मिलाकर इन आवेदनों के साथ अब तक 870828 लोगों ने वापस लाए जाने का अनुरोध किया है।

यूपी में लॉकडाउन तोड़ने पर 40285 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि कोरोना वायरस के दृष्टिगत प्रदेश में लॉक डाउन अवधि में पुलिस विभाग द्वारा की गयी कार्यवाही में अब तक धारा 188 के तहत 41258 लोगों के विरूद्ध एफ आईआर दर्ज की गई। प्रदेश में अब तक 3504919 वाहनों की सघन चेकिंग में 37999 वाहन सीज किये गये। चेकिंग अभियान के दौरान रूपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। आवश्यक सेवाओं के लिए कुल 220724 वाहनों के परमिट जारी किये गये हैं। उन्होंने बताया कि कालाबाजारी एवं जमाखोरी करने वाले 768 लोगों के खिलाफ603 एफ आईआर दर्ज करते हुए 278 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 467 हॉटस्पॉट क्षेत्र के 308 थानान्तर्गत 877744 मकान चिन्हित किये गये। इनमें 4906846 लोगों को चिन्हित किया गया है। इन हॉटस्पॉट क्षेत्रों में कोरोना पॉजिटिव पाए गए लोगों की संख्या 2028 है। हॉटस्पॉट क्षेत्रों में 23246 वाहनों का चालान करते हुए 1444 वाहन जब्त किए गए। अवस्थी ने बताया कि प्रदेश के कुल 20 जनपदों के तब्लीगी जमात में शामिल 2670 व्यक्तियों को क्वारेंटाइन किया गया है। 325 विदेशी तब्लीगी व्यक्ति जो प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आये और मौजूद हैं, सभी 325 विदेशी व्यक्तियों का चिकित्सकीय परीक्षण करके क्वारेंटाइन किया गया है। तब्लीगी जमात के 45 विदेशी सदस्यों पर एफ आईआर दर्ज की गई है तथा 259 पासपोर्ट जब्त किये गये हैं।

अब तक ठीक हुए 1504 मरीज

लखनऊ। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश के 66 जनपदों में 1884 मामले एक्टिव हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 1504 मरीज पूरी तरह से उपचारित हो चुके हैं। अब तक प्रदेश के 71 जिलों से 3462 कोरोना पॉजिटिव के मामले सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि कल 273 पूल टेस्ट के माध्यम से 1365 सैम्पल टेस्ट किये गये। 1953 लोगों को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है तथा 9003 लोगों को फैसिलिटी क्वारेंटाइन में रखा गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोरोना टेस्टिंग लैब की संख्या बढ़कर 26 हो गयी है। उन्होंने बताया कि चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा कोविड चिकित्सालयों के लिए मेंटर इन्स्टीट्यूशन नामित किये गये हैं। पश्चिमी क्षेत्र के जनपदों के लिए मेडिकल कालेज मेरठ, मध्य क्षेत्र के जनपदों के लिए मेडिकल कालेज कानपुर तथा पूर्वांचल के जनपदों के लिए मेडिकल कालेज प्रयागराज में टीम गठित की गयी है। इसके अतिरिक्त उच्चस्तरीय चिकित्सीय परामर्श के लिए पश्चिमी क्षेत्र के जनपदों के लिए एसजीपीजीआई लखनऊ, मध्य क्षेत्र के जनपदों के लिए केजीएमयू लखनऊ तथा पूर्वांचल के जनपदों के लिए बीएचयू वाराणसी में टीम गठित की गयी है। उन्होंने बताया कि इस पूरे सिस्टम को इलेक्ट्रॉनिक कोविड केयर सपोर्ट सिस्टम नाम दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दस लाख रुपए का चेक प्रदान करते पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह

कोविड से मुक्ति को लेकर विश्व अभी भी एकजुट नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि कोविड से मुक्ति के मामले में विश्व अभी भी एकजुट नहीं है। उन्होंने रविवार को ट्वीट कर कहा है कि कोरोना वायरस की विश्व महामारी से तत्परता से लड़ने के लिए दुनिया में हर जगह खूनी लड़ाई व संघर्ष रोकने संबंधी संकल्प पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा दो माह के विमर्श के बाद भी सहमत नहीं होना अति.दुखद है। इससे यह साबित होता है कि कोविड से मुक्ति के मामले में विश्व अभी भी एकजुट नहीं है।

संगठनात्मक व सामाजिक दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाएं कार्यकर्ता

- प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों के साथ वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने आज कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण आई वैश्विक आपदा के बीच पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने संगठनात्मक दायित्वों के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों को भी पूरी लगन व निष्ठा से निर्वहन करना है। उन्होंने कहा वैश्विक आपदा के समय पार्टी द्वारा चलाये जा रहे सेवा अभियान में पार्टी कार्यकर्ताओं ने मानवता की सेवा के लिए अनथक परिश्रम करते हुए प्रदेश में करोड़ो लोगों तक सहायता पहुंचाकर सेवा कार्य किये है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों के साथ वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल की मौजुदगी में हुई बैठक में क्षेत्रीय प्रभारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय संगठन मंत्री व जिलाध्यक्ष उपस्थित रहे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा आपदा के दौर में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक अपने गाँव-घर की ओर लौट रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार व प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रवासी श्रमिकों के हितों और उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई जरूरी कदम भी उठा रही है। पार्टी के कार्यकर्ता भी अपने-अपने गाँव-घर जा रहे प्रवासी श्रमिकों को भोजन पानी व अन्य आवश्यकताओं को उपलब्ध कराते हुए प्रवासी श्रमिकों की हर संभव मदद करें। स्वतंत्र देव सिंह ने वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई जिलाध्यक्षों की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को दो गज की शारीरिक दूरी का पालन निश्चित ही नही सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा संकट के इस दौर में सेवा और संगठन का कार्य लॉकडाउन के नियमों का और सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन करते हुए जारी रखना है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा जब तक कोरोना संक्रमण का खतरा टल नही जाता तब तक संगठन की सभी बैठकें व संवाद अनिवार्य रूप से डिजिटल माध्यम से ही करना है। उन्होंने कहा पार्टी कार्यकर्ताओं को सेवा अभियान को जारी रखते हुए जरूरतमंद लोगों को भोजन-राशन उपलब्ध कराना है साथ ही यह आग्रह भी करना कि सभी लोग दो गज की शारीरिक दूरी का पालन करते हुए मास्क का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। सुनील बंसल ने संवाद करते हुए कहा कि इस कठिन परिस्थिति में गरीबों-जरूरतमंदों सहित आवश्यकतानुसार सभी की सहायता के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को खड़ा होना चाहिए। बसंल ने कहा हमें सेवा कार्य में जुटे रहना है हमारे लिए सेवा ही परम धर्म है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा अब होगी आसान:केशव प्रसाद मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा को सुगमता प्रदान करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कैलाश यात्रियों के लिए लिंक रोड का तोहफा दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा अभी हाल ही में इसका उद्घाटन किया गया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कैलाश पति से प्रार्थना करते हुए कहा है कि भगवान भोलेनाथ कोरोना वायरस रूपी वैश्विक संकट से देश की रक्षा करें।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए लिंक रोड के उद्घाटन से कैलाश मानसरोवर यात्रा अब आसान होगी। कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने वाले लोग 21 दिन के स्थान पर केवल 1 सप्ताह में यात्रा पूरी कर सकेंगे और कैलाश मानसरोवर यात्रा दुर्लभ रास्तों से भी नहीं करनी पड़ेगी। चीन की सीमा तक सड़क बनने से अब यात्री सीधे लिपुलेख पहुंच सकेंगे। इस सड़क के निर्माण से आर्थिक विकास भी तेज होगा और चीन सीमा पर सैनिकों की तैनाती और रसद आपूर्ति भी आसान होगी ।

श्री मौर्य ने बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए अब तक यात्रियों को आधार शिविर धारचूला से लगभग 80 किलोमीटर यात्रा पैदल ही करनी पड़ती थी और दुर्गम स्थलों से होकर गुजरने वाली यात्रा बहुत कठिन थी। यात्रियों को पहली शाम आधार शिविर में रहना पड़ता था। सीमांत तक सड़क बनने से अब कैलाश यात्री सीधे दिल्ली से लिपुलेख पहुंच सकेंगे। इस सड़क के बनने से कठिन माने जाने वाली यात्रा आसान हो सकेगी, इसके अतिरिक्त छोटा कैलाश की यात्रा भी सुगम होगी। उप मुख्यमंत्री ने सीमा सड़क संगठन द्वारा किए गए इस कठिन कार्य की तारीफ की है । श्री मौर्य ने कहा कि यह रोड कैलाश मानसरोवर के लिए गेटवे साबित होगी। कहा कि इस सड़क को बनाने में कठिन चट्टानों को काटा गया है। इस कार्य में श्रमिकों ने अथक परिश्रम किया है। गौरतलब है कि चीन सीमा के लिए बनी घट्टाबगढ़ लीपूलेख सड़क का उद्घाटन अभी हाल ही में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए किया गया है।

सरकार का रवैया मजदूर विरोधीः रालोद

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डा. मसूद अहमद ने पूँजीवाद की पोषक केन्द्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों पर प्रहार करते हुए कहा है कि उसके द्वारा लाक डाउन के 45 दिन बाद विभिन्न प्रदेशों में फंसे हुए लाखों गरीब मजदूरों और कामगारों को उनके घरों तक पहुंचाने का उपाय किया जा रहा है। जबकि विदेशों से आने के लिए तीन दिन का समय पूर्व में ही दे दिया गया था। इन गरीबों के लिए भोजन की व्यवस्था के झूठे वादे किये जाते रहे और लोग भूख से तड़पते रहे। यही कारण है कि वे साइकिल, ठेलिया के साथ ही काफी तादाद में अपने सिर पर गठरी रखकर पैदल ही बच्चों के साथ चल दिये। रास्ते में मीडिया द्वारा इनकी दशा पर प्रकाश भी डाला गया परन्तु सरकार के कान में जूँ तक नहीं रेंगी। रालोद प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिस प्रकार देश के प्रधान मंत्री ने सम्पूर्ण देश में सम्पूर्ण लाक डाउन की घोषणा की थी तो उसी के साथ इन गरीबों की भी सम्पूर्ण व्यवस्था की घोषणा करनी चाहिए थी।

प्रदेश उपाध्यक्ष के निधन पर बीजेपी संगठन ने व्यक्त किया शोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- प्रदेश भाजपा के सभी कार्यक्रम 11 मई तक स्थगित

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह एवं प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष उपेन्द्र दत्त शुक्ला के असमायिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उपेन्द्र दत्त शुक्ल का आज हृदय गति रुक जाने से गोरखपुर में असमायिक निधन हो गया। वे 60 वर्ष के थे।

उपेन्द्र गोरखपुर क्षेत्र के अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सहित कई पदों पर कार्य कर चुके थे। उनके आकस्मिक निधन पर स्वतंत्र देव सिंह एवं सुनील बंसल ने शोक व्यक्त करते हुए प्रदेश भाजपा के सभी कार्यक्रम 11 मई तक स्थगित कर दिए हैं लेकिन लॉकडाउन के दौरान किया जा रहा सेवा कार्य यथावत चलता रहेगा। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को गोरखपुर में होगा। स्वतंत्र देव सिंह ने उपेन्द्र शुक्ला के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी संगठन ने अपने निष्ठावान और समर्पित सिपाही को खोया है। उनका निधन पूरी पार्टी के लिए गहरा आघात है। शुक्ल विद्यार्थी जीवन से ही सामाजिक कार्यों के लिए सक्रिय हो गए थे। पार्टी संगठन के विभिन्न दायित्वों का बेहतरीन ढ़ग से निर्वहन करते हुए पार्टी के विस्तार में अपनी जिम्मेदारी को भी उन्होंने बखूबी निभाया। उन्होंने कहा मृदृभाषी उपेन्द्र दत्त शुक्ला ने संगठन के विभिन्न दायित्वों पर रहते हुए पार्टी संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से हुई रिक्तिता की भरपाई हो पाना काफी कठिन है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है।

बिगड़ते जा रहे हैं प्रदेश के हालातः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के हालात बिगड़ते ही जा रहे हैं। कोरोना का संक्रमण अब नए जिलों में होने की सूचनाएं हैं। विभिन्न प्रदेशों में फंसे राज्य के श्रमिकों को वापस घर पहुंचाने का कार्यक्रम शिथिल हो चला है। जगह-जगह हजारों की भीड़ में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग सभी पैदल या साइकिल से निकल पड़े हैं। उनके खाने पीने की व्यवस्था भी नहीं हो पा रही है। प्रदेश में बेरोजगारों को रोजगार देने और निवेश आकर्षित करने के नाम पर भाजपा सरकार जो कदम उठाने जा रही है उससे अशांति और अव्यवस्था को ही निमंत्रण मिलेगा। कानून व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति में कौन निवेश करने आएगा, उत्तर प्रदेश सरकार ने अब जनता की आंखों में धूल झोंकने और अपनी नाकामयाबियों पर पर्दा डालने की तैयारी की है। अखिलेश यादव ने कहा कि मजदूर विरोधी भाजपा सरकार श्रमिक कानूनों को तीन साल के लिए स्थगित करते समय तर्क दे रही है कि इससे निवेश आकर्षित होगा जबकि इससे श्रमिक शोषण बढ़ेगा तथा साथ में श्रमिक असंतोष औद्योगिक वातावरण को अशांति की ओर ले जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की श्रमनीति से मालिकों को मनमानी करने और श्रमिकों का शोषण करने की खुली छूट मिलेगी। नई श्रम नीति के कानूनों का पालन कराने के लिए कोई भी श्रम अधिकारी उद्योगों के दरवाजे तीन साल तक नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि नयी श्रम नीति बनाकर पूंजीपतियों को खुश करने के क्रम में राज्य में निवेश आने का सपना तो भाजपा सत्ता में आने के पहले दिन से ही दिखाने लगी थी।

समाजवादी पार्टी 17 से शुरू करेगी चुप्पी तोड़ो आंदोलनः राम गोविंद चौधरी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी 17 मई से मजदूर बचाओ देश बचाओ आवाहन के साथ चुप्पी तोड़ो आंदोलन करेगा। इस बात की घोषणा समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नेता विरोधी दल रामगोविंद चौधरी ने की। रामगोविंद चौधरी ने रविवार को कहा कि हमारा यह आंदोलन नारा लगाकर नहीं, जुलूस निकाल कर नहींए प्रदर्शन करके नहींए केवल सोशल मीडिया के माध्यम से 17 मई को शुरू होगा, जो थमने वाला नहीं है। पूर्व मंत्री एवं नेता विरोधी दल रामगोविंद चौधरी ने कहा कि देश व प्रदेश भयावह स्थिति से गुजर रहा है। देश के विकास का पहिया माना जाने वाला किसान व मजदूर त्राहि त्राहि कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में उसकी सुनने वाला कोई नहीं है। श्री चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी 17 मई रविवार को देश भर में मजदूर बचाओ देश बचाओ के आह्वान के साथ चुप्पी तोड़ो आंदोलन का बिगुल फूंकने जा रही है।

नवाचार को बढ़ाने के लिए इंडस्ट्री विजिट करें शिक्षक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में वेबिनार आयोजित

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा रविवार को विवि के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में वेबिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर विवि के इंडिया ग्लाइकाल लिमिटेड के प्रेसिडेंट एवं पूर्व कुलपति प्रो आरके खांडल ने बतौर मुख्य वक्ता प्रतिभाग किया।

प्रो खांडल द्वारा लीडरशिप इंडिया थ्रू इनोवेशन विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि लीडर वही होता है जो समदर्शी, पारदर्शी, दूरदर्शी, प्रियदर्शी और सत्यदर्शी हो। उन्होंने कहा वर्तमान में देश के प्रधानमंत्री ने महामारी के दौर में एक कुशल लीडरशिप का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि इनोवेशन ही एक ऐसा उपकरण है जो हमें नेतृत्वशाली बना सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे सम्बद्ध संस्थानों के शिक्षकों को नवाचार को बढ़ाने के लिए इंडस्ट्री विजिट करना चाहिए। साथ ही इंडस्ट्री में कार्य करने वाले विशेषज्ञों को बतौर विजिटिंग फैकल्टी संस्थानों के विद्यार्थियों को ट्रेनिंग देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कोलैबरेटिव लर्निंग ही हमारी मेन्युफेक्चरिंग इडस्ट्री को गति प्रदान कर सकती है। प्रो खांडल ने कहा कि हमें अपने मूल सिद्धांतो की परिकल्पना को मूर्तरूप प्रदान करने के लिए संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए प्रयास करने चाहिए।

सीबीएसई की तर्ज पर परीक्षकों के आवास पर ही मूल्यांकन कराए सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने प्रदेश सरकार से हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं को सीबीएसई की तर्ज पर शिक्षकों के आवास पर भेज कर मूल्यांकन कराए जाने की मांग की है। शिक्षक संघ ने कहा है कि अन्यथा किसी अप्रिय होने की स्थिति में परीक्षकों को सविनय अवज्ञा के मार्ग का अनुसरण करने को बाध्य होना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र भी भेजा है। संगठन के प्रदेशीय मंत्री एवं प्रवक्ता डा आरपी मिश्र ने बताया कि संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने अपने पत्र में लिखा है कि भारत सरकार के निर्णय से प्रोत्साहित होकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की पुनः राज्य सरकार से अपील है कि घरों पर ही मूल्यांकन कार्य करायें। जिससे कि मूल्यांकन कार्य समय से सम्पन्न हो सके।

श्रम कानूनों में अलोकतांत्रिक बदलाव रद किए जाएंः शिवपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अध्यादेश के जरिए मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करने वाले यूपी श्रम अधिनियमों में बदलाव अमानवीय व अलोकतांत्रिक हैं। क्योंकि यह बदलाव तीन वर्ष तक प्रभावी रहेंगे, ऐसे में लंबी अवधि तक मजदूरों का शोषण संभव है। उन्होंने कहा कि आज मजदूर अपनी आजीविका को लेकर अनिश्चितता, भय और भूख के मंझधार में फंसा है। शिवपाल यादव ने ट्वीट कर कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अध्यादेश के माध्यम से श्रम कानूनों में किए गए अलोकतांत्रिक व अमानवीय बदलावों को तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करने वाले श्रम कानून के अधिकांश प्रावधानों को 3 साल के लिए स्थगित कर दिया गया है। क्या आपदा की कीमत केवल मजदूर चुकायेंगे। शिवपाल ने कहा कि देश के विभिन्न शहरों में रह रहे प्रदेश के अधिकांश मजदूरों व कामगारों को आश्वासन के बावजूद आधा या पूरा पारिश्रमिक नहीं प्राप्त हुआ है। ऐसे में लाचार श्रम कानूनों को और सख्त करने की जरूरत थी। सरकार ने उल्टे इसे और लचर कर दिया। राज्य में नए निवेश और पूर्व में स्थापित औद्योगिक प्रतिष्ठानों व कारखानों के लिए श्रम नियमों में 1000 दिनों के लिए अस्थायी छूट दे दी गई है। शिवपाल यादव ने कहा कि आपदा की सबसे अधिक भीषण मार भी मजदूरों को ही साहनी पड़ी है, क्या आपदा के बाद भी मजदूरों को ही इसकी कीमत चुकानी होगी।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से याचिकाओं को सुनेगा विद्युत नियामक आयोग

लखनऊ। महामारी कोविड-19 (कोरोना) के प्रकोप के चलते उप्र विद्युत नियामक आयोग नें वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से याचिकाओं पर सुनवाई करने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग नें इस सम्बन्ध में एक विस्तृत आदेश जारी किया है। इस आदेश में वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से सुनवाई के संचालन के लिए समग्र प्रोटोकाल और विस्तृत निर्देश दिये गये है। आयोग सुनवाई के विषय में नोटिस संबंधित पक्षों को भेजेगा एवं इससे संबंधित सूची अपनी वेबसाइट पर भी अपलोड करेगा। इसके अतिरिक्त संबंधित सुनवाई के लिये वीडियो कान्फ्रेंन्सिंग का लिंक संबंधित पक्षों को उनके ई-मेल आईडी पर भी भेजा जाएगा। तद्नुसार सभी पक्षों से वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से आयोग की सुनवाई की प्रक्रिया से परिचित होने की अपेक्षा की जाती है, जिसमें दस्तावेज अपलोड करना, स्क्रीन साझा करना आदि शामिल है। इसके लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (स्टेंर्ड आपरेटिंग प्रोसिजर) आयोग के आदेश की वेबसाइड पर उपलब्ध है।

प्रदेश सरकार का गरीबों व मध्यवर्गीय लोगों से कोई सरोकार नहींः हरिनाम सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस इन्दिरा युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह चौहान ने कहा प्रदेश में अव्यवस्था का दौर चल रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना जैसे संक्रमण काल में भी प्रदेश सरकार पूंजीपतियों के साथ है। श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार का गरीबों व मध्यवर्गीय लोगों से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि यही कारण है की सरकार द्वारा आदेश दिए जाने के बावजूद भी शिक्षण संस्थान अभिभावकों से जबरदस्ती फीस वसूली कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह भी प्रदेश सरकार की शह पर हो रहा है। श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार मन से चाले तो कोई भी शिक्षण संस्थान अभिभावकों से फीस की वसूली नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के अधिकारियों ने अधूरे मन से आदेश लागू किया है जिसे शिक्षण संस्थान किसी भी स्तर पर मानने को तैयार नहीं है। किसी ने कहा कि यही कारण है कि प्रदेश में शिक्षण संस्थानों द्वारा अभिभावकों का जबर्दस्ती शोषण किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष हरनाम सिंह ने कहा कि इसके साथ ही कई निजी शिक्षण संस्थान अभिभावकों से फीस तो वसूल ले रहे हैं लेकिन अपने यहां कार्यरत अध्यापकों को वेतन तक नहीं दे रहे हैं। इन्दिरा युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह चौहान ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि एक तरफ जहां आम जनमानस मुफलिसी के दौर से गुजर रहा है वहीं दूसरी तरफ निजी शिक्षण संस्थान शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र एवं छात्राओं के अभिभावकों पर लाकडाउन अवधि के शिक्षण शुल्क को जमा करने के लिए दबाव बना रहे हैं जो सर्वथा अनुचित है।श्री चौहान ने कहा ऐसी स्थिति में बेसिक व माध्यमिक शिक्षा मंत्रियों को तत्काल शुल्क वसूली के विरुद्ध प्रस्ताव तैयार कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए जिसको दृष्टिगत रखते हुए राज्य सरकार निजी शिक्षण संस्थानों द्वारा वसूले जा रहे शुल्क को रोक सके और आम जनमानस को संकट का सामना न करना पड़े।

दशहरी पर मंडरा रहा कोरोना का खतरा

- करोड़ों रुपए का कारोबार चौपट होने की कगार पर

संवाददाता। काकोरी

दुनिया भर में मशहूर दशहरी आम के बागवानों पर मंडरा रहा है कोरोनावायरस की जंग का कहर। कोरोनावायरस की वैश्विक महामारी के चलते फलपट्टी क्षेत्र काकोरी, मलिहाबाद में सब्जी और फूल की फ सल बर्बाद होने के बाद अब यहां के मुख्य व्यवसाय यानि आम की फसल पर भी संकट मंडरा रहा है, बागवानों को डर सता रहा है कि कोरोना संक्रमण बढ़ता जा रहा है। जून में तो संक्रमण चरम पर होने की आशंका बनी हुई है। अगर लॉकडाउन और बढ़ा तो आम का कारोबार तो तबाह हो जाएगा और बागवानो को करोड़ों रुपये का नुकसान होगा। इस आर्थिक संकट से उबरना बागवानों के लिए बड़ी चुनौती होगी। अगर लॉकडाउन से निजात मिल जाए तो और सही सलामत आम बाजार में जाने के लिए छूट मिल भी जाए तो नुकसान की थोड़ी बहुत ही भरपाई हो पाएगी। मलिहाबाद फलपट्टी में हजारों हेक्टेयर में आम की फसल पूरी तैयारी पर है। औसतन लाखों मैट्रिक टन आम का उत्पादन होता है। लेकिन इस साल मौसम की बेरुखी से फसल औसत से भी कमजोर है । इसके बावजूद आम की पैदावार इतनी है कि सही बाजार मिल जाए तो फल पटटी क्षेत्र को 1000 से 1200 करोड़ की आय होने की संभावना प्रबल हो जाएगी । आम का कारोबार चौपट हुआ तो बागबानों के सामने भुखमरी की स्थिति आ जाएगी।

दुनिया भर में अलग स्वाद व मिठास के लिए मशहूर मलिहाबादी दशहरी का देश की प्रमुख मंडियों में सबसे ज्यादा कारोबार होता है । क्षेत्र के छोटे बड़े बागबान व दिल्ली मंडी से जुड़े आढ़ती बताते हैं कि 200 करोड़ से भी अधिक का कारोबार हर वर्ष में दिल्ली मंडी से होता है। महाराष्ट्र की मंडी में भी 100 करोड़ से भी अधिक का कारोबार होता है । जबकि इस वर्ष दोनों राज्य रेड जोन में हैं । ऐसी स्थिति में आम पहुंचेगा, पहुंचेगा तो बिकेगा या नहीं, कुछ कहा नहीं जा सकता। बागवानों के सामने असमंजस की स्थिति बनी हुई है। और वहां के आढ़ती भी कारोबार को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। मौसम की मार के कारण इस बार 30 या 40 फीसदी ही आम की फसल बचने के उपाय हो पाए हैं। ओले गिरने से बहुत आम की फसल बर्बाद हुई है। तैयार फसल के बाग भी नहीं बिक रही है। इस बार आम निर्यात की उम्मीद साफ नहीं है। दूसरे राज्य को तो छोड़िए आसपास की कानपुर, लखनऊ मंडी में भी कोरोना संक्रमण का असर लगातार बना हुआ है।

अफगानिस्तान को लेकर भारत चिंतित: नरवणे

● रणनीतिक अनिश्चितताओं को दूर करने के लिए भारत सरकार के पूरे तंत्र को साथ आना होगा : सेना प्रमुख

भाषा। नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे का कहना है कि देश के सामने मौजूद रणनीतिक अनिश्चितताओं और महामारी जैसे गैर-परंपरागत खतरों से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए अब वक्त आ गया है कि भारत सरकार का पूरा तंत्र साथ मिलकर काम करे। भारत के पड़ोस में विद्यमान जटिल भौगोलिक-राजनीतिक सत्ता के संदर्भ में जनरल नरवणे ने कहा कि भारतीय सेना क्षेत्र को पूर्ण सुरक्षा मुहैया कराने वाले देश के रूप में भारत की छवि को पुख्ता करना चाहती है।

सेना प्रमुख ने बातचीत में कहा, रणनीतिक अनिश्चितताओं का पूरा का पूरा पुलिंदा हमारे सामने मौजूद हैं और समय की मांग है कि उन्हें दूर करने के लिए भारत सरकार का पूरा तंत्र साथ आए। जनरल नरवणे ने हालांकि, इस पर विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन उनकी टिप्पणी ऐसे समय आई है जब पाकिस्तान समर्थित तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता में अपनी भूमिका तय करने और चीन लगातार श्रीलंका, नेपाल, म्यामां और मालदीव जैसे देशों के साथ सैन्य संबंधों का विस्तार करने की कोशिश में जुटा हुआ है। जनरल नरवणे ने कहा, वैश्विक प्रकृति के मुद्दों से निपटते समय सशस्त्र बल अपनी अंतर्निहित क्षमताओं से क्षेत्र को पूर्ण सुरक्षा मुहैया कराने वाले देश के रूप में भारत की छवि को पुख्ता करेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि युद्ध से जर्जर देश से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के संबंध में तालिबान के साथ अमेरिका के ऐतिहासिक समझौते के बाद अफगानिस्तान की नाजुक स्थिति को लेकर भारत चिंतित है। सेना प्रमुख ने कहा कि भारत को राष्ट्रीय सुरक्षा के अपने दृष्टिकोण को और विस्तार देना होगा और उसे गैर-परंपरागत खतरों जैसे महामारी आदि पर भी नजर रखनी होगी क्योंकि उनमें देश को गंभीर नुकसान पहुंचाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, हमें इसी आधार पर स्वयं को तैयार करना और काम करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के समक्ष उपस्थित परंपरागत खतरे ज्यों के त्यों बने हुए हैं और सेना उनसे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

जनरल नरवणे ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण चीन से जुड़ी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की निगरानी/सुरक्षा करते हुए भारतीय सेना के रूख में कोई नरमी नहीं आई है। एलएसी दोनों देशों के बीच फिलहाल सीमा का काम करती है। उन्होंने कहा, एलएसी पर पहले की तरह ही गश्त जारी है, लेकिन हमने सीमा सुरक्षा बलों की शिष्टाचार भेंट को जरुर टाल दिया है। हॉटलाइन पर भी काफी निर्भरता है। सेना प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई दो अनौपचारिक भेंटों के बाद दोनों सरकारों की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, जहां तक बात चीन से सटी सीमा पर सैनिकों की तैनाती की है, हमारा ध्यान परस्पर समझ और एलएसी का सम्मान करने पर है ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि एलएसी को लेकर हमारे अलग-अलग रूखों के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं हो। जनरल नरवणे ने कहा, हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि सभी गलतफहमियां मौजूदा कार्यप्रणाली के तहत आपसी बातचीत से दूर कर ली जाएं।

अमृतसर में अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर एक पुलिस आफिसर ने ड्यूटी के दौरान अपनी मां के साथ केक काटकर लोगों में बांटा।

भुखमरी रोकने के लिए हस्तक्षेप करें प्रधानमंत्री : एंटनी

नई दिल्ली(भाषा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व रक्षा मंत्री ए.के. एंटनी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया कि कोविड-19 पर काबू के लिए लागू लॉकडाउन के कारण पैदा हालात से देश में आई भुखमरी की स्थिति को रोकने के लिए वह तुरंत हस्तक्षेप करें। कांग्रेस नेता ने कहा कि जमीनी हालात बहुत मुश्किल भरे हैं और अब समय आ गया है कि प्रधानमंत्री गरीबों के लिए राहत और अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय पैकेज की घोषणा करें।

एंटनी ने कहा, हालात बहुत मुश्किल हैं। प्रधानमंत्री को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। वरना भूख के कारण मौतें होंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि वे प्रवासी श्रमिकों, गरीबों, समाज के वंचित तबकों की दिक्कतों को समझें और उन्हें राशन व नकदी सहित राहत पैकेज दें। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने के लिए वित्तीय पैकेज देने की भी मांग की। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि प्रधानमंत्री गरीबों के लिए राहत और अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय पैकेज की घोषणा करें।

इस दिशा में तत्काल कदम उठाने की मांग करते हुए एंटनी ने कहा कि लॉकडाउन के कारण अर्थव्यवस्था की गति थम गई है और यदि समय पर कदम नहीं उठाया गया तो बहुत देर हो जाएगी। उन्हें लगता है, ऐसा नहीं होने पर, देश में पूर्ण आर्थिक संकट की स्थिति होगी। एंटनी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर चिंता जताई है कि अगर सरकार ने तुरंत हस्तक्षेप नहीं किया तो देश में कोविड-19 के मुकाबले भूख से ज्यादा लोग मरेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा, इस हादसे से किसी भी कीमत पर बचना होगा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरी दुनिया में यह स्पष्ट है कि अगर रोकथाम नहीं किया गया तो यह वायरस पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को बिगाड़ कर रख देगा।

झारखंड में तेजी से कम हो रहा संक्रमण

भाषा। रांची

झारखंड में जिस तेजी से लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो रहे हैं उससे कहीं ज्यादा तेजी से लोग उपचार के बाद संक्रमण मुक्त हो रहे हैं। इस समय राज्य में जहां 75 लोग संक्रमित हैं वहीं 78 लोग संक्रमण मुक्त होकर स्वस्थ हो गए हैं। राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निदेशक डॉ. डीके सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि झारखंड में नवीनतम आंकड़ों के अनुसार संक्रमितों की संख्या 156 है जिनमें से 78 लोग इलाज के बाद संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, सिर्फ 75 ही लोगों का राज्य के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव नितिन मदन कुलकर्णी ने विशेष बातचीत में कहा , यह एक अच्छा संकेत है कि आज राज्य में जितने लोग संक्रमित हुए थे उनमें से आधे से अधिक स्वस्थ होकर अस्पतालों से छुट्टी पा चुके हैं।

उन्होंने कहा, वास्तव में पिछले तीन दिनों में संक्रमण के जितने भी नए मामले राज्य में सामने आए हैं वह सभी प्रवासी लोगों के झारखंड में पहुंचने से ही जुड़े हुए हैं। सबसे पहले राज्य में सात मई को पांच ऐसे प्रवासियों के संक्रमित होने का मामला सामने आया था जो छत्तीसगढ़ के एक पृथक केन्द्र से फरार होने के बाद यहां पलामू में पकड़े गए थे। उनका नमूना जांच के लिए भेजा गया था और जांच रिपोर्ट में वे संक्रमित पाए गए। इसके बाद आठ मई को राज्य में अब तक सर्वाधिक 22 लोगों की रिपोर्ट संक्रमित आई जिनमें से 21 गढ़वा से और एक कोडरमा से और वह सभी प्रवासी थे। शनिवार को धनबाद में एक सत्तर वर्षीय महिला और उसका पैंतीस वर्षीय बेटा मुंबई से यहां लौटने के बाद कोरोना संक्रमित पाए गए। वह दोनों सात मई को मुंबई से वहां लौटे थे। बुजुर्ग महिला कैंसर के इलाज के लिए मुंबई गई थीं और लॉकडाउन के चलते वहां फंस गई थीं। इससे पहले राज्य में संक्रमण के ऐसे कम मामले थे जो प्रवासियों से जुड़े हुए थे।

रिम्स के निदेशक डा. डीके सिंह ने एक सवाल के जवाब में बताया, झारखंड में इस समय संक्रमितों की संख्या दोगुना होने की दर 15.6 दिन की है। अर्थात झारखंड में संक्रमित होने वालों की संख्या 15.6 दिनों में दोगुनी हो रही है। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव कुलकर्णी ने एक अन्य सवाल के जवाब में बताया, राज्य में इस समय प्रति दिन 1200 से 1300 नमूनों की जांच की जा रही है। जो वर्तमान में राज्य की आवश्यकता के लिए पर्याप्त है।

यह पूछे जाने पर कि क्या झारखंड मे संक्रमितों का पता लगाने के लिए और लोगों की जांच की आवश्यकता है, कुलकर्णी ने कहा, पूरे देश की भांति राज्य में भी संक्रमितों का पता लगाने के लिए जांच की आवश्यकता है अभी देश में उतनी बड़ी संख्या में जांच किसी के लिए भी संभव नहीं है। राज्य में संक्रमण के कुल 156 मामले हैं जिनमें से अब तक 78 मरीज ठीक हो गए हैं जबकि तीन अन्य की मौत हो चुकी है और शेष 75 मरीजों का इलाज चल रहा हैं।

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग के इन नए आंकड़ों पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, ए टीम झारखंड की जीत हैं,रिम्स प्रबंधन से लेकर हर एक कोरोना योद्धा को मैं धन्यवाद और बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य विभाग और राज्य सरकार पूरी ईमानदारी और तन्मयता के साथ इस मुश्किल घड़ी में कोरोना वायरस से लड़ रही हैं,हमें कोरोना वायरस को जड़ से मिटाना हैं। ये झारखंड की इच्छाशक्ति की जीत हैं। प्रमुख सचिव ने बताया कि राजधानी रांची में संक्रमितों की कुल संख्या 93 है जिनमें से जहां 53 स्वस्थ हो चुके हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है वहीं 38 संक्रमितों का अब भी यहां रिम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। दो अन्य संक्रमितों की मौत हो चुकी है। दुमका जिले में मंगलवार को दो मरीज पाए गए थे। संक्रमित पाए गए दोनों लोग उस समूह में शामिल थे जो एक मई को गुड़गांव से यहां पहुंचा था। बोकारो में संक्रमितों की संख्या 10 थी जिनमें से एक बुजुर्ग की मौत हो चुकी है जबकि शेष नौ स्वस्थ हो कर अस्पताल से अपने घर जा चुके हैं। हजारीबाग और पलामू में संक्रमितों की कुल संख्या क्रमश: तीन और आठ है जबकि धनबाद में चार, सिमडेगा में दो, जामताड़ा में दो, गिरिडीह में एक, गोड्डा में एक और कोडरमा में तीन व्यक्ति संक्रमित पाए गए हैं।

दक्षिण गोवा के अस्पताल में ओपीडी सेवा फिर शुरू होगी

पणजी। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने रविवार को दक्षिण गोवा जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में सोमवार से सेवाएं फिर से शुरू होंगी। लागू लॉकडाउन के कारण सभी राजकीय अस्पतालों के ओपीडी को बंद कर दिया गया था। गोवा सरकार ने अस्पतालो मे ओपीडी को चरणबद्ध तरीके से फिर से शुरू करने का फैसला किया है क्योंकि राज्य को कोविड-19 से मुक्त यानी ग्रीन जोन घोषित किया गया है। राणे ने ट्वीट किया, वर्तमान स्थिति का निरीक्षण करने के लिए दक्षिण गोवा जिला अस्पताल में आज सुबह बिना किसी पूर्व सूचना के दौरा किया। हमारे नागरिकों को स्वच्छ परिवेश देने के लिए कर्मचारियों को लगातार काम करता देख बेहद खुशी हुई। मंत्री ने एक अन्य ट्वीट में कहा, आवश्यक उपाय और मानकों के साथ हम वायरस का मुकाबला करने और कोविड-19 के खिलाफ इस युद्ध को जीतने के लिए एकजुट हैं।

असम में उग्रवादी गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के शिवसागर जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन एनएससीएन (के-वाईए) के एक उग्रवादी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हथियार और कारतूस बरामद किया है। एक रक्षा प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (गुवाहाटी) लेफ्टिनेंट कर्नल पी खोंगसाई ने एक बयान में कहा, एक गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार को सेना और असम पुलिस के संयुक्त दल ने असम-नगालैंड सीमा के पास सिंगफन के जंगल से उग्रवादी को गिरफ्तार किया। बयान के मुताबिक, गिरफ्तार उग्रवादी की पहचान 37 वर्षीय लाइपा कोंयाक के रूप में हुई और यह नगालैंड के मोन जिले के नमसा गांव का रहने वाला है। गिरफ्तार आरोपी क्षेत्र में फिरौती वसूलने की गतिविधियो मे सक्रिय था। उसके पास से एक राइफल और पांच कारतूस जब्त किए गए।

शिवराज में प्रशासनिक कौशल की कमी: विवेक तन्खा

नई दिल्ली। कांग्रेस के सांसद विवेक तन्खा ने रविवार को कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के विचार तो लोक-लुभावन है लेकिन उनमे प्रशासनिक कौशल की कमी है। भाजपा शासित राज्य मे कोविड-19 से निपटने के सरकार के तौर-तरीकों की आलोचना की। तन्खा ने कहा कि नौकरशाही इस तरह की चिकित्सा आपदा से निपटने मे सक्षम नही है इसलिए देश मे इस संकट से निपटने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी की आवश्यकता है। मप्र से राज्यसभा सदस्य तन्खा ने कहा, शिवराज सिंह चौहान इस तरह की चिकित्सा आपदा से निपटने मे सक्षम नही है। उनके विचार तो लोक-लुभावन है लेकिन प्रशासनिक कौशल से कमी है। मध्य प्रदेश सरकार को राज्य मे मौजूद प्रवासी कामगारो को उनके घर सुरक्षित पहुंचाने की दिशा मे तत्काल कदम उठाने चाहिए।

उप्र, बिहार के लिए मुंबई से 3100 से ज्यादा प्रवासी मजूदर रवाना

मुंबई। उत्तर मुंबई से रविवार को रवाना हुई ट्रेनो से 3100 से ज्यादा प्रवासी कामगार उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने इन लोगों को जाने की इजाजत दे दी। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन के कारण मुंबई मे फंसे उत्तर प्रदेश के,916 मजदूरों को साकी नाका पुलिस थाने ने श्रमिक विशेष ट्रेन से उत्तर प्रदेश के लखनऊ की यात्रा करने की इजाजत दी। इसके बाद अपराह्न मे मेघवाड़ी और जोगेश्वरी पुलिस थाना क्षेत्र मे रह रहे कुल 1209 श्रमिको को बिहार के नालंदा के लिए जाने वाली ट्रेन मे सफर करने की इजाजत अधिकारियो ने दी। यह ट्रेन कुर्ला एलटीटी से रवाना हुई। जोन एक्स के पुलिस उपायुक्त अंकित गोयल ने कहा कि इन लोगो को बसो मे महानगर के कुर्ला इलाके मे सेंट्रल रेलवे के लोकमान्य तिलक टर्मिनल तक लाया गया। उन्होने कहा, यात्रा करने वाले लोगो का विवरण लेकर उनके दस्तावेजों की जांच की गई। बसों को संक्रमणमुक्त कर दिया गया था।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट के 366 मामले दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ ने लॉकडाउन लागू होने के बाद से सोशल मीडिया पर अफवाहे, गलत सूचनाएं और फर्जी खबरे फैलाने के संबंध मे 366 मामले दर्ज किए है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि शनिवार तक उक्त मामले दर्ज किए गए है। अधिकारी के अनुसार, कुछ असामाजिक तत्वों ने टिकटॉक, फेसबुक, व्हाट्सऐप और ट्विटर समेत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर लॉकडाउन के दौरान अपनी पोस्ट के माध्यम से फर्जी खबरे और अफवाहे फैलाईं, इसके बाद हमने मामले दर्ज किए। इनमे सर्वाधिक मामले बीड मे दर्ज किए गए है जिनकी संख्या 35 है, इसके बाद पुणे ग्रामीण मे 29, जलगांव मे 26 और मुंबई मे 21 मामले दर्ज किए गए है।

हरदोई में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

हरदोई। उत्तर प्रदेश मे हरदोई के बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र मे रविवार की सुबह सड़क हादसे मे तीन लोगो की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बिलग्राम कोतवाली इलाके के जफरपुर गांव के पास यह सड़क हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि बिलग्राम से भूसा लदा एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सड़क किनारे बैठे तीन लोगो को कुचल दिया और अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे मे सूरज (18), आकाश (17) और शाहरुख (18) की मौके पर ही मौत हो गई।

पुडूचेरी में मुख्यमंत्री नारायणस्वामी सब्जी बाजार का निरीक्षण करने पहुंचे।

सिक्किम को कोविड-मुक्त रखने के लिए सतर्कता बनाए रखें: मुख्य सचिव

भाषा। गंगटोक

सिक्किम के मुख्य सचिव एस. सी. गुप्ता ने रविवार को राज्य को हर हालत में कोविड-19 से मुक्त रखने के लिए अत्यधिक सतर्कता बनाए रखने और सभी दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया। छह लाख से अधिक की आबादी वाला सिक्किम देश के कुछ कोविड-19-मुक्त राज्यों में से एक है।

राज्य टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता करते हुए गुप्ता ने कहा कि राज्य को घातक कोरोना वायरस के संक्रमण से मुक्त रखने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के सभी दिशानिर्देशों का पालन करने और सतर्क रहने की आवश्यकता है। मुख्य सचिव ने फंसे लोगों को निकालने की प्रक्रिया की समीक्षा की और पिछले कुछ दिनों में लौटने वालों की जांच और पृथक-वास में रखने की प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया। केंद्र द्वारा देश में लॉकडाउन के कारण फंसे लोगों को पूर्वोत्तर के राज्यों में उनके गंतव्यों तक पहुंचाने के लिए विशेष ट्रेनों का प्रावधान करने की संभावना थी। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासन द्वारा लॉकडाउन के कुछ नियमों में ढील देने के बाद सिक्किम ने आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के मामले में अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। जिला कलेक्टरों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से स्पष्ट है कि अधिकांश मजदूर सिक्किम में ही रहना चाहते हैं। सिक्किम में कोविड-19 की रोकथाम के लिए नियामक उपाय के रूप में सिक्किम लोक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा (कोविड-19) कानून, 2020 के अनुसार सामाजिक दूरी के मानदंडों का उल्लंघन करना और सार्वजनिक स्थानों पर मास्क नहीं पहनना दंडनीय अपराध है। मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को सख्त निर्देश दिए कि वे नियमों को सख्ती से लागू करें।

पुडुचेरी के सीएम का आरोप, किरण बेदी राजस्व को प्रशासन तक पहुंचने में बाधा पहुंचा रहीं

भाषा। पुडुचेरी

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री वी नरायणसामी ने उपराज्यपाल किरण बेदी पर हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि वह वित्तीय संकट से जूझ रहे केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन तक राजस्व को अस्वीकार्य और आपत्तिजनक तरीके से पहुचंने से रोक रही हैं। उन्होंने दैनिक प्रेस वार्ता में कहा, किरण बेदी ने पुलिस विभाग को कमजोर आधार पर भी शराब कारोबारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए उकसाया है। नरायणसामी ने कहा, पुलिस को आबकारी विभाग के काम में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है और ऐसे में अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर वे शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्वाई कर बेवजह शराब कारोबार को हानि पहुंचा रहे हैं। लाइसेंसधारियों को अन्य स्थानों से शराब आयात करने और केंद्र शासित प्रदेश में शराब बेचने के लिए अधिकृत किया गया है और कारोबार करने से पहले वे शुल्क देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अत: आबकारी नियमों के तहत शराब कारोबारी शुल्क देते हैं और यह राशि अंतत: सरकार के खजाने में आती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा लॉकडाउन में पुलिस के रवैए की वजह से कारोबारियों की बेवजह मुश्किल बढ़ी है। नरायणसामी ने आरोप लगाया कि पुलिस उपराज्यपाल के इशारे पर काम कर रही है और कालाबाजारी में शामिल लोगों की शिकायत के आधार पर शराब कारोबारियों पर झूठे मुकदमे दर्ज कर रही है। शराब की दुकानों को खोलने के बारे में उन्होंने कि अबतक उनकी सरकार ने इस मामले पर अंतिम फैसला नहीं लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, पहले ही तमिलनाडु में कानूनी लड़ाई चल रही है जहां अभी शराब की दुकानें बंद हैं। हम अंतिम फैसला लेने की स्थिति में नहीं है और हम शराब की दुकानें खोलने के लिए 17 मई को लॉकडाउन खत्म होने का इंतजार करेंगे।

अहमदाबाद में कोविड-19 के 334 सुपर स्प्रेडर का पता चला: अधिकारी

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में कोरोना वायरस के 334 सुपर स्प्रेडर (बड़ी संख्या में दूसरे लोगों को संक्रमित करने वाले) का अब तक पता चला है और इसी मुख्य वजह से 15 मई तक किराना एवं सब्जी की दुकानों को बंद करने का आदेश जारी किया गया है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। सुपर-स्प्रेडर संक्रामक रोग वाहक हैं जो बड़ी संख्या में लोगों में संक्रमण का प्रसार कर सकते हैं। वे सब्जी विक्रेता अथवा किराना एवं दूध की दुकानों के मालिक हो सकते हैं, पेट्रोल पंप सहायक अथवा कूड़ा एकत्र करने वाले हो सकते हैं। ऐसे लोग अपने काम के चलते जोखिम के वाहक होते हैं जिससे वह खुद संक्रमित होते हैं और दूसरों को भी संक्रमित करते हैं।

गुजरात में शनिवार तक कोरोना वायरस संक्रमण के सात हजार 794 मामले सामने आ चुके हैं, जबकि इस बीमारी की वजह से 472 लोगों की अबतक मौत हो चुकी है। इनमें से अकेले अहमदाबाद में 5540 मामले सामने आए हैं और 363 लोगों की मौत हो चुकी है। एक अधिकारी ने यहां बताया कि उनका मानना है कि शहर में करीब 14000 ऐसे लोग हैं जिनसे संक्रमण का अधिक जोखिम है और अगले तीन दिन में उन सबकी जांच कराने का निर्णय लिया गया है।

इसी प्रकार का अभियान शहर के उप नगरीय इलाके एवं देहात क्षेत्र में भी चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अहमदाबाद नगर निगम ने सक्रिय निगरानी के तहत ऐसे लोगों का पता लगाने का काम 20 अप्रैल से शुरू कर दिया था और अबतक 3817 नमूने एकत्र किए हैं जिनमें से 334 में कोराना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। वेजालपुर इलाके में एक किराना व्यवसाई के शनिवार को संक्रमित होने के बाद पिछले 15 दिन में उस दुकान से खरीदारी करने वाले लोगों से अपने घर में पृथकवास में रहने के लिए कहा गया है।

अहमदाबाद शहर के बाहरी इलाके ढोलका शहर में एक तरबूज विक्रेता में कोराना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है और उसकी पहचान सुपर स्प्रेडर के रूप में की गई है। जिला विकास अधिकारी अरूण महेश बाबू ने बताया कि उसके संपर्क में आने वाले 96 लोगों को पृथकवास में भेज दिया गया है। इनमें परिवार के सदस्य, साथ काम करने वाले और दूसरे विक्रेता शामिल हैं। इनमें से 12 लोगों में कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव गुप्ता ने बताया कि दूध एवं दवाइयों की दुकानों को छोड़ कर सात मई से एक हफ्ते के लिए शहर में सभी दुकानों को बंद करने का आदेश निगम की ओर से जारी किए जाने के बाद करीब दो हजार संदिग्ध लोगों की पिछले दो दिन में स्क्रीनिंग की गई है। अधिकारी ने बताया, सभी संदिग्धों की बुधवार तक जांच कर ली जाएगी।

भोपाल में कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के कारण जहांगीराबाद के स्थानीय नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया गया।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 11 मई 2020

पिछड़े 112 जिलों में केवल दो प्रतिशत कोरोना मामले

भाषा। नई दिल्ली

देश के ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर स्वास्थ्य ढांचे के बीच कोविड-19 के प्रसार की आशंकाओं को खारिज करते हुए नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत का कहना है कि पिछड़े 112 आकांक्षी जिलों में केवल 2 प्रतिशत मामले सामने आए हैं और डरने की कोई बात नहीं है। अमिताभ कांत ने यह भी कहा कि ग्रामीण इलाकों में कोरोना वायरस संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए सभी तैयारियां पूरी हैं। उल्लेखनीय है कि देश में कुल 733 जिले हैं।

उन्होंने कहा, डरने की कोई बात नहीं है। देश के 112 पिछड़े आकांक्षी जिलों में कोविड-19 के केवल 2 प्रतिशत मामले आए हैं। देश में अलग अलग क्षेत्रों में 1.5 लाख आरोग्य केंद्र स्थापित किए गए हैं। अस्पतालों में बिस्तर बढ़ाए गए हैं, विशेष रूप से कोविड अस्पताल भी

डरने की कोई बात नहीं: अमिताभ कांत

स्थापित किए गए हैं। ऐसे में पूरी तैयारी की गई है। अमिताभ कांत ने भाषा को दिए साक्षात्कार में बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के 50 प्रतिशत मामले पांच जिलों से आए हैं और ऐसे में भारत की जीत इन स्थानों में सफलता पर निर्भर करेगी जहां हमें पूरी तत्परता के साथ निगरानी, परीक्षण, सम्पर्क का पता लगाने, पृथकवास एवं उपचार पर खास ध्यान देना चाहिए। अमिताभ कांत ने कहा कि दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद सहित 15 जिले संक्रमणै के मामलों के अधिक दबाव वाले क्षेत्र हैं। कोविड-19 से लड़ने में भारत की सफलता की दृष्टि से ए इलाके महत्वपूर्ण है क्योंकि देश में कोविड-19 के कुल मामलों में से 64 प्रतिशत मामले इन 15 जिले से सामने आए हैं। उन्होंने कहा, इन 15 जिलों में से 5 जिलों में कोरोना वायरस के 50 प्रतिशत मामले सामने आए हैं जिनमें दिल्ली, मुम्बई, अहमदाबाद, पुणे और चेन्नई : इन्हें एक जिला ईकाई मान कर अध्ययन किया गया : शामिल है। ए संक्रमण की संख्या की दृष्टि से विशेष रूप में अधिक दबाव वाले क्षेत्र हैं। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने में भारत के कदमों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत इससे अच्छे से निपटने में अब तक सफल रहा है। आज संक्रमण के मामले करीब 11 दिन में दोगुना हो रहे हैं और इसके कारण मौत के मामले अपेक्षकृत कम हो रहे हैं। संक्रमण की जांच तेजी से बढ़ी है और अब यह क्षमता प्रतिदिन करीब एक लाख हो गई है। कांत ने कहा कि बीमारी से लड़ने के लिए केंद्र सरकार ने समय रहते लॉकडाउन लागू करने, उसे बढाने सहित कई सख्त कदम उठाए जिसका निश्चित रूप से फायदा हुआ है। उन्होंने कहा, अब हमें हाइपर लोकलाइजेशन की रणनीति को अपनाना चाहिए और पूरा ध्यान कंटेनमेंट जोन पर ही देना चाहिए, साथ ही आर्थिक गतिविधियों को भी आगे बढ़ाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या लॉकडाउन खोलना अभी उचित होगा, नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि अभी टीका तैयार होने और सार्वजिनक रूप से उपलब्ध होने में कुछ समय लगेगा लेकिन तब तक हम अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बंद नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, हमें आपूर्ति श्रृंखला को खोलना होगा और अनुशासन के साथ आगे बढ़ना होगा। हमें रोजगार के अवसरों को बनाए रखना होगा। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को भी पटरी पर लाना जरूरी है। ऐसे में पूरी सावधानी बरतते हुए हमें आगे बढ़ना ही होगा। अमिताभ कांत ने कहा कि इस वैश्विक आपदा के कारण हमारे सामने अवसर भी आए हैं।

परिसीमन आयोग ने लोकसभा अध्यक्ष, विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों को लिखा पत्र

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर, असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन को गति देने के लिए परिसीमन आयोग ने लोकसभा अध्यक्ष और पूर्वोत्तर के चार राज्यों की विधानसभा के अध्यक्षों को पत्र लिखकर समिति के सहायक सदस्यों का नाम देने को कहा है। जम्मू-कश्मीर में फिलहाल कोई विधानसभा नहीं है। यह एक केंद्र शासित क्षेत्र हैं जहां विधानसभा का प्रावधान है। संसद सदस्य और विधानसभाओं के सदस्य जिनके परिसीमन के लिए आयोग का गठन किया गया है, वहां से आयोग के सहायक सदस्य इस कार्य में आयोग की मदद के लिए शामिल किए जाते हैं। इस पूरी प्रक्रिया से अवगत निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों ने कहा कि परिसीमन आयोग की हाल में बैठक हुई थी जिसमें सहायक सदस्यों का नाम बताने के लिए लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों को पत्र लिखने का फैसला लिया गया था।

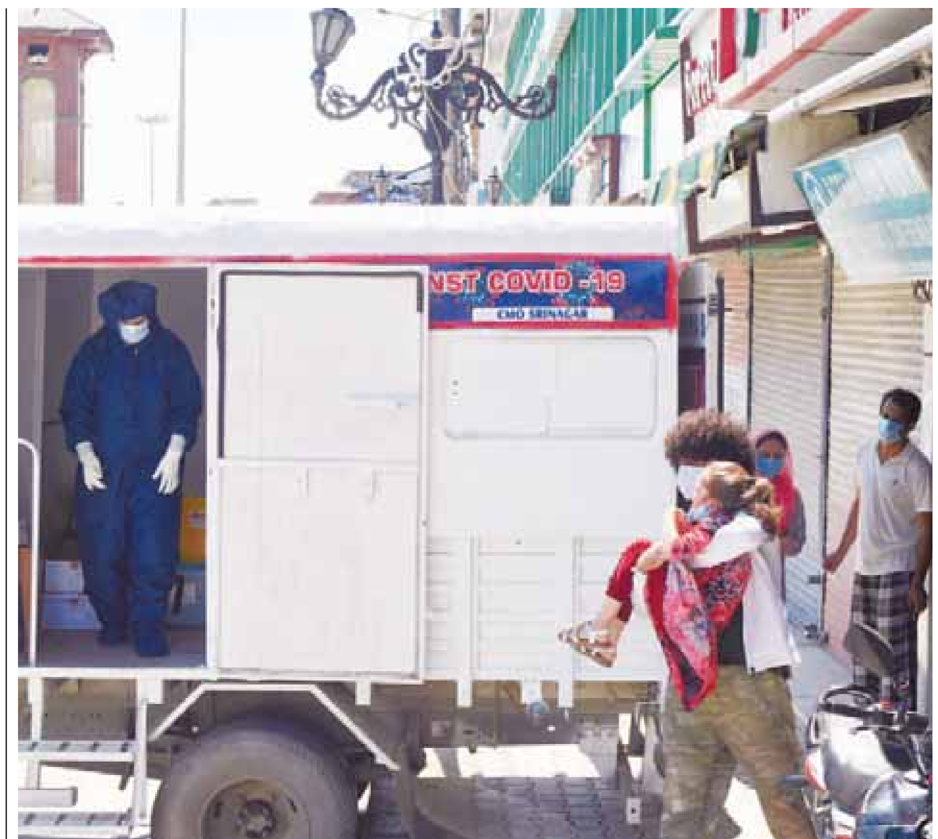

श्रीनगर में कोरोना वायरस के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए देशव्यापी तालाबंदी के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे लोग कोविड-19 मोबाइल टेस्टिंग वैन के बाहर जांच करने का इंतजार हुए

क्विक न्यूज

प्रख्यात इतिहासकार हरि शंकर वासुदेवन की मृत्यु

कोलकाता। प्रख्यात इतिहासकार हरि शंकर वासुदेवन की रविवार को यहां एक अस्पताल में मृत्यु हो गई। वह 68 वर्ष के थे। वासुदेवन के परिवार के लोगों ने बताया कि तेज बुखार और सांस लेने में परेशानी होने पर उन्हें चार मई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद छह मई को उनकी कोविड-19 जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। उन्होंने बताया कि शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात एक बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके परिवार में उनकी पत्नी ताप्ती गुहा ठकुरता और उनकी बेटी हैं। वासुदेवन को रूस और मध्य एशिया विषय के इतिहासकारों में अग्रणी नामों में एक माना जाता है। उनकी मृत्यु पर अपने बयान में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कहा कि वासुदेवन की मृत्यु कोरोना वायरस से हुई। उन्होंने धनखड़ को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताते हुए कहा, वह भारत-रूस परियोजनाओं में शामिल थे...वह संस्कृति मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की परियोजनाओं संस्थानों में औपचारिक सलाहकार भी रहे थे और 2005 से राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के समाज विज्ञान विषयों के लिए पाठ्यपुस्तिका विकास समिति के अध्यक्ष के रूप में अहम भूमिका निभाई। यादवपुर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं प्रख्यात इतिहासकार प्रो. सुरंजन दास ने कहा, मैं उन्हें चार दशक से जानता था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत नुकसान है। प्रसार भारती के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जवाहर सरकार ने कहा कि वासुदेवन को रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी एशियाई इतिहास का एक विशेषज्ञ माना जाता था।

प्रवासी मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने के वास्ते जल्द योजना लाएगी उत्तराखंड सरकार

देहरादून। लॉकडाउन के बीच अपने गृह राज्य लौटे प्रवासियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ऋण और सब्सिडी की सुविधा देने वाली मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना को मंजूरी देने के बाद उत्तराखंड सरकार अब शहरी क्षेत्रों के प्रवासी मजदूरों के वास्ते भी जल्द एक योजना लाएगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता एवं कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने यहां मीडिया को बताया कि लॉकडाउन के दौरान अपने घरों में लौटे शहरी क्षेत्रों के मजदूरों के लिए भी राज्य सरकार अगले तीनचार दिन में एक योजना लाने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित योजना के तहत इन लोगों का पंजीकरण कराया जाएगा और इसके बाद तीनचार महीनों का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा जिससे इन्हें रोजगार प्राप्त हो सके। राज्य मंत्रिमंडल की पिछली बैठक में प्रवासियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए उत्तराखंड सरकार ने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना को मंजूरी दी थी। कौशिक ने बताया कि राज्य सरकार ने घर लौटे प्रवासियों का जिलाधिकारियों के माध्यम से पंजीकरण कराया है और इस संबंध में मिल रही सूचनाओं के आधार पर प्रदेश में पहले से चल रही 19 नीतियों के अतिरिक्त मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना बनाई है। उन्होंने बताया कि स्वरोजगार योजना के तहत निर्माण क्षेत्र और सेवा क्षेत्र में काम करने वाले प्रवासियों को विभिन्न श्रेणियों में 10 लाख से लेकर 25 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा और उस पर 20-25 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अब तक 1.80 लाख प्रवासी घर लौटने के लिए अपना पंजीकरण करा चुके है और अब तक उत्तर प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ, पंजाब, राजस्थान, जम्मू, हरियाणा और गुजरात समेत विभिन्न राज्यों से 30 हजार प्रवासियों को राज्य में लाया जा चुका है। कौशिक ने कहा कि प्रवासियों को राज्य में लाना और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना सरकार का फर्ज है।

परीक्षाओं के बजाए सभी छात्रों को प्रोन्नत करें अथवा आंतरिक मूल्यांकन तंत्र बनाएं: सिब्बल

भाषा। नई दिल्ली

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण शिक्षण सत्र 2020-21 पर मंडरा रहे अनिश्चितता के बादल को देखते हुए कक्षा 10 तथा अन्य कक्षाओं के छात्रों को परीक्षाओं के दबाव से बचाने के लिए कक्षा 12 को छोड़ कर अन्य सभी छात्रों को या तो प्रोन्नत करना चाहिए अथवा कोई आंतरिक मूल्यांकन तंत्र बनाया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने सुझाव दिया कि स्कूल और विश्वविद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रम को कम किया जा सकता है और कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण शिक्षण सत्र 2020-2021 में जो अध्यापन समय नष्ट हुआ है, उसकी भरपाई शिक्षकों और छात्र समुदाय के विशेष प्रयासों से अगले वर्ष की जा सकती है। सिब्बल ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि विभिन्न विश्वविद्यालयों को इस बात का निर्णय लेना होगा कि उन्हें शिक्षण सत्र देर से शुरू करना है अथवा नहीं। उन्होंने कहा कि वे इस संबंध में निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं और इसके लिए उन्हें बाध्य नहीं किया जा सकता। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विश्वविद्यालयों को दिशानिर्देश जारी किए हैं कि नए छात्रों के लिए शिक्षण सत्र सितंबर से शुरू होगा वहीं अन्य छात्रों के लिए यह अगस्त से शुरू होगा। इसमें यह भी कहा गया है कि ए दिशा-निर्देश परामर्श जैसे हैं और विश्वविद्यालय अपने क्षेत्र में कोरोना वायरस संक्रमण के हालात को देखते हुए अपनी योजना तैयार कर सकते हैं। अगले शिक्षण सत्र पर छाई अनिश्चितता के बारे में पूछे जाने पर सिब्बल ने कहा कि कक्षा 12 के छात्रों को छोड़ कर स्कूल के छात्रों के लिए दो विकल्प हो सकते हैं। सिब्बल ने कहा, पहला तरीका यह है कि सबको प्रोन्नत कर दिया जाए और जब महामारी समाप्त हो जाए तो कुछ अतिरिक्त कक्षाएं ली जाएं। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि छात्रों का पाठ्यक्रम अगली कक्षा में पूरा हो जाए। उन्होंने कहा, अगला तरीका यह है कि अगर आपको लगता है कि आपके शिक्षक, छात्र समुदाय का सामान्य मूल्यांकन कर सकते हैं, तो जिन बच्चों का शिक्षण रिकॉर्ड अच्छा है उन्हें कक्षा 11 में (अथवा अन्य कक्षाओं में) प्रोन्नत करने के लिए उनका आंतरिक मूल्यांकन स्कूल पर छोड़ दीजिए। उन्होंने हालांकि आगाह किया कि आंतरिक मूल्यांकन में आने वाली समस्याओं का भी समाधान तलाशा जाना चाहिए। साथ ही कहा कि इस मुद्दे पर निर्णय करने का अधिकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय को है। कक्षा 10वीं, कक्षा 12वीं की सीबीएससी और अन्य बोर्ड परीक्षाओं के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि जहां तक कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं की बात है, तो उस पर दोबारा सोचे जाने की जरूरत है। वहीं कक्षा 12 के लिए वर्ष का विश्वविद्यालय कैलेंडर बदला जाना चाहिए और इसके मद्देनजर हम उम्मीद करते हैं कि लॉकडाउन समाप्त होने के बाद परीक्षाएं होनी चाहिएं। जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि महामारी के कारण वर्तमान हालात ने समाज के गरीब और वंचित तबके के छात्रों को नुकसान पहुंचाया है।

जावेद अख्तर ने लाउडस्पीकर पर अजान देने के चलन को रोके जाने की मांग की

भाषा। मुंबई

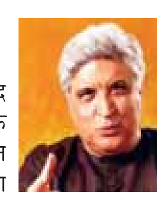

लेखक-गीतकार जावेद अख्तर का कहना है कि लाउडस्पीकर पर अज़ान देने का चलन बंद किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे दूसरों को 'असुविधा' होती है। उन्होंने कहा कि अज़ान मजहब का अभिन्न हिस्सा है, लाउडस्पीकर का नहीं। शनिवार को किए एक ट्वीट में अख्तर ने पूछा कि यह चलन करीब आधी सदी तक हराम (मना) माना जाता था, तो अब हलाल (इजाजत) कैसे हो गया। गीतकार ने ट्वीट किया कि भारत में करीब 50 साल तक लाउडस्पीकर पर अज़ान देना हराम था। फिर यह हलाल हो गया और इतना हलाल कि इसका कोई अंत नहीं है, लेकिन यह खत्म होना चाहिए। अज़ान ठीक है, लेकिन लाउडस्पीकर पर इसे देने से दूसरों को असुविधा होती है। मुझे उम्मीद है कि कम से कम इस दफा वे खुद इसे करेंगे। ट्विटर पर जब एक शख्स ने 75 वर्षीय अख्तर से मंदिरों में लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि स्पीकरों का रोजाना इस्तेमाल फिक्र की बात है। उन्होंने जवाब दिया, चाहे मंदिर हों या मस्जिद, अगर आप किसी त्यौहार पर लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो ठीक है, लेकिन इसका इस्तेमाल मंदिर या मस्जिद में रोजाना नहीं होना चाहिए। अख्तर ने कहा, एक हजार साल से अधिक समय से अज़ान बिना लाउडस्पीकर के दी जा रही है। अज़ान आपके मजहब का अभिन्न हिस्सा है, इस यंत्र का नहीं। इससे पहले मार्च में अख्तर ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान मस्जिदों को बंद करने का समर्थन किया था और कहा था कि महामारी के दौरान काबा और मदीना तक बंद हैं। उन्होंने समुदाय के लोगों से रमजान के महीने में घर में ही नमाज़ पढ़ने की अपील की थी। रमजान का महीना 24 अप्रैल को शुरू हुआ था।

यादव सिंह मामला : न्यायाधिकार क्षेत्र पर सवाल के बाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में याचिका खारिज

भाषा। नई दिल्ली

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने सीबीआई द्वारा मामले में अदालत के न्यायाधिकार क्षेत्र का सवाल उठाए जाने के बाद नोएडा के पूर्व मुख्य इंजीनियर यादव सिंह को रिहा करने की अनुरोध करने वाली याचिका को वापस लिया गया मानकर खारिज कर दिया। सिंह नोएडा के पूर्व मुख्य रखरखाव इंजीनियर थे और सीबीआई द्वारा भ्रष्टाचार के तीसरे मामले में गिरफ्तार करने के बाद 11 फरवरी 2020 से न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने 17 जनवरी 2018 को उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था।

सीबीआई की ओर से दर्ज हालिया प्राथमिकी में आरोप है कि यादव सिंह ने नोएडा में आकर्षक ठेके अपने दोस्तों और सहयोगियों की कंपनियों को दिए। एजेंसी ने पहले भी भ्रष्टाचार के दो मामले उनके खिलाफ दर्ज किए हैं। ये मामले अपने पद का दुरुपयोग कर नोएडा में करीब एक हजार करोड़ रुपए के ठेके अपनी पसंदीदा कंपनियों को देने और गैर कानूनी तरीके से 23 करोड़ रुपए की संपत्ति जमा करने के सिलसिले में है। एजेंसी ने 62 वर्षीय सिंह को गिरफ्तार करने के बाद गाजियाबाद की विशेष अदालत में पेश किया था जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उनकी जमानत की अर्जी विशेष अदालत ने 17 अप्रैल 2020 को खारिज कर दी थी। सिंह के बेटे सनी ने इसके बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊपीठ का रुख किया और बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिका दायर की। सनी ने याचिका में आरोप लगाया कि यादव सिंह को अवैध तरीके से कैद किया गया है क्योंकि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा-167 (2) के तहत केवल 60 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रखा जा सकता है और यह मियाद 10 अप्रैल 2020 को समाप्त हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण की रिट याचिका अवैध रूप से कैद में रखे व्यक्ति की सुरक्षित रिहाई के लिए सक्षम अदालत के समक्ष दाखिल की जाती है। सनी ने दावा किया कि यादव सिंह पर जो मामले दर्ज हैं उनमें अधिकतम सात साल कैद की सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 23 मार्च के अपने आदेश में राज्यों को सुझाव दिया कि कोरोना वायरस की महामारी के चलते इस अवधि की सजा के प्रावधान वाले मामलों में बंद विचाराधीन कैदियों को रिहा करने पर विचार करें। इस याचिका पर न्यायमूर्ति करुनेश सिंह पवार और न्यायमूर्ति पंकज कुमार जायसवाल की पीठ ने हाल में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सुनवाई की, जहां पर सीबीआई ने याचिकाकर्ता के तर्कों का मजबूती से जवाब दिया। सीबीआई ने कहा कि गाजियाबाद की विशेष अदालत इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधिकार क्षेत्र में आती है।

ऐसे में इस मामले को वहीं सुना जाना चाहिए, न कि उच्च न्यायालय की लखनऊपीठ के समक्ष। एजेंसी ने कहा कि यादव सिंह को अवैध तरीके से हिरासत में रखने का सवाल ही नहीं है क्योंकि उन्हें विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया और वहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया। सीबीआई ने कहा कि आरोपी उसकी हिरासत में नहीं है। सीबीआई के तर्कों को सुनने के बाद पीठ ने इस बात का संज्ञान लिया कि सीबीआई की ओर से दाखिल जवाबी हलफनामे में इस अदालत के न्यायाधिकार क्षेत्र के संबंध में आपत्ति जताई गई है। अदालत ने कहा, चूंकि, सीबीआई के तर्कों के प्रत्युत्तर में विस्तृत हलफनामा दाखिल किया गया है लेकिन बहस के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने बहुत साफगोई से इस रिट याचिका को नए सिरे से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने की स्वतंत्रता के साथ वापस लेने का अनुरोध किया है। पीठ ने कहा कि इसलिए याचिका वापस लिया गया मानकर खारिज की जाती है। उल्लेखनीय है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर प्रारंभिक जांच करने के बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 17 जनवरी 2018 को यादव सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था। एजेंसी पहले ही भ्रष्टाचार के मामले में दो मामले दर्ज कर चुकी थी।

पेज एक का शेष

लद्दाख व...

चिनफिंग ने डोकलाम गतिरोध के कुछ महीनों बाद अप्रैल 2018 में चीनी शहर वुहान में पहली अनौपचारिक वार्ता की थी। वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने निर्णय किया था कि वे अपनी सेनाओं को संचार मजबूत करने के लिए 'रणनीतिक मार्गदर्शन' जारी करेंगे जिससे उनमें विश्वास और समझ का निर्माण हो सके। मोदी और शी के बीच दूसरा अनौपचारिक शिखर सम्मेलन पिछले साल अक्टूबर में चेन्नई के पास मामल्लापुरम में हुआ था जिसमें द्विपक्षीय संबंधों को और व्यापक बनाने पर जोर दिया गया था।

मुख्यमंत्रियों से...

लिये 17 मई तक बढ़ा दी। हालांकि, आर्थिक गतिविधियों में और लोगों की आवाजाही में कुछ छूट दी गई। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन 25 मार्च से लागू है। कई राज्यों ने हाल ही में श्रम कानून के नियमों को उदार बनाया है, ताकि कार्यालयों/फैक्टरियों में अलग-अलग पाली (शिफ्ट) में काम कराने या सीमित संख्या में श्रमिकों के साथ औद्योगिक गतिविधियों में तेजी लाई जा सके। सूत्रों के मुताबिक सोमवार की बैठक में लॉकडाउन चरणबद्ध तौर पर हटाने के तहत पाबंदियों में और अधिक छूट देने पर भी चर्चा हो सकती है। लेकिन सारे प्रतिबंध एक ही बार नहीं हटाये जा सकते। लॉकडाउन का तीसरा चरण 17 मई को समाप्त होने से कुछ ही दिन पहले यह बैठक होने वाली है। दूसरा चरण तीन मई को समाप्त हुआ था, जबकि पहला चरण 14 अप्रैल को समाप्त हुआ था। रविवार को एक बैठक में राज्य के मुख्य सचिवों को कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने कहा कि कोविड-19 से बचाव की जरूरत है, पर आर्थिक गतिविधियों को भी सूझ बूझ से तेज करने की जरूरत है। लॉकडाउन के चलते विभिन्न राज्यों में फंसे हजारों की संख्या में प्रवासी मजदूर स्पेशल ट्रेनों से अपने-अपने गृह राज्य लौट रहे हैं, ऐसे में औद्योगिक गतिविधियों को फिर से शुरू करना राज्यों के लिये एक चुनौती साबित होगी।

एअर इंडिया...

विमानों का संचालन करते हैं। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने अभी इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एयर लाइन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन पांचों पायलट ने पिछले तीन सप्ताह में किसी भी उड़ान का संचालन नहीं किया था। अधिकारी ने कहा, से पायलट 20 अप्रैल से पहले कार्गो विमानों को लेकर चीन गए थे। सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विस लिमिटेड (एआईईएसएल) में काम करने वाले एक तकनीशियन और टॉ-टग चालक के भी कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि से कर्मचारी सात मई को जांच के दौरान संक्रमित पाए गए। वे मुंबई हवाई अड्डे पर एक गैर अनुसूचित ऑपरेटर के विमान हैंगर (जहां विमान खड़े होते हैं) में काम करते हैं। एआईईएसएल के दो कर्मचारियों को कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद, गैर अनुसूचित ऑपरेटर ने हाल में एक ईमेल के जरिए कंपनी को सूचित किया। आउटसोर्स एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और निरीक्षण) कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। एआईईएसएल के सीईओ को भेजे ईमेल में ऑपरेटर के इंजीनियरिंग प्रमुख ने कहा, एआईईएसएल के कर्मियों की चरणबद्ध तरीके से जांच की जा रही है। सात मई को की गई जांच की रिपोर्ट मिल गई हैं और एआईईएसएल के दो कर्मी कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। ई-मेल में कहा गया है, हम आपसे कंपनी नीति के मुताबिक कार्वाई करने का अनुरोध करते हैं। आपसे आग्रह है कि इन कर्मचारियों को संक्रमण से ठीक होने तक और हमारी सहमति के बिना हमारे विमान आवंटित नहीं किए जाएं। एआईईएसएल के सीईओ जगन्नाथ फिलहाल टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं हो सके।

घर लौट...

रात्रि करीब 10.30 बजे आम से भरे एक ट्रक के पलट जाने से इसमें सवार छह मजदूरों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। हादसे के वक्त आम से भरे हुए इस ट्रक में करीब 20 प्रवासी मजदूर हैदराबाद से अपने घर उत्तर प्रदेश के एटा और झांसी जा रहे थे। एक मजदूर में कोरोना वायरस के लक्षण भी मिले हैं। इसलिए सभी मजदूरों के नमूने लेकर जांच कराई जा रही है। वहीं, सागर-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 86 पर शनिवार शाम को बंडा तहसील के बरा चौराहे पर कथित रुप से कर्नाटक के किसी क्षेत्र से पैदल ही उत्तर प्रदेश स्थित अपने घर की ओर जाते समय एक व्यक्ति अचानक ही सड़क पर बेसुध होकर गिर गया। घटनास्थल पर मौजूद नागरिकों ने उसे बंडा अस्पताल भेजा जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सागर जिले के पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने बताया कि मृतक के पास मिले आधार कार्ड पर मिली जानकारी के अनुसार उसका नाम रामबली (31) है और वह उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर का निवासी है। इसी बीच, शाजापुर जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर एबी रोड़ पर ग्राम रोजवास के निकट कल देर शाम उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के बहाटतिया गांव जा रहे रामरूप (35) की बीमारी से मौत हो गई। उन्होंने कहा कि वह अपने परिजनों के साथ एक आयशर वाहन में सवार होकर उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा था। उसी दौरान उसकी तबीयत खराब हो गई जिसके कारण वाहन चालक ने उसे रोजवास के निकट उतार दिया, जहां पर कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। वहीं मुंबई से उत्तर प्रदेश पैदल जा रहे तीन प्रवासी मजदूरों की शनिवार दोपहर को मौत हो गई। ये तीनों 42 से 55 वर्ष के बीच के थे और जब ए महाराष्ट्र की सीमा पार कर मध्य प्रदेश में सेंधवा के पास पहुंचे तो इन्होंने दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि ए तीनों पैदल आए थे और कहींकहीं पर इन्होंने लिफ्ट भी ली थी। ए तीनों प्रवासी मजदूर थे और महाराष्ट्र से उत्तर प्रदेश जा रहे थे। परिहार ने बताया कि इनके साथ चल रहे प्रवासी मजदूर इनमें से दो लोगों को सेंधवा सिविल अस्पताल ले गए, जबकि एक व्यक्ति को दूसरे अस्पताल में ले गए, जहां उनकी स्थिति अत्यधिक खराब होने के कारण उनकी मौत हो गई। सेंधवा सिविल अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि हो सकता है कि झुलसा देने वाली गर्मी से इनके शरीर में पानी की कमी हो गई होगी और लंबा पैदल चल कर इन्हें अत्यधिक थकान हुई होगी। इसके कारण इनकी मौत हुई होगी। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इनके मौत का असली कारण पता चलेगा।

केंद्र ने...

के बाद आई है। गौबा ने यह अपील कोविड-19 प्रबंधन की स्थिति की समीक्षा के लिए हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान की जिसमें सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव शामिल हुए। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में, कैबिनेट सचिव ने बताया कि रेलवे 350 से अधिक श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चला चुका है जिसमें 3.5 लाख प्रवासी मजदूरों को लाया गया। इसमें कहा गया, उन्होंने और श्रमिक स्पेशल रेलगाड़ियां चलाने के लिए राज्य सरकारों से रेलवे के साथ सहयोग करने का अनुरोध किया। कैबिनेट सचिव ने विदेशों में फंसे भारतीयों की स्वदेश वापसी के लिए केंद्र के वंदे भारत मिशन में राज्यों के सहयोग की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डॉक्टरों, नर्सों और पराचिकित्सकों की आवाजाही अबाधित होनी चाहिए और कोराना योद्धाओं को सुरक्षा एवं मदद देने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाने चाहिए। बयान में बताया गया कि मुख्य सचिवों ने अपने-अपने राज्यों में स्थिति से अवगत कराया और कहा कि कोविड-19 से संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों को भी सावधानीपूर्वक बढ़ाए जाने की जरूरत है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर फंसे हुए श्रमिकों को लाने वाली ट्रेनों को राज्य में प्रवेश की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाया था लेकिन राज्य ने इस आरोप से इनकार किया था और कहा था कि 6,000 प्रवासी मजदूर पहले ही लौट चुके हैं और अन्य प्रवासी मजदूरों को लेकर 10 ट्रेनें जल्द ही राज्य आएंगी। इसके फौरन बाद, रेलवे के अधिकारियों ने राज्य सरकार के दावे को खारिज करते हुए कहा था कि उन्हें उनकी तरफ से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

रेल मंत्री...

पहुंच सकें। गोयल ने रविवार को ट्वीट किया, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के निर्देशों के मुताबिक रेलवे बेहद कम समय के नोटिस पर प्रतिदिन 300 श्रमिक विशेष रेलगाड़ियां चलाने के लिए बीते छह दिनों से तैयार है। उन्होंने कहा, मैं सभी राज्यों से अपील करता हूं कि अपने फंसे श्रमिकों को निकालने और वापस लाने की अनुमति दें ताकि अगले तीन-चार दिनों में हम उन सभी को वापस घर पहुंचा सकें।

रेलवे 12...

राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण 25 मार्च से ही सभी यात्री ट्रेन सेवाएं बंद हैं। भारतीय रेल का कहना है कि इन 15 जोड़ी ट्रेनों के बाद वह अन्य मार्गों पर भी विशेष ट्रेनें चलाएगी। उसका कहना है कि 20,000 डिब्बे कोविड-19 देखभाल केन्द्र के रूप में आरक्षित करने और प्रवासी श्रमिकों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए रोजाना करीब 300 'श्रमिक स्पेशल' ट्रेनें चलाने के लिए डिब्बे आरक्षित रखने के बाद कोचों की उपलब्धता के आधार पर अन्य मार्गों पर यात्री सेवाएं बहाल की जाएंगी। इन ट्रेनों में आरक्षण के लिए बुकिंग 11 मई शाम चार बजे से शुरू होगी। बुकिंग सिर्फ आईआरसीटीसी की वेबसाइट के जरिए की जा सकेगी। भारतीय रेल ने कहा कि स्टेशनों पर टिकट बुकिंग खिड़की बंद रहेगी, प्लेटफॉर्म टिकट सहित कोई काउंटर टिकट जारी नहीं होगा। उसने कहा कि सिर्फ वैध आरक्षित टिकटधारकों को रेलवे स्टेशन में प्रवेश की अनुमति होगी। उसने कहा कि यात्रियों के लिए प्रस्थान बिंदु पर मास्क पहनना और स्वास्थ्य जांच अनिवार्य होगा, सिर्फ उन्हीं लोगों को ट्रेन में चढ़ने की अनुमति होगी जिनमें वायरस से संक्रमण के कोई लक्षण नजर नहीं आएगा।

तमिलनाडु में...

चार राज्यों में सिक्किम, नगालैंड और लक्षद्वीप भी हैं। अब अंडमान निकोबार, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मणिपुर और मिजोरम में कोरोना वायरस के ऐक्टिव मामले नहीं हैं। डॉ. हर्षवर्धन ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पिछले तीन दिन में कोरोना वायरस का डबलिंग रेट 12 दिन रहा है और मरीजों के ठीक होने की दर 30 फीसद से ज्यादा हो गई है। मृत्यु दर अभी भी 3.3 प्रतिशत पर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में 4,362 कोविड केयर सेंटर तैयार किए गए हैं। यहां हल्के लक्षणों वाले करीब साढ़े तीन लाख मरीजों को रखा जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र ने राज्यों को 72 लाख एन-95 मास्क भेजे हैं और 36 लाख पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट्स (पीपीई) किट भी मुहैया कराई गई हैं। उन्होंने बताया कि अब देश में कोरोना के कुल केस 62,939 है। इनमें से 41,472 एक्टिव केस हैं। इलाज के बाद 19,357 लोग घर जा चुके हैं। हालांकि संवेदनशील जगहों पर बढ़ रहे मामलों से केंद्र की पेशानी पर चिंता की लकीरें हैं। मुंबई के आर्थर रोड जेल में रविवार को 81 नए केस आए। अब यहां पॉजिटिव मामलों की संख्या 184 पहुंच गई हैं। शनिवार तक गुजरात में 472 लोगों की मौत हो चुकी है। अहमदाबाद में 334 सुपर स्प्रेडर यानी ऐसे मरीज जो बड़ी संख्या में दूसरे लोगों को संक्रमित कर सकते हैं, का पता चला है। स्थानीय प्रशासन ने 15 मई तक किराना एवं सब्जी की दुकानें बंद कर दी हैं। मध्य प्रदेश में कोरोना के मामले 3614 हो गए हैं और 215 पीड़ितों की मौत हो चुकी है। तेलंगाना में कुल केस 1196 हो चुके हैं। यहां 30 लोगों की मौत हुई। पश्चिम बंगाल में 1939 केस हो चुके हैं। यहां अब तक मरने वालों की संख्या 113 पहुंच गई है। जम्मू-कश्मीर में 861 मामले हुए हैं और नौ लोगों की जान गई है। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में शामिल पंजाब में कोरोना के कुल केस 1823 हो चुके हैं। तमिलनाडु की खबर चिंता बढ़ाने वाली है। यहां रविवार को एक ही दिन में कोरोना के 669 नए केस सामने आए और तीन लोगों की मौत हो गई। राज्य में कुल केस 7204 हो चुके हैं। अब तक 47 लोगों की मौत यहां हुई। देश के उत्तरी-पूर्वी राज्य जो अब तक इस महामारी से अछूते थे, वहां भी पिछले चार दिन में संक्रमण के केस दोगुने हो गए हैं। त्रिपुरा में कई केस मिलने और असम में लगातार होने वाली बढ़ोतरी के चलते नॉर्थ-ईस्ट में पीड़ितों का आंकड़ा 200 के पार जा पहुंचा है जो कि चार दिन पहले 100 के आसपास था। आईटीबीपी, बीएसएफ, सीआईएसएफ जैसे बलों में कोविड संक्रमण के मरीज रोज बढ़ रहे हैं।

15 तक...

में अधिकतम तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, लेकिन मौजूदा समय में उत्तर भारत में लगातार दो से चार दिनों के अंतराल में पश्चिमी विक्षोभ पहुंच रहे हैं। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक इस साल पूरे भारत में भीषण गर्मी पड़ सकती है। गर्मी के सीजन में अधिकतम तापमान में 1 से 1.5 डिग्री सेल्सियस का इजाफा होने की संभावना है।

एक माह...

अनुसार भूकंप के झटके दोपहर 1 बजकर 45 मिनट पर आए। इसका केंद्र सतह से पांच किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप केंद्र प्रमुख (संचालन) जेएल गौतम ने कहा कि भूकंप का केंद्र उत्तर-पूर्वी दिल्ली में वजीरपुर के पास था। इससे पहले दिल्ली में 12 और 13 अप्रैल को भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। मालूम हो कि कोरोना वायरस महामारी के चलते लॉकडाउन के बीच ज्यादातर लोग घरों में ही हैं। ऐसे में धरती हिलते ही घबराहट की स्थिति बन जाती है।

ओलंपिक चैंपियन योवानोविच ने आत्महत्या की

लास एंजिलिस। शीतकालीन ओलंपिक 2006 में बॉबस्ले प्रतियोगिता में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाले पावेल योवानोविच ने आत्महत्या कर ली। वह 43 साल के थे। अमेरिकी बॉबस्ले एवं स्केलेटन महासंघ ने शनिवार को यह जानकारी दी। योवानोविच के टीम के पूर्व साथी और महासंघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आरोन मैकक्वायर ने कहा, शीतकालीन खेल जगत के लिए यह त्रासदी है।

रॉकफोर्ड पिचेस की मेरी प्रेट का निधन

लास एंजिलिस। महिला बेसबॉल लीग का हिस्सा रह चुकी मेरी प्रेट का निधन हो गया है। वह 101 बरस की थी। दिग्गज बेसबॉल खिलाड़ी मेरी 1940 के दशक में रॉकफोर्ड पिचेस की ओर से खेलती थी जो आल अमेरिकन गर्ल्स प्रोफेशनल बेसबॉल लीग (एएजीपीबीएल) की शुरुआती टीमों में से एक थी। मेरी पिचेस की शुरुआती टीम की अंतिम जीवित सदस्य थी। उनका मैसाचुसेट्स के क्विन्सी के जॉन स्कॉट नर्सिंग होम में सोते समय निधन हो गया। एएजीपीबीएल ने ट्वीट किया, हमें यह बताते हुए बेहद दुख हो रहा है कि रॉकफोर्ड पिचेस और केनोस कोमेट्स की पिचर रही मेरी प्रेट का छह मई को निधन हो गया। वह 101 बरस की थी।

फ्रांस टेनिस के प्रमुख ने कहा, खाली स्टेडियम में हो सकता है फ्रेंच ओपन

पेरिस। फ्रांस टेनिस महासंघ (एफएफटी) के प्रमुख बर्नार्ड गुइडिसेली ने रविवार को स्वीकार किया कि स्थगित हो चुके फ्रेंच ओपन का आयोजन खाली स्टेडियम में किया जा सकता है। कोरोना वायरस महामारी के कारण फ्रेंच ओपन को चार महीने के लिए टाला गया है। गुइडिसेली ने कहा कि उन्होंने अपने सभी विकल्प खुले रखे है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि एफएफटी को चले कोर्ट पर 24 मई से सात जून तक होने वाले इस ग्रैंडस्लैम को एकतरफा फैसला करते हुए 20 सितंबर से चार अक्टूबर तक स्थगित करने का कोई खेद नही है।

दुती ने अपने गांव में खाने के हजार पैकेट बांटे

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई में अपना योगदान देते हुए भारतीय फर्राटा धाविका दुती चंद ने भुवनेश्वर से लगभग 70 किलोमीटर दूर अपने पैतृक गांव के लोगों को खाने का पैकेट बांटे। दुती इस काम के लिए अधिकारियों से विशेष पास लेकर ओडिशा के जाजपुर जिले में अपने गाँव चाका गोपालपुर गई। दुती ने पीटीआई-भाषा से कहा, इस लॉकडाउन से मेरे गाँव के लोगों को बहुत तकलीफ में है।

वर्तमान भारतीय टीम में संपूर्ण क्षेत्ररक्षक का अभाव : कैफ

भाषा। नई दिल्ली

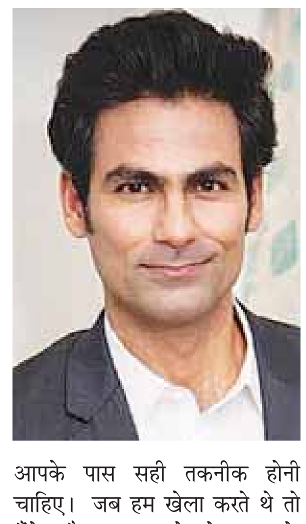

अपने जमाने के बेहतरीन क्षेत्ररक्षकों में से एक मोहम्मद कैफ का मानना है वर्तमान भारतीय टीम में उनके या युवराज सिंह जैसा कोई संपूर्ण क्षेत्ररक्षक नहीं है। कैफ से जब उनके जमाने की तुलना में भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण के बारे में पूछा गया तो उन्होंने वर्तमान टीम की कमजोरियों के बारे में बताया। अपने जमाने में युवराज सिंह प्वाइंट और कैफ एक्स्ट्रा कवर पर मुस्तैदी से खड़े रहते थे। इन दोनों ने अपने बल्लेबाजी कौशल के साथ साथ क्षेत्ररक्षण के कारण भी भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की की थी। कैफ ने यूट्यूब चैनल स्पोर्ट्सक्रीन से कहा, संपूर्ण क्षेत्ररक्षक बनने के लिए आपको कैच लेने में माहिर बनना होगा, आपका निशाना सटीक होना चाहिए। आप तेज गति से भागने में सक्षम होना चाहिए और तेजी से निकलती गेंद को पकड़ने के लिए आपके पास सही तकनीक होनी चाहिए। जब हम खेला करते थे तो मैंने और युवराज ने क्षेत्ररक्षण के कारण भी अपनी छाप छोड़ी। आज आपको भारतीय टीम में कई अच्छे क्षेत्ररक्षक मिलेंगे लेकिन मुझे नहीं लगता कि आपको कोई ऐसा खिलाड़ी दिखेगा जो क्षेत्ररक्षक के रूप में संपूर्ण पैकेज हो। एक खिलाड़ी जो स्लिप में कैच ले सकता है, जो शार्ट लेग पर कैच ले सकता, जो तेज दौड़ने में माहिर हो और लांग आन बाउंड्री पर क्षेत्ररक्षण कर सकता हो। मुझे (वर्तमान टीम में) ऐसे खिलाड़ी की कमी लगती है। इस 39 वर्षीय क्रिकेटर ने कहा कि रविंद्र जडेजा उम्र बढ़ने के साथ बेहतर क्षेत्ररक्षक बनता जा रहा है लेकिन भारत की स्लिप में कैचिंग में अब भी बहुत सुधार की संभावना है। रविंद्र जडेजा अच्छा क्षेत्ररक्षक है। असल में वह उम्र बढ़ने के साथ बेहतर होता जा रहा है। उसके क्षेत्ररक्षण में सुधार हो रहा है। लेकिन भारत का स्लिप का क्षेत्ररक्षण थोड़ा कमजोर है। सीमित ओवरों की क्रिकेट में विराट कोहली और रोहित शर्मा में से सर्वश्रेष्ठ कौन की चर्चा के बारे में कैफ ने कहा कि अगर ए दोनों भिन्न टीमों से खेल रहे हों तो वह मुंबई के खिलाड़ी का खेल देखना पसंद करेंगे। अगर किसी शहर में एक साथ दो मैच खेले जा रहे हों तथा एक में विराट और दूसरे में रोहित खेल रहा हो तो फिर मैं वह मैच देखने के लिए जाऊंगा जिसमें रोहित शर्मा खेल रहा होगा। निसंदेह विराट का टेस्ट और सीमित ओवरों की क्रिकेट दोनों में शानदार रिकार्ड है लेकिन रोहित की बल्लेबाजी में कलात्मकता है। वह ऐसा बल्लेबाज है जो गेंदों की धुनाई करता है और गेंदबाज को इसका अहसास भी नहीं होने देता।

क्रिकेटरों को कोविड-19 खतरे के साथ रहना होगा: गंभीर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध के अलावा कोविड-19 महामारी के बाद क्रिकेट खेलने के तरीके में ज्यादा बदलाव नहीं दिखते। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद गेंद को चमकाने के लिए लार के बजाय कृत्रिम पदार्थ के इस्तेमाल को वैध करने पर विचार कर रही है। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मुझे नहीं लगता कि कभी नियम और दिशानिर्देश बदलेंगे, आपको शायद गेंद पर लार के इस्तेमाल का विकल्प मिल सकता है, इसके अलावा मुझे नहीं लगता कि कभी बदलाव होंगे। खिलाड़ियों और अन्य सभी को भी इस वायरस के साथ जीने की जरूरत होगी, शायद उन्हें इसका आदी होना होगा क्योंकि यह वायरस है जो हमेशा रहेगा। खिलाड़ी इससे संक्रमित भी हो सकते हैं लेकिन आपको इसके साथ ही रहना होगा। क्रिकेट में हालांकि कुछ हद तक सामाजिक दूरी संभव है लेकिन अन्य खेलों में ऐसा करना मुश्किल होगा। सामाजिक दूरी और अन्य नियम किसी भी खेल के लिए बरकरार रखने आसान नहीं होंगे। आप क्रिकेट में फिर भी ऐसा कर सकते हो लेकिन आप फुटबॉल, हॉकी और अन्य खेलों में यह कैसे करोगे? इसलिए मुझे लगता है कि आपको इसके साथ ही रहना होगा, और अगर आप इसे जल्दी स्वीकार कर लो तो बेहतर होगा।

अगर गेंद स्टंप से टकरा रही है तो बल्लेबाज को पगबाधा आउट दिया जाना चाहिए: चैपल

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने पगबाधा से जुड़े नियमो में आमूलचूल बदलाव का प्रस्ताव देते हुए कहा है कि अगर गेंद विकेटों से टकरा रही है तो बल्लेबाज को आउट दिया जाना चाहिए फिर चाहे गेंद कही भी पिच हुई हो या फिर किसी भी लाइन पर बल्लेबाज से टकराई हो। चैपल ने साथ ही कहा कि कप्तानों को गेंद पर काम करने के एक तरीके पर सहमति बनानी होगी जिससे कि स्विंग गेंदबाजी को प्रोत्साहन मिले। कयास लगाए जा रहे है कि कोविड-19 के बाद खेल शुरू होने की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद लार की जगह कृत्रिम पदार्थ के इस्तेमाल की स्वीकृति देने पर विचार कर रहा है। चैपल ने ईएसपीएनक्रिकइंफो पर अपने कॉलम में लिखा, नए पगबाधा नियम इस तरह होने चाहिए: कोई भी गेंद अगर बल्ले से टकराए बिना अगर पहले पैड से टकराती है और अंपायर के नजरिए से अगर स्टंप से टकरा रही है तो आउट दिया जाना चाहिए, फिर भले की शाट खेला गया हो या नही। भूल जाइए कि गेंद कहां पिच हुई और यह पैड से स्टंप की लाइन पर टकराई या नही। अगर गेंद स्टंप से टकरा रही है तो आउट दिया जाना चाहिए। इस 76 वर्षीय पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि पगबाधा के नियमों के बदलाव की उम्मीद के मुताबिक बल्लेबाज आलोचना करेंगे लेकिन इससे खेल अधिक निष्पक्ष होगा। निश्चित तौर पर इस पर बल्लेबाज हाय-तौबा मचाएंगे लेकिन यह बदलाव खेल मे काफी सकारात्मक चीजे लेकर आएगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि खेल निष्पक्ष होगा। अगर गेंदबाज नियमित रूप से स्टंप को निशाना बनाने को तैयार है तो बल्लेबाज को सिर्फ बल्ले से अपना विकेट बचाना चाहिए। पैड बल्लेबाज को चोट से बचाने के लिए है, आउट होने से बचाने के लिए नही। इससे दाएं हाथ के बल्लेबाज के लेग स्टंप के बाहर कलाई के स्पिनर के गेंद पिच कराने से निपटने के लिए बल्लेबाजो को आक्रामक रुख अपनाने को बाध्य होना पड़ेगा। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का उदाहरण दिया जिन्होंने भारत में 1997-98 की श्रृंखला के दौरान शेन वार्न की राउंड द विकेट गेंदबाजी की रणनीति का अच्छी तरह सामना किया था। 1997-98 मे चेन्नई मे राउंड द विकेट गेंदबाजी कर रहे शेन वार्न के खिलाफ सचिन तेंदुलकर का आक्रामक और सफल रवैया या फिर लेग स्टंप के बाहर पिच होकर स्टंप की तरफ आ रही गेंद पर बल्लेबाज का पैर मारना। आप क्या देखना पसंद करेंगे? उन्होंने कहा, मौजूदा नियम लेग साइड के बाहर पिच होने वाली गेंदो के खिलाफ पैड से खेलने को प्रोत्साहित करते है जबकि यह बदलाव उन्हें अपने बल्ले का इस्तेमाल करने के लिए बाध्य करेगा। यह बदलाव स्टंप को निशाना बनाने वाले गेंदबाजो को फायदा देगा और आफ साइट मे अधिक लोगो के साथ लेग साइड के बाहर नकारात्मक गेंदबाजी की जरूरत को कम करेगा लार के बिना गेंद को चमकाने के तरीके पर चैपल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कप्तानो को गेंद पर काम करने का तरीका ढूंढना होगा। गेंद से छेड़छाड़ हमेशा बड़ा मुद्दा रहा है, अतीत मे मैने सुझाव दिया था कि प्रशासक अंतरराष्ट्रीय कप्तानो से कहे कि वे प्राकृतिक पदार्थो के इस्तेमाल की सूची तैयार करेंगे जिनके बारे मे गेंदबाजो को लगता है कि इससे गेंद को स्विंग कराने मे मदद मिलेगी। इस सूची मे से प्रशासको को एक तरीका चुनना चाहिए जिसे वैध बनाया जाए और अन्य सभी तरीको के लिए अवैध के रूप मे सजा दी जानी चाहिए।

पेस ने संन्यास पर फैसला करने लिए प्रशंसकों से मांगी सलाह

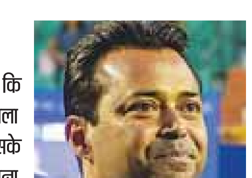

नई दिल्ली। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने कहा कि वह अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने का फैसला खेल के दोबारा शुरू होने के बाद करेंगे लेकिन उन्होने इसके लिए प्रशंसकों से राय भी मांगी कि उन्हें 2021 में खेलना जारी रखना चाहिए या नही। अपने शानदार करियर में ग्रैंडस्लैम (पुरूष युगल और मिश्रित युगल) के 18 खिताब जीतने वाले पेस ने ट्विटर पर लाइव वीडियो सत्र में एक सवाल के जवाब में कहा कि वह चाहते है कि प्रशंसक उन्हे बताए कि उन्हे 2021 मे खेलना जारी रखना चाहिए। पेस ने पिछले साल कहा था कि 2020 का सत्र उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी सत्र होगा लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण ओलंपिक सहित सभी बड़े टूर्नामेंटो को स्थगित या रद्द कर दिया गया। ऐसे में 46 साल के इस खिलाड़ी के आगे के करियर पर सवाल उठने लगे है। पेस ने एक सवाल के जवाब मे कहा, मेरे लिए आगे का फैसला करना रोचक होगा क्योंकि ओलंपिक को एक साल के लिए टाल दिया गया है। ग्रैडस्लैम के कैलेंडर मे बदलाव हुआ है। फ्रेंच ओपन अक्टूबर मे होगा। यूएस ओपन न्यूयॉर्क से बाहर खेला जाएगा। विम्बलडन रद्द हो गया है। मै आप से पूछना चहूंगा कि क्या मुझे 2021 मे खेलना चाहिए। इस खेल को लेकर मेरे जूनून के अलावा मेरे खेलने का क्या कारण होना चाहिए। मुझे इसके लिए प्रेरणा की जरूरत है। और इस प्रेरणा के कारण ही मै हर दिन तीन से चार घंटे का अभ्यास कर रहा हूं और जिम मे पसीना बहा रहा हूं। देश के महानतम खिलाड़ियों मे एक माने जाने पेस ने कहा, अगर आप (प्रशंसक) मुझे इसका जवाब दे सके कि मुझे खेल क्यो जारी रखना चाहिए तो हो सकता है कि आपके किसी जवाब से मुझे प्रेरणा मिले और फैसला ले सकूं।

कोहली ने पुलिस के सम्मान में ट्विटर पर डीपी बदली

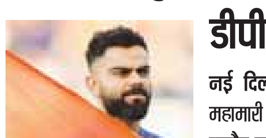

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कोविड-19 महामारी के दौरान जान जोखिम में डाल कर अपने काम पर मुस्तैद रहने वाली पुलिस की तारीफ करते हुए ट्विटर पर अपनी डीपी (प्रदर्शित तस्वीर) में महाराष्ट्र पुलिस का प्रतीक चिह्न लगाया है। कोहली ने मुश्किल के हर समय मे नागरिको की मदद के लिए महाराष्ट्र पुलिस की तारीफ करते हुए लोगो से सोशल मीडिया मे अपनी डीपी पर पुलिस का प्रतीक चिह्न को लगाने का आग्रह किया। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 (टेस्ट और एकदिवसीय) शतक लगाने वाले इस खिलाड़ी ट्वीट किया, महाराष्ट्र पुलिस किसी भी आपदा, हमले और उससे बनी परिस्थिति मे नागरिको के साथ खड़ी रहती है। आज जब वे सड़को पर कोरोना वायरस के खिलाफ युद्ध का नेतृत्व कर रहे है, तो मैने ट्विटर पर महाराष्ट्र पुलिस के प्रतीक चिह्न को अपनी डीपी पर लगाकर उन्हे सम्मान देने का फैसला किया है। इस प्रयास में आप मेरा साथ दे।

अक्मल ने संदिग्ध सट्टेबाजों की जानकारी देने से इनकार किया था: पीसीबी सूत्र

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्रों ने बताया है कि बल्लेबाज उमर अक्मल ने अनुशासनात्मक समिति के समक्ष संदिग्ध सट्टेबाजों के साथ दो मुलाकात की जानकारी देने से इनकार कर दिया था। अनुशासनात्मक समिति ने इसके बाद अक्मल को तीन साल के प्रतिबंध की सजा सुनाई। सूत्रो के अनुसार अक्मल ने लाहौर की डिफेंस हाउसिंग सोसाइटी में दो अज्ञात लोगो के साथ मुलाकात की थी। उमर ने दावा किया कि ए दोनों व्यक्ति उनसे डिफेंस हाउसिंग सोसाइटी मे उनके दोस्त की पार्टी मे मिले थे। लेकिन उन्होंने भ्रष्टाचार रोधी अधिकारियो को यह तक बताने से इनकार कर दिया कि इन मुलाकातो के दौरान क्या चर्चा हुई। यहां तक कि जब भ्रष्टाचार रोधी अधिकारियों ने कराची मे 19 और 20 फरवरी के बीच की रात की रिपोर्ट उसे दी तो अक्मल ने स्वीकार किया कि इस मुलाकात की जानकारी नही देकर उसने गलती की लेकिन कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया। पीसीबी की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तहत अक्मल को दो आरोपो का दोषी पाया गया और 27 अप्रैल को उन्हे 19 फरवरी 2023 तक क्रिकेट से जुड़ी सभी गतिविधियो से प्रतिबंधित कर दिया गया।

साइ ने प्रशिक्षण शुरू करने के तरीके पर विचार के लिए समिति का गठन किया

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने कोरोना वायरस के कारण देशभर में लागू लॉकडाउन के हटने के बाद सभी केंद्रो में खेल से जुड़े प्रशिक्षण को शुरू करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के लिए छह सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस छह सदस्यीय समिति की अध्यक्षता साइ के सचिव रोहित भारद्वाज करेंगे जबकि टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश राजगोपालन, कार्यकारी निदेशक (परिचालन) एस.एस. रॉय, एस.एस. सरला, कर्नल बीके नायक और टॉप्स के सहायक निदेशक सचिन के. इसके अन्य सदस्य है। कोविड-19 महामारी के कारण साइ के सभी केंद्रों में अभ्यास और प्रशिक्षण बंद है। समिति एसओपी का मसौदा तैयार करेगी जिसमें प्रशिक्षण शुरू होने के बाद इस महामरी से बचाव का उपाय होगा। प्रशिक्षुओं, कोचों, तकनीकी और गैर-तकनीकी सहायता कर्मचारियों, एनएसएफ (राष्ट्रीय खेल महासंघों), प्रशासकों के अलावा मेस और छात्रावास के कर्मचारियों को इस मसौदे के मुताबिक ही काम करना होगा।

खिलाड़ियों को कोरोना मुक्त रखने के लिए हमें सतर्क रहना होगा: रीजीजू

नई दिल्ली। भारत मे मुख्य केंद्रो पर आउटडोर ट्रेनिंग शुरू करने की योजना बनाई जा रही है और खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि खिलाड़ियो को कोविड-19 वायरस की चपेट मे आने से बचाने के लिए सरकार को थोड़ा सतर्क रहना होगा। रीजीजू पहले ही कह चुके है कि मंत्रालय ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय शिविर चरणबद्ध तरीके से कराने के लिए योजना बना रहा है। इसकी शुरूआत इस महीने के अंत में पटियाला एनआईएस और बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में ठहरे खिलाड़ियों के साथ होगी। एक खाका तैयार किया जा रहा है। अगर शीर्ष खिलाड़ियों को कुछ भी हुआ तो यह करारा झटका होगा इसलिए हमें सतर्क रहना होगा और इसलिए अभी तक हमारे खिलाड़ियों में कोई भी कोरोना वायरस से संक्रमित नही हुआ है। खिलाड़ी हमारे देश का गौरव है इसलिए हम कोई भी जोखिम नही उठा सकते। उन्होने इंडिया टुडे से कहा, चिकित्सीय विशेषज्ञ, तकनीकी समिति चीजों पर काम कर रहे है। हमने तैयारी शुरू कर दी है और लॉकडाउन के बाद एनआईएस पटियाला, दिल्ली के आईजी स्टेडियम, साइ केंद्रो, मुख्य खेल केंद्रो को खोला जाएगा। देशव्यापी लॉकडाउन को 17 मई तक बढ़ा दिया गया जिससे खेल मंत्रालय को भी साइ केंद्रो पर ट्रेनिंग शिविर को शुरू करने में देरी करनी पड़ी। रीजीजू ने साथ ही आश्वस्त किया कि सभी खिलाड़ियों और कोचों की देखभाल की जाएगी और उन्हें इस मुश्किल समय में परेशानी में नही छोड़ा जाएगा।

हाकी दिग्गज बलबीर सीनियर का कोविड टेस्ट नेगेटिव, पर स्थिति अब भी नाजुक

चंडीगढ़। अपने जमाने के दिग्गज हाकी खिलाड़ी और ओलंपिक मे तीन बार के स्वर्ण पदक विजेता बलबीर सिंह सीनियर का कोरोना वायरस के लिए परीक्षण नेगेटिव आया है लेकिन उनकी स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। इस 96 वर्षीय दिग्गज के नाती कबीर ने पीटीआई-भाषा से कहा, उनकी कोविड-19 की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। बलबीर सीनियर को न्यूमोनिया की शिकायत के बाद शुक्रवार को फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कबीर ने कहा, उनकी स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है और उन्हे जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है। हालांकि जब उन्हे अस्पताल मे भर्ती कराया गया था तब की तुलना मे उनकी स्थिति थोड़ी बेहतर हुई है। बलबीर सीनियर को सेक्टर-36 स्थित अपने आवास से निजी अस्पताल ले जाया गया था।

एनडीएमए ने विशाखापत्तनम जैसे हादसों से बचने के लिए उद्योगों को फिर से खोलने के दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली। विशाखापत्तनम में एक कारखाने में गैस रिसाव की घटना के बाद राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने लॉकडाउन के बाद उद्योगों को फिर से खोलने और कामगारों के साथ-साथ संयंत्रों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले एहतियाती कदमों के लिए विस्तार से दिशानिर्देश जारी किए है। सभी राज्यो और केंद्र शासित प्रदेशो को भेजे संदेश मे एनडीएमए ने कहा कि कई हफ्तो तक लॉकडाउन और उद्योग बंद रहने के कारण ऐसा हो सकता है कि कुछ संचालक पहले से स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन नही कर रहे हों। ऐसे में हो सकता है कि विनिर्माण संयंत्रो, पाइपलाइन, वॉल्व आदि मे कुछ रसायन बचा हो जिससे जोखिम पैदा हो सकता है। कुछ यही बात नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों और आग पकड़ने वाली सामग्री की भंडारण सुविधाओं के साथ भी लागू होती है। एनडीएमए के दिशानिर्देशों में कहा गया है कि उद्योगों के संचालन संबंधी सुरक्षा के सभी प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के बाद पहले हफ्ते मे प्रायोगिक तौर पर काम शुरू किया जाना चाहिए। इसमे कहा गया है कि कंपनियों को लॉकडाउन के बाद पहले ही हफ्ते से अधिक उत्पादन के लक्ष्यों को हासिल करने की कोशिश नही करनी चाहिए। कारखाना परिसरो को चौबीसो घंटे सैनिटाइज रखना चाहिए।

देश में 401 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत 4.06 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली। देश मे 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक मूल्य की 401 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत देरी और अन्य कारणों से 4.06 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है। भारत सरकार की एक रिपोर्ट से यह पता चलता है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए और उससे अधिक मूल्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। इस तरह की।,701 परियोजनाओं मे 401 परियोजनाओं की लागत मे बढ़ोतरी हुई है, जबकि 583 परियोजनाएं देरी से चल रही है। दिसंबर 2019 के लिए मंत्रालय की एक ताजा रिपोर्ट मे कहा गया है, इन 1701 परियोजनाओं के कार्यान्वयन की कुल मूल लागत 20,65,739.00 करोड़ रुपए थी और इनके पूरा होने पर अनुमानित लागत अब 24,71,954.78 करोड़ रुपए है। यह लागत मे कुल 4,06,215.73 करोड़ रुपए (मूल लागत का 19.66 प्रतिशत) की बढ़ोतरी को दर्शाता है।

कबाड़ नीति से मिलेगी वाहनों की मांग बढ़ाने में मदद

नई दिल्ली। बहुप्रतीक्षित वाहन कबाड़ नीति से वायु प्रदूषण घटाने, ईंधन की खपत कम करने और सड़क दुर्घटनाओ मे तो कमी लाने मे मदद मिलेगी ही, इससे कोरोना वायरस महामारी के बीच देश मे नए वाहनो की मांग भी बढ़ेगी। उद्योग क्षेत्र के सूत्रों ने यह बात कही। उद्योगजगत के एक सूत्र ने कहा कि प्रस्तावित वाहन कबाड़ नीति को केंद्र के साथ राज्य सरकारो के समर्थन की भी जरूरत है। उद्योग के एक अन्य सूत्र ने कहा कि दोनों स्तरों पर सरकारो को साथ मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाना होगा। उन्हे बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देना होगा। सूत्र ने कहा कि प्रोत्साहन आधारित व्यवस्था से यह योजना आकर्षक बन सकेगी और लोग अपने पुराने वाहनो को नए वाहनो से बदलने को प्रोत्साहित होंगे।

एनटीपीसी के विंध्याचल, सिपत समेत तीन बिजलीघरों में पूर्ण क्षमता पर उत्पादन

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी के विंध्याचल और सिपत समेत तीन तापीय बिजलीघरो मे नौ मई को शत प्रतिशत क्षमता पर विद्युत उत्पादन हुआ। इन संयंत्रो मे पीएलएफ (प्लांट लोड फैक्टर) 100 प्रतिशत का हासिल होना इन तीनों संयंत्रो मे परिचालन दक्षता और अनुकूलतम क्षमता उपयोग को बताता है। सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी की रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार नौ मई को उसके तीन तापीय बिजलीघर...मध्य प्रदेश में विंध्याचल (4760 मेगावाट), ओड़िशा में तालचर कनिहा (3,000 मेगावाट) और छत्तीसगढ़ में सीपत (2,980 मेगावाट)...ने शत प्रतिशत उत्पादन क्षमता पर काम किया। इससे पहले, 13 अप्रैल 2020 को विंध्याचल बिजलीघर 100 प्रतिशत पीएलएफ हासिल करने मे सफल रहा था। इसके साथ एनटीपीसी की हिमाचल प्रदेश में पनबिजली इकाई कोडलडैम वित्त वर्ष 2020-21 में बेहतर पनबिजली स्टेशन के रूप मे उभरी है।

सरकारी बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक करेंगी सीतारमण

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ समीक्षा बैठक करेंगी, जिसमें कर्ज के उठाव की स्थिति सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

यह बैठक कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने के प्रयासों का हिस्सा है। सूत्रों ने कहा कि यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। इसमें कर्ज लेने वालों तक ब्याज दर में कमी का फायदा पहुंचाने तथा कर्ज की किस्तों के भुगतान के लिए बैंकों की ओर से मोहलत देने की योजना की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 27 मार्च को अपनी नीतिगत ब्याज दर (रेपो दर) में 0.75 प्रतिशत की बड़ी कटौती की थी। इसके अलावा रिजर्व बैंक ने बैंकों से लॉकडाउन से प्रभावित कर्जदारों किस्त चुकाने में तीन महीने तक किस्तों के भुगतान में राहत देने की भी घोषणा की थी। इस महीने की शुरुआत में, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक की थी। उन्होंने बैठक में आर्थिक स्थिति का जायजा लिया था तथा केंद्रीय बैंक द्वारा घोषित विभिन्न

आज ऋण प्रवाह की होगी समीक्षा

मोहलत देने जैसे सहायता के उपायों के कार्यान्वयन की समीक्षा की थी। सोमवार की बैठक में रिवर्स रेपो के जरिए बैंकों के लिए अतिरिक्त पूंजी की व्यवस्था का भी मुद्दा चर्चा के लिए सामने रखा जा सकता है। इसके अलावा, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एमएफआई) के लिए लक्षित दीर्घकालिक रेपो परिचालन (टीएलटीआरओ) की प्रगति तथा कोविड-19 आपातकालीन ऋण सुविधा के तहत कर्ज के आवंटनों की भी समीक्षा की जाएगी। आपातकालीन ऋण सुविधा के तहत, कर्जदार मौजूदा कोष आधारित कार्यशील पूंजी के अधिकतम 10 प्रतिशत के बराबर कर्ज का लाभ उठा सकते हैं। इसकी अधिकतम सीमा 200 करोड़ रुपए है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने लॉकडाउन की शुरुआत के बाद से (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों) एमएसएमई क्षेत्र और अन्य कंपनियों को 42,000 करोड़ रुपए के ऋण की मंजूरी दी है। वित्त मंत्री ने बृहस्पतिवार को कहा था कि रिजर्व बैंक द्वारा घोषित तीन महीने तक कर्ज की किस्तों के भुगतान से राहत योजना के तहत 3.2 करोड़ कर्जदारों ने लाभ उठाया है। उन्होंने ट्वीट किया था, "पीएसबी ने आरबीआई की सिफारिशों के अनुसार कर्ज की किस्तें चुकाने से राहत देने का काम पूरा कर लिया है। इस लाभ को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाए जाने से 3.2 करोड़ से अधिक खातों को तीन महीने की राहत मिल पाना सुनिश्चित हुआ। संदेहों के त्वरित समाधान ने ग्राहकों की चिंता दूर की। इससे लॉकडाउन के दौरान जिम्मेदार बैंकिंग सुनिश्चित हुआ। सीतारमण ने यह भी कहा था कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने मार्च-अप्रैल के दौरान 5.66 लाख करोड़ रुपए के ऋण मंजूर किए हैं। लॉकडाउन हटाए जाने के तुरंत बाद इनका वितरण शुरू हो जाएगा, जिससे आर्थिक गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ेंगी। कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने एनबीएफसी और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) को निरंतर ऋण प्रवाह बनाए रखने में मदद करने के लिए एक मार्च से चार मई के बीच 77,383 करोड़ रुपए के ऋण को मंजूरी दी। इसके अलावा, लक्षित दीर्घकालिक रेपो परिचालन (टीएलटीआरओ) के तहत, कुल 1.08 लाख करोड़ रुपए के वित्तपोषण की व्यवस्था व्यापार स्थिरता और निरंतरता को सुनिश्चित करनै के लिए की गई।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.50 लाख करोड़ रुपए घटा

भाषा। नई दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सप्ताह 2,50,825.28 करोड़ रुपए घट गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक सर्वाधिक नुकसान उठाने वाली कंपनियां रहीं। आलोच्य सप्ताह के दौरान शीर्ष 10 कंपनियों में सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि दर्ज की गई। बीते सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण सर्वाधिक 45,535.19 करोड़ रुपए कम होकर 7,10,514.04 करोड़ रुपए पर आ गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 39,923.11 करोड़ रुपए घटकर 5,09,430.95 करोड़ रुपए और एचडीएफसी की बाजार हैसियत 39,386.76 करोड़ रुपए कम होकर 2,92,664.08 करोड़ रुपए पर आ गई। इस दौरान आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 29,316.97 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ।,94,586.02 करोड़ रुपए पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 27,288.27 करोड़ रुपए गिरकर 2,18,670.85 करोड़ रुपए, कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण 26,457.32 करोड़ रुपए लुढ़ककर 2,33,132.42 करोड़ रुपए, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार मूल्यांकन 25,221.54 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 4,90,651.15 करोड़ रुपए और इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 17,696.12 करोड़ रुपए कम होकर 2,87,332.93 करोड़ रुपए पर आ गया।

कोविड–19 लंबा खिंचा, तो गंभीर संकट में आ जाएंगी भारतीय स्टार्टअप कंपनियां : विशेषज्ञ

बेंगलुरु । कोविड–19 संकट लंबा खिंचने पर करीब 25 प्रतिशत भारतीय स्टार्टअप गंभीर संकट में आ जाएंगे। सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के दिग्गज सेनापति गोपालकृष्णन ने यह राय व्यक्त की है। इन्फोसिस के सह संस्थापक गोपालकृष्णन ने पीटीआई–भाषा से कहा कि करीब 25 प्रतिशत स्टार्टअप ऐसे हैं जिनके पास सिर्फ छह माह तक परिचालन के लिए संसाधन हैं। यदि इतने समय में स्थिति नहीं सुधरती है तो उन्हें गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, अभी ऐसा होता दिख नहीं रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, मुझे लगता है कि 25 प्रतिशत स्टार्टअप को गंभीर संकट से जूझना होगा। यदि उन्हें अतिरिक्त निवेश मिलता है, तो वे टिके रहेंगे, अन्यथा विफल हो जाएंगे। सभी नहीं, इनमें से कुछ ही विफल होंगे।

कोरोना वायरस संकट: सरकार विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई उपायों पर कर रही काम

नई दिल्ली। सरकार कोरोना वायरस संकट के बीच संभावित निवेशकों को देश में आकर्षित करने के इरादे से बड़े स्तर पर भूखंडो की उपलब्धता सुनिश्चित करने समेत कई पहल कर रही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। कोविड-19 संकट के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से कई विदेशी कंपनियां चीन पर निर्भरता कम करने और अन्य देशों मे विनिर्माण इकाइयां लगाने पर गौर कर रही है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, हम कई पहल पर काम कर रहे है। जहां तक जमीन का सवाल है, राज्य सरकारें खाली भूखंडो के आंकड़े जुटा रही है। हम उनका हिसाब जोड़ेंगे और आने वाले निवेशको को उसकी पेशकश करेंगे। निर्यात संगठनो का महासंघ (फियो) के अयक्ष शरद सर्राफ का कहना है कि राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों पर समयबद्ध तरीके से काम करने की जिम्मेदारी नियत करना, समय पर मंजूरी नही मिलने पर लाइसेंस और परमिट को दिया हुआ मान लेना, जमीन अधिग्रहण कानून मे बदलाव, एक महीने मे बिजली कनेक्शन और दो महीनो मे बैंक से कर्ज की मंजूरी जैसे उपायो से विदेशी निवेशको को आकर्षित करने मे मदद मिल सकती है।

पहले से तैयार समाधान पैकेज से दिवालिया प्रक्रिया में मदद मिलेगी: विशेषज्ञ

नई दिल्ली। विशेषज्ञों के मुताबिक पहले से तैयार कॉरपोरेट दिवालिया समाधान पैकेज से अवरुद्ध ऋण समाधान प्रक्रिया में तेजी आएगी और साथ ही राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष दिवालिया संबंधी लंबित मामले भी कम होंगे। ऋण शोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) ऐसे विवादों का एक समयबद्ध और बाजार से जुड़ा समाधान मसौदा मुहैया कराती है। एनसीएलटी दिवाला समाधान योजनाओं को मंजूरी देता है। मामलों के तेजी से समाधान के तहत सरकार पहले से तैयार कॉरपोरेट दिवालिया समाधान योजना के पस्ताव पर विचार कर रही है, जिसमें कंपनी और उसके लेनदारों के बीच एक पुनर्गठन योजना पर पहले से सहमति होगी।

ट्रेड यूनियन ने मांगा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों,छोटी इकाइयों के लिए तीन लाख करोड़ रु.का पैकेज

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रमिक संगठन ट्रेड यूनियन कोआर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी) ने सरकार से कोरोना वायरस महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए असंगठित क्षेत्र के मजदूरों और सूक्ष्म, लघु और मझोले (एमएसएमई) क्षेत्र के उद्यमों को तीन लाख करोड़ रुपए का राहत पैकेज दिए जाने की मांग की है।

कपड़ा उद्योग नए माहौल में खुद को ढाले, पैकेज मांगना बंद करे: ईरानी

कोलकाता। केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को कपड़ा उद्योग से नए माहौल में खुद को ढालने और सरकार से वित्तीय पैकेज मांगना बंद करने को कहा। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण सरकार के वित्त पर पहले से अच्छा-खासा दबाव है। उन्होंने मर्चेन्ट्स चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के सदस्यों के साथ बातचीत में कहा, उद्योग के लिए यह समय आत्ममंथन का है। कपड़ा उद्योग पैकेज या समर्थन की मांग कर रहा है...अब समय नई दिशा और नई सोच का है। उद्योग के पास क्षमता है। अगर वे नए माहौल में खुद को ढालते है, उन्हे किसी पर निर्भर रहने की जरूरत नही है। ईरानी ने डाक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के लिए पिछले डेढ़ महीने मे पीपीई (व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण) बनाए जाने का उदाहरण दिया।

चालू वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 70 करोड़ टन पर पहुंचेगा कोयला उत्पादन : सचिव

नई दिल्ली। देश का कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष 2020-21 में रिकॉर्ड 70 करोड़ टन रहेगा। कोयला सचिव अनिल जैन ने रविवार को कहा कि इससे देश को कोयले के आयात में कमी लाने मे मदद मिलेगी। बीते वित्त वर्ष 2019-20 मे देश मे 60.21 करोड़ टन कोयले का उत्पादन हुआ, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2018-19 के 60.6 करोड़ टन के उत्पादन से कुछ कम है। जैन ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा कि भारत सालाना 23.5 करोड़ टन कोयले का आयात करता है। इसमे से आधे का आयात रोका नही जा सकता, क्योंकि बिजली संयंत्रों और कारखानों ने उसके लिए पहले से अनुबंध किया हुआ है।

बगदाद में अपनी मांगों को लेकर सरकार के विरोध में प्रदर्शन करते लोग

ब्रिटेन में लॉकडाउन बढ़ाए जाने की उम्मीद

एपी। लंदन

● जॉनसन ने संकेत दिए थे कि सोमवार से बंद के नियमों में कुछ बदलाव हो सकता है

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन रविवार की शाम जब लोगों को संबोधित करेंगे तो उम्मीद है कि अन्य राष्ट्रों से इतर वह देश में जारी कोरोना वायरस लॉकडाउन की पाबंदियों को तीन और हफ्ते के लिए बढ़ाने की घोषणा करें। जॉनसन ने संकेत दिए थे कि सोमवार से बंद के नियमों में कुछ बदलाव हो सकता है और इसके बाद करीब एक हफ्ते तक ऐसे मिलेजुले संकेत आते रहे, लेकिन सरकार ने अब इन अटकलों पर विराम लगाने की बात कही है क्योंकि पाबंदियों में रियायत की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसकी वजह यह है कि ब्रिटेन में अब भी कोरोना वायरस संक्रमण के काफी मामले मिल रहे हैं जबकि 31,662 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।परिवहन मंत्री ग्रांट शैप्स ने शनिवार को कहा कि इसमें अत्यधिक सावधानी बरते जाने की जरूरत है। उनका यह बयान ब्रिटिश पुलिस की उस चेतावनी के बाद आया है जिसमें उसने कहा था कि वो हारी हुई जंग लड़ रहे हैं क्योंकि लंदन के लोग पार्कों में जा रहे हैं, दक्षिणी इंग्लैंड के तटीय क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं और कई लोग उन यात्राओं पर जा रहे हैं जिन्हें बंद के दौरान अनावश्यक माना जा रहा है। शैप्स ने कहा, यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम बीते सात हफ्तों के नियमों और दिशानिर्देशों के पालन के शानदार काम पर सिर्फ इसलिए पानी न फेर दें क्योंकि सप्ताहांत पर दिन काफी सुहावना है।

उन्होंने कहा, यह पूरी तरह त्रासद होगा। चिंता की बात यह है कि 23 मार्च को ब्रिटेन में शुरू हुए बंद से स्पष्ट रूप से वायरस का प्रसार कम हुआ है लेकिन जितना सोचा गया था उससे कहीं ज्यादा लंबे वक्त तक लागू रखने की जरूरत है। जॉनसन ने भी संक्रमण और मौत के दूसरे चरण को लेकर चिंता जाहिर की है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों का भी यही कहना है कि यह दुनिया भर में होने जा रहा है क्योंकि देशों ने बंद के नियमों में ढील दी है।जॉनसन की कंजरवेटिव सरकार को महामारी को लेकर सुस्ती बरतने और चिकित्साकर्मियों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण नहीं मुहैया कराने के आरोपों का भी सामना करना पड़ा। दुनिया के अन्य नेताओं के मुकाबले जॉनसन ने वायरस के इस खतरे को कहीं ज्यादा करीब से महसूस किया है। वह दो हफ्ते पहले ही कोविड-19 की वजह से अस्पताल में भर्ती रहने के बाद वापस लौटे हैं। जॉनसन आगे की उस योजना की घोषणा करने वाले हैं कि कैसे ब्रिटेन बंद में कुछ राहत के उपायों को शुरू कर सकता है। खासतौर पर सामाजिक दूरी के इस युग में थम चुकी अर्थव्यवस्था और स्कूलों को कैसे खोला जाए। इस बात की भी अटकलें हैं कि जॉनसन आयरलैंड को छोड़कर ब्रिटेन आने वाले सभी यात्रियों के लिए 14 दिन के अनिवार्य पृथक-वास की घोषणा करेंगे जिसका मकसद महामारी के प्रसार को रोकना है।

अफ्रीका में कोरोना वायरस संक्रमण के 60,000 से अधिक पुष्ट मामले

एपी। जोहानिसबर्ग

अफ्रीका में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 60,000 से अधिक मामलों की पुष्टि हुई है। अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक, महाद्वीप के सभी 54 देश में कोरोना वायरस के मरीज सामने आए हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका में सबसे अधिक 9,400 मामले सामने आए हैं। जांच क्षमता की व्यापक कमी इन देशों के लिए चुनौती बनी हुई है और ऐसे में माना जा रहा है कि मरीजों की संख्या कहीं अधिक हो सकती है। कुछ देशों ने खतरे के बावजूद लॉकडाउन में ढील देनी शुरू कर दी है। इनका तर्क है कि लोगों को अपनी जीविका कमाने और परिवार का पेट भरने के लिए लॉकडाउन के नियमों में ढील दिए जाने की आवश्यकता है।

बच्चों को फिर से स्कूल भेजने को लेकर फ्रांस के अभिभावक चिंतित

एजेंसी। पेरिस

कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन में आठ हफ्ते तक रहने के बाद फ्रांस जहां सार्वजनिक जीवन को फिर से शुरू करने की तैयारी कर रहा है, वहीं कई परिजन इस बात को लेकर बेहद चिंतित हैं कि उन्हें अपने बच्चों को स्कूल भेजना चाहिए या नहीं। फ्रांस सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए 17 मार्च से लगाए गए प्रतिबंधों में कुछ ढील देनी शुरू की है जहां कारोबारों को खोलने की इजाजत दी गई, लोगों को काम पर लौटने और सोमवार से स्कूलों को फिर से खोलने की छूट दी गई है। शुरुआत में प्रीस्कूल और प्राथमिक स्कूलों को खोला जाएगा और प्रीस्कूल में 10 छात्र और प्राथमिक स्कूल में 15 छात्र से ज्यादा संख्या नहीं होगी। प्रशासकों को पांच, छह और 10 साल के बच्चों के लिए निर्देशों को प्राथमिकता देने को कहा गया है। कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित रहे फ्रांस में बीमारी के भय के चलते चरणबद्ध तरीके से सबकुछ शुरू किए जने के कारण स्कूल में उपस्थिति फिलहाल अनिवार्य नहीं होगी।परिजन एवं अभिभावक अपने बच्चों को घर पर रख सकते हैं और शिक्षक उन्हें उसी तरह से शिक्षा देंगे जैसे उन्होंने राष्ट्रव्यापी बंद के दौरान दी थी।जो परिजन बच्चों को स्कूल भेजना चाहते हैं जरूरी नहीं कि उनके बच्चों को छोटी कक्षाओं में जगह मिल पाए और उनको स्कूल आने की अनुमति तभी होगी जब स्कूल में उनके लिए जगह होगी। शिक्षा मंत्री जीन मिशेल ब्लैंकर ने अनुमान जताया है कि फ्रांस के 50,500 प्रीस्कूल एवं प्राथमिक स्कूलों में से 80 से 85 प्रतिशत स्कूल इस हफ्ते खुल जाएंगे। जिन क्षेत्रों में वायरस के मामले कम होंगे वहां 18 मई से माध्यमिक स्कूलों के खुलने की उम्मीद है।

ब्रिटेन से 323 भारतीयों को लेकर बेंगलुरु के लिए दूसरी उड़ान रवाना

भाषा। लंदन

● विमान में 323 छात्रों पर्यटकों और भारतीय पासपोर्ट धारकों के अलावा 37 साल के भारतीय मूल के एक व्यक्ति का शव भी है

कोरोना वायरस लॉकडाउन की वजह से ब्रिटेन में फंसे भारतीयों को लेकर एअर इंडिया की दूसरी उड़ान हीथ्रो हवाई अड्डे से बेंगलुरु के लिए रविवार को रवाना हुई। इस विमान में 323 यात्री हैं। इस विमान में 323 छात्रों, पर्यटकों और भारतीय पासपोर्ट धारकों के अलावा 37 साल के भारतीय मूल के एक व्यक्ति का शव भी है जिसने दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड स्थित अपने घर में खुदकुशी कर ली थी। फंसे हुए भारतीयों को वापस लाने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए वंदे भारत मिशन के तहत पहले चरण में संचालित की जाने वाले सात उड़ानों में से स्वदेश वापसी की यह दूसरी उड़ान है। गडीगेप्पागौड़ा ओंकारगौड़ा पाटिल की 13 मार्च को बर्कशायर में मौत हो गई थी। स्वदेश वापसी की प्रक्रिया के समन्वय से जुड़े प्रवासियों के समूह ओवरसीज फ्रेंड ऑफ बीजेपी के अध्यक्ष ने कहा, यह एक जटिल मामला था लेकिन भारत सरकार की मदद से उसका परिवार अंतिम संस्कार कर पाएगा। मानव अवशेषों को वापस भेजने से जुड़े सख्त नए नियमों की वजह से पाटिल का मामला जटिल था और नया वीजा जारी होने के बाद ही यह मामला सुलझ पाया। इंग्लैंड में आधिकारिक स्वीकृति मिलने के बाद उनके ताबूत को उनके गृहनगर बेंगलुरु भेजा जा रहा है। लंदन में भारतीय उच्चायोग ने रविवार को एक बयान में कहा, एअर इंडिया की उड़ान 323 यात्रियों को लेकर बेंगलुरु के लिए रवाना हुई है। शुभ यात्रा। भारतीय उच्चायोग ने सभी यात्रियों से अनुरोध किया है कि दो गज दूरी, बहुत है जरूरी नियम का पालन करें, वहीं एअर इंडिया की तरफ से यात्रियों को किट उपलब्ध कराई गई है जिसमें खाना, नाश्ता, सैनिटाइजर, मास्क और दस्ताने हैं। भारत पहुंचने पर उन्हें संबंधित राज्य सरकार द्वारा तैयार पृथक-वास केंद्र पर 14 दिन की अवधि बितानी होगी। इससे पहले रविवार सुबह भी मुंबई के लिए एक विमान यहां से रवाना हुआ था। अगले हफ्ते ब्रिटेन से हैदराबाद (सोमवार), मुंबई (मंगलवार), अहमदाबाद (बुधवार), चेन्नई (बृहस्पतिवार) और नई दिल्ली (शुक्रवार) के लिए उड़ान रवाना होगी।आयोजकों ने कहा कि वंदे भारत मिशन के दूसरे चरण में ब्रिटेन के अन्य शहरों से भारत के लिए उड़ान की योजना है। भारत से ब्रिटेन लौटने के दौरान इन उड़ानों से कुछ ब्रिटिश पासपोर्ट धारक भी वापस आएंगे।

क्विक न्यूज

पाकिस्तान में कोविड-19 का आंकड़ा 29,000 पर पहुंचा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोविड-19 के।,991 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामलों का आंकड़ा 29,000 पहुंच गया। यह एक दिन में सामने आए संक्रमण के मामलों की सबसे अधिक संख्या है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान में एक महीने से लगे लॉकडाउन की पाबंदियां धीरे-धीरे कम की जा रही हैं। कोविड-19 के मामलों में बढ़ोत्तरी के बावजूद लॉकडाउन हटाने का पहला चरण शनिवार को शुरु कर दिया गया। सरकार ने अधिकांश व्यवसायों को सुबह से शाम पांच बजे तक खोलने की घोषणा कर दी।राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों में संक्रमण से 21 लोगों की मौत हो गई जिसके बाद राज्य में इस संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या 639 पहुंच गई। अब तक 8,023 लोग उपचार के बाद संक्रमण मुक्त हो चुके है देश के पंजाब प्रांत में 11,093 मामले, सिंध में 10,771, खैबर पख्तूनख्वा में 4,509, बलूचिस्तान में।,935, इस्लामाबाद में 641, गिलगिट बाल्टिस्तान में 430 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 86 मामले सामने आए है। देश में संक्रमण के कुल मामले 29,465 गए हैं।

लेबनान में श्रद्धालुओं के लिए फिर से खुला चर्च

बेरूत। लेबनान में लगभग दो महीनों में पहली बार चर्चों को श्रद्धालुओं के लिए खोला गया। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए अधिकांश चर्चों को लोगों के लिए बंद कर दिया गया था, लेकिन लेबनानी अधिकारियों ने मार्च में लगाए गए प्रतिबंधों में ढील देना शुरू कर दिया है। चर्चों और मस्जिदों को अब रविवार और शुक्रवार को श्रद्धालुओं के लिए खोलने की अनुमति है। इनमें क्षमता सीमित कर दी गई है और सामाजिक दूरी बनाए रखने के नियमों सहित अन्य सुरक्षा उपायों से संबंधित दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है। रविवार को लेबनान के चर्चों में प्रवेश करने वाले कई श्रद्धालुओं को स्वच्छता प्रक्रिया से गुजरना पड़ा और उनके तापमान की जाँच की गई, फिर एक नियत दूरी पर उन्हें बैठाया गया। हालिया इतिहास में पहली बार पिछले महीने ईस्टर की प्रार्थना खाली पड़े चर्चों में संपन्न हुई थी। यहां तक कि 1975.90 के बीच देश में चले गृह युद्ध में भी लोगों ने पूजा स्थलों पर जाना बंद नही किया था। लेबनान में पूरे पश्चिम एशिया में सर्वाधिक ईसाई आबादी है। अमेरिका के जॉन्स हापकिन्स यूनिवर्सिटी के मुताबिक लेबनान में कोरोना संक्रमण के 809 मामले दर्ज किए गए है और 26 लोगों की मौत हो चुकी है।

दक्षिण कोरियाई प्रांत में फिर से बंद किए गए बार और नाइटक्लब

सियोल। दक्षिण कोरिया में सियोल से लगे ग्योंग्गी प्रांत के गवर्नर ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में फिर से वृद्धि होने के बाद नाइटक्लब, बार जैसे अन्य भीड़भाड़ वाले मनोरंजन केंद्रों को दो सप्ताह के लिए बंद करने का आदेश दिया है।ग्योंग्गी प्रांत के गवर्नर ली जे म्यूंग ने रविवार को यह आदेश दिया जबकि पिछले कई दिनों में राजधानी में संक्रमण के दर्जनों नए मामले सामने आने के बाद शनिवार को सियोल में 2,100 से अधिक नाइटक्लब, डिस्को और बार बंद कर दिए गए थे। बीते रविवार को दक्षिण कोरिया में 24 घंटों के भीतर संक्रमण के 34 मामले सामने आए थे। पहली बार देश में संक्रमण के मामलों की दैनिक वृद्धि 30 से अधिक हुई थी।स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक 34 में से 24 लोग सियोल के इतिवों में क्लब और बार में गए थे या फिर वहां जाने वाले लोगों के संपर्क में आए थे।

बांग्लादेश में कोविड-19 के एक दिन में सर्वाधिक मामले, संक्रमण के कुल मामले 14,657 हुए

ढाका। बांग्लादेश में बीते 24 घंटे के भीतर कोविड-19 के सर्वाधिक 887 मामले सामने आए और 14 व्यक्तियों की मौत हो गई। यहां संक्रमण के कुल मामले 14,657 हो गए है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अतिरिक्त महानिदेशक नसीमा सुल्ताना ने बताया, बीते 24 घंटे में कोविड-19 से 14 और लोगों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 228 हो गई। वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के 887 नए मामले सामने आए जिससे कुल मामले बढ़कर 14,657 हो गए। एक दिन के भीतर सामने आए ये सर्वाधिक मामले हैं। सुल्ताना ने यह भी बताया कि बीते 24 घंटे मे 236 मरीजो को अस्पतालों से छुट्टी मिली और ठीक होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 2,650 हुई।

पोप ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए यूरोपीय संघ के देशों से एकजुट होने की अपील की

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस ने यूरोपीय संघ के देशों से कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के सामाजिक और आर्थिक परिणामों से साथ मिलकर निपटने का आह्वान किया है। पोप ने रविवार को प्रार्थना सभा में कहा कि 75 वर्ष पहले द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यूरोप ने मेल- मिलाप की चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया शुरू की थी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया ने यूरोप का एकीकरण किया और स्थायित्व और शांति का लंबा दौर दिया जिसका लाभ हमें आज मिल रहा है।

लापता अमेरिकी ठेकेदार हमारे पास नहीं है: तालिबान

एपी। इस्लामाबाद

● अफगान के काबुल में स्थित अमेरिकी दूतावास से शनिवार देर रात जारी एक बयान में, खलीलज़ाद ने फ्रेरिच्स का पता लगाने में पाकिस्तान की मदद मांगी है

तालिबान के नेताओं ने हक्कानी नेटवर्क समेत सब जगह तलाश करने के बाद रविवार को कहा कि उनके पास अमेरिका के पूर्व सैनिक और ठेकेदार मार्क आर फ्रेरिच्स नहीं हैं। वह जनवरी के आखिर में अफगानिस्तान से लापता हो गए थे। तालिबान के राजनीतिक प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने रविवार को एसोसिएटिड प्रेस को भेजे एक संदेश में कहा, हमारे पास लापता अमेरिकी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। दूसरे तालिबानी नेता ने कहा कि तालिबान ने "आधिकारिक और गैर आधिकारिक तौरै पर अमेरिकी अधिकारियों को बताया दिया है कि फ्रेरिच्स उनके कब्जे में नहीं है। अमेरिकी शांति दूत ज़लमय खलीलज़ाद ने कतर में इस हफ्ते हुई बैठक में फ्रेरिच्स की रिहाई की मांग की थी। कतर में तालिबान का राजनीतिक दफ्तर है। खलीलज़ाद वही दूत हैं जिन्होंने फरवरी में तालिबान और अमेरिका के बीच हुए शांति समझौते के लिए बातचीत की थी। इसके तहत अमेरिका और नाटो देश दशकों से चल रही जंग को खत्म करने के लिए अपने सैनिक वापस बुलाएंगे। अफगानिस्तान के काबुल में स्थित अमेरिकी दूतावास से शनिवार देर रात जारी एक बयान में, खलीलज़ाद ने फ्रेरिच्स का पता लगाने में पाकिस्तान की मदद मांगी है।

एथेंस में लाकडाउन खुलने के बाद समुद्र तट पर मौज मस्ती करते लोग

'कूटनीतिक माध्यमों के जरिए सुलझा लिया जाएगा कालापानी का मुद्दा'

भाषा। काठमांडू

● सांसदों ने दावा किया कि महाकाली नदी के पूर्वी हिस्से पर लगभग 400 वर्ग किलोमीटर भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है

नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ग्यावली ने रविवार को कहा कि भारत के साथ कूटनीतिक पहलों के जरिए सीमा विवाद सुलझाने के प्रयास जारी हैं। ग्यावली ने उत्तराखंड में धारचुला से लिपुलेख दर्रे को जोड़ने वाली एक सड़क को लेकर नेपाल की ओर से आपत्ति जताए जाने के एक दिन बाद यह बात कही है।नेपाल की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के सांसदों ने संसद में एक विशेष प्रस्ताव पेश कर कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख में नेपाल के क्षेत्रों को वापस लेने की मांग की है। इसके बाद ग्यावली ने संसद में यह बात कही।

सांसदों ने दावा किया कि महाकाली नदी के पूर्वी हिस्से पर लगभग 400 वर्ग किलोमीटर भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है। उन्होंने अपने प्रस्ताव में नेपाल सरकार से इसे वापस लेने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की। ग्यावली ने दावा किया कि नेपाल से संबंधित क्षेत्र वैसे ही हैं, जैसा 1816 की सुगौली संधि में इनका जिक्र है। संधि के बाद नेपाल और तत्कालीन ब्रिटिश भारतीय सरकार के बीच तीन पूरक दस्तावेजों का आदान-प्रदान भी हुआ था और उस स्थिति को बदलने के लिए कोई अन्य समझौता नहीं हुआ।उन्होंने संसद को आश्वासन दिया कि इस मुद्दे का कूटनीतिक माध्यमों के जरिए हल किया जाएगा और इस दिशा में प्रयास जारी हैं। सांसदों ने इसे त्रिपक्षीय मुद्दा बताते हुए सरकार को चीनी पक्ष के साथ भी इस पर चर्चा का सुझाव दिया।उन्होंने सरकार से इस मुद्दे को सुलझाने के लिए नेपाल और भारत के बीच उच्चस्तरीय संवाद शुरू का भी सुझाव दिया।ग्यावली ने कहा कि नेपाल ने, भारत सरकार द्वारा उत्तराखंड के धारचुला को लिपुलेख दर्रे के रास्ते चीन के तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र से जोड़ने वाली सड़क के निर्माण पर भी आपत्ति जताई है। इससे पहले, शनिवार को नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया था कि सरकार को लिपुलेख दर्रे से जोड़ने वाली सड़क के उद्घाटन के बारे में जानकर हैरानी हुई, जो नेपाल का हिस्सा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले सप्ताह उत्तराखंड में चीन सीमा से लगी सीमा पर, 17 हजार फुट की उंचाई पर सामरिक रूप से महत्वपूर्ण 80 किलोमीटर लंबी सड़क का शुभारंभ किया था। लिपुलेख दर्रा नेपाल के पश्चिम में भारत से लगी सीमा पर विवादित क्षेत्र कालापानी के निकट स्थित है।

वायरस के चलते आर्कटिक अनुसंधान मिशन में देरी

बर्लिन। आर्कटिक मिशन पर काम कर रहे अनुसंधानकर्ता बेहद ठंडी स्थिति में काम करने को तैयार और ध्रुवीय भालू (पोलर बियर) दिखने की उम्मीद में थे लेकिन वैश्विक महामारी उनके इस कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था। उनके इस मिशन के अहम चरण में पहुंचने के साथ ही कोरोना वायरस संकट ने पूरे विश्व को घेर लिया और लॉकडाउन के चलते कई अनुसंधानकर्ता साल भर चलने वाले आर्कटिक अनुसंधान मिशन में फिर से शामिल होने का इंतजार करने के लिए मजबूर हैं। इस मिशन का लक्ष्य जलवायु परिवर्तन का अनुमान लगाने के लिए प्रयुक्त होने वाले प्रतिरूपों में सुधार करना है।कुछ समय के लिए लगने लगा था कि अंतरराष्ट्रीय मिशन को बंद करना पड़ेगा क्योंकि वायरस के चलते एक के बाद एक देशों में लॉकडाउन लागू होने लगा। पिछले साल से आर्कटिक के उंचाई वाले इलाके में मौजूद जर्मन अनुसंधान पोत पोलरस्टर्न तक नई आपूर्तियों एवं चालक दल भेजे जाने की योजना पर पानी फिर गया। कोलराडो यूनिवर्सिटी के वातावरणीय वैज्ञानिक और मोजेक खोज अभियान के सह-अगुवा मैथ्यू शूपे ने कहा कि वैश्विक महामारी की खबर ने पोत पर मौजूद वैज्ञानिकों के बीच घबराहट पैदा कर दी।उन्होंने जर्मनी के ब्रेमरहेवन बंदरगाह से एक वीडियो साक्षात्कार में कहा, कुछ लोग अपने परिवारों के साथ बस घर पर रहना चाहते थे। ध्रुवीय एवं महासागरीय अनुसंधान के लिए ऑल्फ्रेड वेगेनर के आयोजकों ने पिछले महीने कनाडा होते हुए कुछ लोगों को हवाई माध्यम से निकाला था। चालक दल के अन्य सदस्यों को दो अन्य जर्मन अनुसंधान पोतों की मदद से निकाला जाएगा। वैज्ञानिकों को वहां से निकाले जाने से पोलरस्टर्न को आर्कटिक चक्र में इस अहम समय में कम से कम तीन हफ्तों के लिए अपनी मौजूदा स्थान से हटना पड़ेगा।

कुलभूषण जाधव पर आईसीजे के फैसले का पूरी तरह पालन किया गया: पाक

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने रविवार को कहा कि कुलभूषण जाधव मामले में उसने आईसीजे के फैसले का पूरी तरह पालन किया है। कुछ दिनों पहले इस मामले में भारत के वकील ने कहा था कि नई दिल्ली को उम्मीद थी कि वह मौत की सजा प्राप्त जाधव को रिहा कराने के लिए इस्लामाबाद को अनौपचारिक माध्यम से मना लेंगे।भारतीय नौसेना के 49 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत ने अप्रैल 2017 में जासूसी और आतंकवाद के आरोपों में मौत की सजा सुनाई थी। कुछ हफ्ते बाद भारत ने जाधव को राजनयिक पहुंच देने से इंकार करने और उनकी मौत की सजा को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में चुनौती दी थी।हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में जाधव मामले में भारत के मुख्य वकील हरीश साल्वे थे। आईसीजे ने पिछले वर्ष जुलाई में फैसला दिया कि पाकिस्तान को जाधव की सजा पर प्रभावी समीक्षा और पुनर्विचार करना चाहिए और अविलंब राजनयिक पहुंच मुहैया करानी चाहिए।साल्वे ने तीन मई को लंदन से ऑनलाइन बात करते हुए कहा, हमें उम्मीद थी कि हम अनौपचारिक माध्यम से पाकिस्तान को उन्हें छोड़ने के लिए मना लेंगे। अगर वे मानवीय आधार या कुछ और आधार पर कहना चाहते हैं तो हम उनकी वापसी चाहते हैं। हमने कहा कि उन्हें छोड़ दिया जाए। क्योंकि यह पाकिस्तान में अहं का बड़ा कारण बन गया है। इसलिए हमें उम्मीद थी कि वे उन्हें जाने देंगे। लेकिन उन्होंने नहीं छोड़ा। साल्वे की टिप्पणी पर जवाब देते हुए पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता आईशा फारूकी ने कहा कि जाधव मामले में भारत के वकील के बयानों पर इस्लामाबाद ने गौर किया है।उन्होंने कहा कि साल्वे ने वापस आईसीजे का दरवाजा खटखटाने की बात कहकर कुछ ऐसे बयान दिए हैं जो मामले के तथ्यों के विपरीत हैं।फारूकी ने कहा, हम भारत के वकील के निराधार एवं असत्य कथन को पूरी तरह खारिज करते हैं कि पाकिस्तान ने मामले में आईसीजे के फैसले का अनुपालन नहीं किया है। पाकिस्तान ने पूरी तरह फैसले का पालन किया है और मामला जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा, वह उसी तरह से पालन करता रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जाधव को भारतीय राजनयिक पहुंच की मंजूरी दी और आईसीजे के फैसले के अनुरूप प्रभावी समीक्षा और पुनर्विचार के उपायों की प्रक्रिया कर रहा है।प्रवक्ता ने कहा कि जिम्मेदार देश होने के नाते पाकिस्तान सभी अंतरराष्ट्रीय दायित्वों से बंधा हुआ है।उन्होंने कहा, यह दुखद है कि साल्वे ने ऐसे बयान दिए, जो असत्य है और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं।

समझदारी से बनाएं

डॉ. विवेक बिन्द्रा का कहना है इस कठिन दौर में, अपनी स्पष्टता , दृष्टिकोण व बाजार की समझ संबंधी नजरिये के धनी उद्यमी तय करेंगे कि किस प्रकार अर्थव्यवस्था मौजूदा संकट से उबरेगी

कोरोना वायरस प्रसार उस स्थिति की ओर बढ़ रहा है जहां सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को निर्णायक ढंग से काम करने तथा हमारे देश में जानलेवा वायरस को बढ़ने से रोकने की जरूरत है।

स्पष्टतया, मुख्य जोर रोकथाम करने तथा बीमारी को सीमित करने पर है और होना चाहिए। लेकिन हम उस आर्थिक मंदी को नहीं रोक सकते जो इसने पैदा की है, जिसमें कंपनियां इस वैश्विक महामारी से प्राप्त शिक्षाओं को समझने व लागू करने को लेकर जूझ रही हैं।

उद्यमी/ बिजनेस नियोक्ताओं की ऐसी जटिल स्थिति में प्रमुख भूमिका है क्योंकि बाजार परिदृश्य व उनके व्यापार की समझदारी संबंधी दृष्टि व नजरिए संबंधी स्पष्टता तय करेगी कि भारत में अर्थव्यवस्था मौजूदा आर्थिक संकट से कैसे उबरेगी।

यहां कुछ प्रमुख सबक हैं जो ऐसे दौर में उद्यमियों द्वारा लागू किए जाने चाहिए:

● **प्रत्येक घंटे की जानकारियों से अवगत रहें:** ऐसी स्थिति बिजनेस घटनाएं अचंभित गति से घट रही हैं और स्थिति बहुत तेजी से बदलती है। कुछ दिन पहले तक, ऐसा लगता था मानो वायरस सिर्फ कुछ शहरों तक सीमित था लेकिन कुछ ही दिनों में वायरस ने देश के प्रत्येक राज्य में प्रवेश कर लिया है। यह जटिल भी है यदि आपका बिजनेस अखिल भारतीय स्तर पर है। रोजमर्रा तौर पर अपनी टीम के संपर्क में रहें और प्रत्येक छह घंटों पर आंकड़ों संबंधी जानकारियों का आदान प्रदान करें, बिजनेस रणनीतियों आदि पर चर्चा करें।

● **कर्मचारी संवाद:** ऐसे हालात में, कर्मचारियों को गलत सूचना प्राप्त हो सकती है और वे उत्तम कदम उठाने को लेकर बेचैन या भ्रमित महसूस कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि कर्मचारी कहां की यात्रा कर सकते हैं, किन कारणों से कौन से अधिकारियों की आवश्यकता होगी और नीति की कब समीक्षा की जाएगी, संबंधी यात्रा नीतियां स्पष्ट हों। साथ ही, व्यवहारिक कार्य विकल्प अपनाना मसलन सुदूर इलाके में काम करना महत्वपूर्ण हो जाता है। वे कैसे काम करेंगे और कब उनका मूल्यांकन किया जाएगा, इससे संबंधित स्पष्ट दिशानिर्देश हों। सभी कर्मचारियों तक नीतियों को उचित, स्पष्टतर के साथ तथा संतुलित ढंग से संप्रेषित करें, ताकि समान असरकारी परिणाम प्राप्त हों जैसा कि नियमित आफिस कार्यकाल के दौरान होता था।

● **स्वशिक्षण:** सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है और यह किसी भी स्तर पर रूकनी नहीं चाहिए। असलियत में, दुनिया में सबसे सफल लोग वे होते हैं जो प्रतिबद्ध होते हैं कि सीखना कभी नहीं रोकना है। अक्सर सफलता सीखने से प्यार करने का प्रतिफल होती है और अगर आप सफल होना चाहते हैं तो हमेशा कुछ नया सीखें और उसे आजमाएं। नयी चीजों को सीखने की प्रबल इच्छा व्यक्तिगत व व्यापार उत्पादकता बढ़ाने में सहायता कर सकती है खासतौर पर कोरोना वायरस प्रसार जैसी स्थिति के दौरान जहां अनेक स्थानों पर तालाबंदी हो गयी है। ऐसी स्थिति में आनलाइन ट्यूटोरियल्स, वेब आधारित सूचनागत कोर्स तथा कुछ बटनों की दूरी से मदद प्रदान करने वाले एप्स आपकी समझ को बढ़ाने का उत्तम तरीका है।

> “ जब संकट समाप्त होता है तो राहत की सांस लेने तथा सामान्य दिनचर्या में लौटने के बजाय तो प्रयास करें कि उस मूल्यवान जानकारी को कभी भुलाया न जाएं जो आपने संकट स्थिति के दौरान हासिल किया होता है। ”

● **जो कुछ सीखा, उस पर विचार करें:** जब संकट समाप्त होता है तो राहत की सांस लेने तथा सामान्य दिनचर्या में लौटने के बजाय तो प्रयास करें कि उस मूल्यवान जानकारी को कभी भुलाया न जाएं जो आपने संकट स्थिति के दौरान हासिल किया होता है। कोविड 19 के दौरान प्रतिक्रियाओं, घटनाओं का दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए जिनका बाद में मूल्यांकन किया जा सकता है। तेजी से उभरती स्थितियां मौजूदा सांगठनिक कमजोरियों उजागर करती हैं, मसलन कड़े फैसलने लेने की अयोग्यता या आपसी बेहतीह के लिए अवसर निर्माण संबंधी परस्पर सहमति के प्रति अत्यधिक पूर्वाग्रह।

● **अब अगले संकट के लिए तैयार हों:** कोरोना वायरस एक बार की चुनौती नहीं है। मौजूदा महामारी के अन्य दौर तथा भविष्य में अन्य महामारियों के भी आने की प्रबल संभावना है। बहुआयामी संकट के खिलाफसांगठनिक प्रतिक्रिया के प्रभाव पर आपका शोध इंगित करता है कि एक विविधता है जो क्रमश: सफलता के लिए प्रबल संभावित है – तैयारी और अवसर हथियाना। अब अगले संकट की तैयारी करना, कामचलाउ प्रतिक्रियात्मक फैसलों के बजाय अधिक असरकारी होने की संभावना लिए है जो उस समय लिए जाते हैं, जब संकट ने असलियत में हमला करती है।

और अंत में, समझदार उद्यमियों को एक बदली हुई दुनिया के लिए खुद को तैयार रखना चाहिए। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि कोरोना वायरस या कोई भी महामारीगत संकट व्यापारों व समाज को महत्वपूर्ण रूप में बदल देगा। यह आनलाइन खरीदारी, ई–एजूकेशन तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य निवेश जैसे कुछ क्षेत्रों को जबरदस्त उछाल देने वाला है। कंपनियों को उन बदलावों को विचार करना चाहिए जो इस संकट ने उनकी पुरानी कार्यपद्धति में इंगित किए है, उस शिक्षा का उपयोग करें और अपनी रणनीतिक योजनाओं में उन्हें प्रदर्शित करें।

– लेखक बाडा बिजनेस प्रा. लि., के सीईओ एवं संस्थापक हैं।

स्कॉलरशिप

जॉन बोएन स्कालरशिप के लिए युनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट ऐंजलिया आवेदन आमंत्रित करती है। इस आवेदन का उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों को क्रिएटिव राइटिंग में एक साल का मास्टर स्तरीय अध्ययन पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

योग्यता: आवेदक के पास युनिवर्सिटी आफ ईस्ट ऐंजलिया में स्कूल आफ लिटरेचर, ड्रामा एवं क्रिएटिव राइटिंग के अधीन एमए क्रिएटिव राइटिंग में पढ़ाई का प्रस्ताव पत्र होना चाहिए। 35 से अधिक उम्र के आवेदकों को वरीयता दी जाएगी। उन आवेदकों को वरीयता दी जाएगी जो जायज वित्तीय आवश्यकता प्रदर्शित करते हैं। संलग्न हेतु आवश्यक दस्तावेज इस प्रकार हैं: प्री–क्लालिफिकेशन डिग्री, अकादमिक पांडुलिपियों व पुरस्कारों की प्रतिलिपियां, अंग्रेजी भाषा दक्षता प्रमाणपत्र, पासपोर्ट की प्रतिलिपि।

एडमिशन शर्तें: यूके अंडरग्रेजुएट डिग्री या समकक्ष में न्यूनतम 2:1 में मास्टर प्रोग्राम ।

भाषा शर्तें: यदि अंग्रेजी आपकी प्रथम भाषा नहीं है, तो आप इस भाषा में: प्रत्येक भाग में न्यूनतम 5 .5 के साथ आईईएलटीएस में ओवर आल 6 .5 प्वाइंट। पीयर्सन ऐकेडमिक इंगलिश में प्रत्येक भाग में न्यूनतम 42 अंक के साथ समग्रता में 58 अंक अर्जित हों।

आवेदन कैसे करें: इस स्कालरशिप के लिए आवेदन प्रक्रिया आरंभ करने के लिए, आपको आनलाइन आवेदन फार्म को भरने की आवश्यकता होगी।

आवेदन की अंतिम तिथि: आवेदन की अंतिम तिथि है – 1 जून, 2020।

यह स्कालरशिप प्रोग्राम उन विदेशी छात्रों के लिए उपलब्ध है जिन्होंने अपने पूर्व अध्ययनों में अकादमिक उपलब्धि दिखाई है। और आस्ट्रेलिया में क्यूयूटी में डिप्लोमा के लिए आवेदन करना चाहते हैं।

योग्यता: वे आवेदक जिन्होंने आस्ट्रेलियाई केरीकुलम में पढ़ाई की है, चाहे आस्ट्रेलिया में या किसी अन्य देश में, तथा 74 या उससे अधिक की आस्ट्रेलियन टर्टियरी एडमिशन रैंक हासिल की है।

दाखिला शर्तें: आवेदकों को इस अध्ययन सुविधा हेतु आवेदन करने के लिए युनिवर्सिटी में एडमिशन आवश्यकता पृष्ठ पर देखने की जरूरत है।

भाषा शर्तें: वे आवेदक जिनकी राष्ट्रीय भाषा अंग्रेजी नहीं है, उन्हें टीओईएफएल या आईईएलटीएस टेस्ट में अंग्रेजी भाषा दक्षता प्रदर्शित करनी होगी।

आवेदन कैसे करें: क्वींसलैंड युनिवर्सिअी आफटेक्नोलाजी में दाखिला लें।

आवेदन की अंतिम तिथि: आवेदन की अंतिम तिथि है 31 अक्टूबर, 20202 ।

पुन: नया सीखने का समय

द्वारिका प्रसाद उनियाल का कहना है कि प्रोफसरों को नयी स्थितियों के मद्देनजर अपने कोर्स व अपने शिक्षाशास्त्र के बारे में बिलकुल नए ढंग से पुनर्विचार करना होगा ताकि वे आनलाइन पद्धति में आफलाइन कोर्स पढ़ा सकें।

जैसा कि हम जानते हैं कि दुनिया हमेशा बदली है और हमें इसका अहसास तक नहीं हुआ। यह बदली है मानो थेनोस ने संतुलन बनाने के लिए अपनी उंगली दबा दी हो। सचमुच बहुत डरावना खयाल है। लेकिन इसके सकारात्मक पक्ष पर नजर डालें। हमने महसूस किया कि प्रत्यक्ष तरीके के मुकाबले जूम/ एमएसटीम/ स्लेक/ जी–मीट में मुलाकात के जरिए उत्पादक होना संभव है। हमने महसूस किया कि जिन अनगिनत घंटों को हमने सफर में बिताया है उनकी असलियत में आवश्यकता नहीं थी। हमने महसूस किया कि मीलों दूर से अपने छात्रों को पढ़ाना, उनके साथ जुड़ना व असरकारी होना संभव है।

द्वारिका प्रसाद उनियाल
डीनए फ्लेम यूनिवर्सिटी

दुनिया भर के शिक्षकों ने नया सबक सीखा है कि वे सबकुछ नहीं है और वे ही ज्ञान का अंतिम स्रोत नहीं हैं। वे छात्र की शिक्षण प्रक्रिया में मददगार है और इसलिए उनके लिए यह जरूरी है कि वे अपनी सीमाओं को समझें। अध्यापन महत्वपूर्ण नहीं है, छात्र सीखें, यह महत्वपूर्ण है।

ऐसे समय जब विश्वविद्यालय बंद हैं और हास्टल खाली हैं, एक ऐसे समय जब समूची दुनिया कोविड–19 नामक संक्रमणकारी रोग से जंग लड़ रही है, उच्च शिक्षा गंभीर उलटफेर के मुकाम पर है। विश्वविद्यालयों ने खुद को नहीं बदला है जबसे पहला विश्वविद्यालय 1088 में इटली के बोलोग्ना में शुरू हुआ था।

उनका दुनिया भर में एक ही माडल था– एक बड़ा परिसर, भारीभरकम ढांचा, बड़े लैक्चर हाल, बड़ी संख्या में शोध केन्द्रित संकाय, कार्यकाल टेऊ्क सिस्टम, ज्यादा इमारतों व प्रयोगशालाओं के लिए भारी दान तथा प्रतिभाशाली छात्र संस्था जो महंगी डिग्रियां हासिल करने के लिए भारी भरकम फीस देती थी।

इस सबमें, एक चीज गायब थी, वो है इस बात पर वास्तविक शोध कि अध्यापन शिक्षण किस प्रकार कक्षाओं में हो रहा है। क्या यह टीचर से विद्यार्थी के बीच की प्रक्रिया है या फिर यह छात्र से छात्र के बीच की या फिर यह गूगल के बाद की दुनिया में इंटरनेट के माध्यम से है।

विश्वविद्यालयों ने कुछ दशकों पहले अपने आनलाइन कोर्स आरंभ किए हैं लेकिन ये अधिकांशतया एक्जीक्यूटिव शिक्षा तक सीमित रहे हैं या अल्पकालिक सर्टीफिक्रेट कोर्स तक। बड़े लैक्चर हालों से परे जाने के बार में सोचना भी पाप था। प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों द्वारा मूक्स ने नए प्राइवेट संस्थानों के जरिए धीरे धीरे इस सोच को चुनौती देना शुरू किया, और पश्चिम व भारत में प्रयोग लोकप्रिय हो रहे हैं। हालांकि वे अभी भी बहुत शुरूआती अवस्था में हैं।

कोविड के बाद की दुनिया में उच्च शिक्षा उस जबरदस्त बदलाव के लिए तैयार है जो इसने आरंभ किए थे। धीरे धीरे, सभी प्रकार के कोर्स की आम आनलाइन पढ़ाई की सफलता से, छात्र आनलाइन व आफलाइन मिश्रित कक्षाओं की ज्यादा मांग करने लगेंगे। इससे लागत को भी शिक्षण के नए प्रारूपों के साथ मेल खाना होगा।

विश्वविद्यालयों को आनलाइन शिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अपने आईटी ढांचे के आमूलचूल बदलाव हेतु भारी मात्रा में धन निवेश करना होगा। शिक्षकों को समकालिक व गैरसमकालिक दोनों शिक्षण तरीके अपनाने पड़ेंगे। मौजूदा मंच अध्यापन के लिए उपयुक्त नहीं हैं, वे कांफ्रेंस काल्स तथा ईबैठकों के लिए अच्छे हैं। इसलिए तकनीकी कंपनियों को बिलकुल भिन्न तकनीकी मंच खड़े करने पड़ेंगे जो सुदूर इलाकों से लोगों को पढ़ाने में, उपस्थिति दर्ज करने, असायनमेंट्स, सामूहिक विचारविमर्श, आनलाइन निरीक्षक परीक्षाएं तथा अनेक अन्य खूबियों से संपन्न होंगे जो वास्तविक कक्षा की नकल होंगे।

प्रोफसरों को नयी स्थितियों के मद्देनजर अपने कोर्स व अपने शिक्षाशास्त्र के बारे में बिलकुल नए ढंग से पुनर्विचार करना होगा ताकि वे आनलाइन पद्धति में आफलाइन कोर्स पढ़ा सकें। अधिकांश शिक्षण को सुधारना होगा, सिर्फआनलाइन पद्धति में ढालने से काम नहीं चलेगा।

शिक्षकों के लिए भारी शिक्षण बदलाव करने पड़ेंगे क्योंकि छात्र संबद्ध दुनिया की वास्तविकता के साथ ज्यादा ढले हैं। मेरे जैसे प्रोफेसर को पुराने शिक्षण तरीकों को भूलना तथा नए तरीकों को सीखना पड़ेगा।

माइंड इट

दवा उद्योग दुनिया में सबसे बहुआयामी उद्योग

दवा उद्योग दुनिया में सबसे बहुआयमी उद्योग है। इसमें जीवन बदलने वाले शोध और खोज होती हैं तकनी में तीव्र प्रगति होती हैं निरंतर नये प्रयोग होत हैं और हम सबके स्वास्थ्य विकास पर ध्यानकेन्द्रित रहता है जो उद्योग का सार है।

चिकित्सा देखभाल औषधियों के विकास से संचालित है और उद्योग निरंतर चिकित्सा नवोन्मेषन की दीवारें विस्तारित करता है।

भारतीय दवा उद्योग अनुमानत: 4 .5 अरब डालर का है, जो सालाना आठ से नौ फीसदी की दर से प्रगति कर रहा है। तकनीक, दायरा तथा बनाई जा रही दवाओं की गुणवत्ता के मामले में, दुनिया की बड़े फार्मा उद्योग में इसका स्थान है। भारत वैश्विक स्तर पर जेनरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है और दुनिया भर में उत्पादित होने वाले सभी टीकों का साठ फीसदी का उत्पादनकर्ता है। यहां बनने वाली दवाइयों में सिरदर्द गोलियां, संवेदनशील एंटाबायटिक्स एवं जटिल हृदय रोग दवाइयां शामिल हैं, वर्तमान समय में भारतीय दवा दद्योग में लगभग हर प्रकार की दवा बनाई जा रही है।

फार्मास्युटिकल इंजीनियर चिकित्सा उत्पादों पर जोर देने वाले बताए जाते हैं। वे जांच करते हैं, शोध कार्य करते हैं और हम सभी के उपयोग की अनेक दवाएं उत्पादित करते हैं। वे उत्पादों के उपयोग एवं विज्ञान व ओरल ड्रग डिलीवरी, दवाओं के उत्पादन तथा फार्मास्युटिकल एवं बायोफार्मास्युटिकल प्रक्रियाओं में उपयोग होने वाली तकनीकों के बारे में सीखते हैं।

हालांकि, फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग में हासिल योग्यताएं प्रत्यक्ष भी होंगी तथा खाद्य, कास्मेटिक्स एवं उपभोक्ता वस्तुओं जैसे संबंधित क्षेत्रों में व्यवहारिक प्रासंगिकता वाली भी होंगी।

केमिकल एवं बायोटेक्नोलाजी इंजीनियर अक्सर दवाओं व औषधियों के विकास पर काम करेंगे, इसलिए उन क्षेत्रों की पृष्ठभूमि फार्मास्युटिकल इंजीनियर बनने के लिए उत्तम वैचारिक आधार है।

सटीक रोजगार कर्तव्य इंडस्ट्री पर निर्भर करेंगे, लोग विश्वविद्यालयों, लेबोरेटरीज, या वैश्विक फार्मास्युटिकल कंपनियों समेत विभिन्न प्रकार के उद्योगों में काम कर सकते हैं।

इंडस्ट्री व पेश में दाखिल होने को सर्वोत्तम रास्ता यह है कि उस इंजीनियरिंग डिग्री की पढ़ाई की जाए जो प्रासंगिक है, मसलन केमिकल इंजीनियरिंग, बायो केमिस्ट्री, केमिस्ट्री या संबंधित क्षेत्र ।

हालांकि अन्य विभिन्न प्रकार के कार्य आधारित रास्ते हैं मसलन इंजीनियरिंग अपरेंटिसशिप। यद्यपि यदि आप फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग में एमएससी की पढ़ाई करते हैं तो इस सेक्टर में आपका प्रवेश उच्च स्तर पर होने की संभावना होगी।

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री को दवा विकास का विस्तृत ज्ञान रखने वाले स्नातकों की बहुत आवश्यकता है खासतौर पर अगर बायोलोजिकल मोलिक्यूल्स पर आधारित दवाओं की बात करें जो कि फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री में विश्व स्तर पर उन्नति पाने का क्षेत्र है– आयु संबंधी रोगों, कैंसर, जटिल जीवनशैलीगत रोगों, स्वप्रतिरक्षण रोगों एवं खास संक्रमणकारी रोगों से संबंधित।

कोरोना वायरस के खतरे के मौजूदा वातावरण से फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने का इससे ज्यादा दबावकारी समय और नहीं हो सकता है। मूलत:, आपका दायित्व है गोली बनाए और उसे दूर दूर तक पहुंचाएं। दुनिया भर की सरकारें महामारी रोकने के लिए भारी मात्रा में दवाओं की मांग कर सकती हैं।

अपना स्वास्थ्य सुधारने तथा रोग को रोकने के लिए नए दृष्टिकोण, रणनीतियां व वस्तुएं विकसित करने का यह सचमुच एक उपयोगी पेशा है।

हमारे स्वास्थ्य से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। फार्मा इंडस्ट्री में काम करने में बहुत सारे अवसर हैं जहां आप लोगों के जीवन को सीधे प्रभावित कर सकते हैं, यह सचमुच एक अनोखा कार्य क्षेत्र है।

लोगों का जीवन बचाने की मसला इस क्षेत्र को बहुत ज्यादा विशेष बनाता है। जब हम चिकित्सा व फार्मास्युटिकल नवोन्मेषन की बात कर रहे हैं, तो यह पूर्णतया उन विभिन्न प्रकार के चिकित्सा उत्पादों को डिजाइन करना, गढ़ना व उनका उत्पादन करने से संबंधित है जो दुनिया भर के लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

– प्रोफेसर अग्बा सलमान लेखक यूनिवर्सिटी ऑफ शेफील्ड, यूके में एमएससी फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग के कोर्स डायरेक्टर हैं।